हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

यूपी टी20 : मैच जिताऊ पारी के बाद बोले स्वास्तिक...

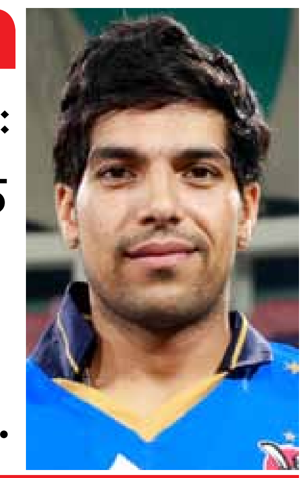

www.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 18 अगस्त 2026, वर्ष- 09, अंक- 174, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

दर्दनाक हादसा : प.बंगाल के तारापीठ में होटल में भीषण आग

7 लोग जिंदा जले; मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के तारापीठ मंदिर के सामने स्थित एक होटल में आज तड़के लगी आग में कम से कम छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और अन्य कई लोग झुलस गए । इन लोगों को रामपुरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।झुलसे लोगों की स्थिति को देखते हुए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। बताया गया है कि तारापीठ थाने से कुछ ही दूरी पर स्थित पांच मंजिला होटल 'विदेशिनी' में सोमवार सुबह करीब साढ़े चार बजे यह हादसा हुआ। होटल के बिजली आपूर्ति केंद्र में अचानक विस्फोट के बाद आग लगी। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, बिजली के तारों में खराबी के कारण विस्फोट हुआ।इस दौरान अधिकांश श्रद्धालु सो रहे थे। कुछ ही देर में लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया। चारों ओर धुआं फैल गया। कई लोग अपने कमरों में फंस गए। सूचना मिलते ही तारापीठ और रामपुरहाट थाने की

पुलिस तथा दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। होटल मालिक कल्याण पाल के अनुसार, सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों ने आग लगते ही अग्निशमन यंत्र चलाया और बिजली की आपूर्ति बंद करने का प्रयास किया। हालांकि, होटल की सजावट में इस्तेमाल रेशेदार सामग्री ने आग को तेजी से फैलने में मदद की। धुआं पांचवीं मंजिल तक पहुंच गया। कई श्रद्धालु घबराकर बाहर निकलने लगे और इसी दौरान आग की चपेट में आ गए। होटल में ठहरे उत्तर 24 परगना जिले के बादुड़िया निवासी तपनज्योति मंडल ने बताया कि वह अपनी पत्नी, दो बच्चों, मां और बहन के साथ तारापीठ में पूजा करने आए थे। उनका परिवार करीब 45 मिनट तक होटल के कमरे में फंसा रहा। कमरे में खिड़की नहीं होने के कारण उन्होंने शौचालय के ऊपरी हिस्से से बाहर निकलने का प्रयास किया। बाद में तारापीठ पुलिस ने दरवाजा तोड़कर उन्हें बाहर निकाला। उनकी मां अभी भी बेहोश हैं, जबकि बहन झुलस गई है। श्रावण मास में पूजा-अर्चना के लिए तारापीठ पहुंचे श्रद्धालुओं में इस हादसे के बाद दहशत है। पुलिस और प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव कार्य जारी है। आग के वास्तविक कारण और होटल की सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच की जा रही है।

बीरभूम अग्निकांड में जानमाल की हानि पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री ने बीरभूम हादसे में मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख मुआवजे का ऐलान किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के बीरभूम में हुए भीषण अग्निकांड में जानमाल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में मृत लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल के बीरभूम में हुए अग्निकांड में जानमाल के नुकसान की खबर अत्यंत दुखद है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस दुर्घटना से

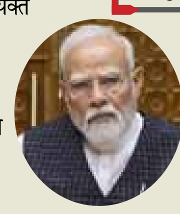

प्रभावित लोगों की सहायता के लिए स्थानीय प्रशासन प्राथमिकता के आधार पर काम कर रहा है। उन्होंने प्रशासन द्वारा प्रभावित लोगों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के प्रयासों पर भी भरोसा जताया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक संदेश में कहा, "पश्चिम बंगाल में बीरभूम अग्निकांड में जानमाल की हानि के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ। मृतकों के परिजनों के प्रति मेरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

नितिन नवीन की नई टीम का ऐलान, वसुंधरा राजे उपाध्यक्ष स्मृति ईरानी बनीं महासचिव, पीयूष गोयल कोषाध्यक्ष

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन निवीन ने सोमवार को अपनी नई टीम की घोषणा कर दी। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, वरिष्ठ नेता राम माधव समेत 13 लोगों को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, विनोद तावड़े, हरीश द्विवेदी समेत आठ नेताओं को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। भाजपा की विज्ञप्ति के मुताबिक वसुंधरा राजे सिंधिया, तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत जय पांडा, डी पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, भारती प्रवीण पवार, मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, एम. नागराज, तारिक मंसूर और मधुचंद्र कर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। बीएल संतोष राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) होंगे। शिव प्रकाश और सौदान सिंह को फिर राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गयी है। विनोद तावड़े, सुनील बंसल, विप्लव देव, स्मृति ईरानी, सतीश पूनिया, गजेन्द्र पटेल, हरीश द्विवेदी, संजय भाटिया राष्ट्रीय महासचिव होंगे। पीयूष गोयल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। पार्टी ने कुल 7 राज्यों से 8 महामंत्री बनाए हैं और सबसे ज्यादा दो नेता उत्तर प्रदेश से आते हैं। चार महिलाओं को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। राष्ट्रीय मंत्री का दायित्व कविता पाटिदार, के सुरेन्द्रन, भोला सिंह, प्रदीप वर्मा, जगदीश ईश्वरभाई पटेल, संदीप पाठक, फांग्नोन कोन्यक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, एम वेंकटेशन , मनोज टिग्गा, सिद्धार्थ शंभू, स्वदेश सिंह, मृगांका देव बर्मन, रोहन गुप्ता, जय प्रकाश को सौंपा गया है। वहीं, तरुण चुग को राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी और महेन्द्र पांडे को राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री बनाया गया है। डॉ. संबित पात्रा को नॉर्थ ईस्ट संयोजक बनाया गया है। इस प्रकोष्ठ के सह संयोजक ऋतुराज सिंहा और विष्णु वर्धन रेड्डी को बनाया गया है। हेमांग जोशी को युवा मोर्चा, रूप कुमारी चौधरी को महिला मोर्चा, अमरपाल मौर्य को ओबीसी मोर्चा, बंसीलाल गुर्जर को किसान मोर्चा, शिवेश कुमार राम को अनुसूचित जाति मोर्चा, जॉ. मन्नालाल रावत को अनुसूचित जनजाति और कुंवर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चा की कमान सौंपी गई है।

प्रधानमंत्री ने भाजपा की नई टीम को दी बधाई, कहा-संगठन को मजबूत करने और जनसेवा पर रहेगा ध्यान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों और पार्टी में विभिन्न जिम्मेदारियां संभालने वाले नेताओं को बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि नई टीम संगठन को मजबूत करने के साथ जनसेवा पर विशेष ध्यान देगी। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों को बधाई। उन्होंने कहा कि नई टीम में संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी स्तर से जुड़ाव का समावेश है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि

नई टीम पार्टी को मजबूत करने और जनसेवा पर ध्यान केंद्रित करने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देगी। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों और नेताओं को अपनी शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने आज अपनी नई टीम की घोषणा की। इसमें वसुंधरा राजे सिंधिया और राम माधव समेत 13 नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि स्मृति ईरानी और हरीश द्विवेदी समेत आठ नेताओं को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

प्रशांत किशोर ने विधायक के तौर पर पद और गोपनीयता की शपथ ली, कहा-विधानसभा का सदस्य बनना गर्व की बात

पटना । बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जीत के बाद जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने

सोमवार को विधायक पद की शपथ ली। बिहार विधानसभा के मुख्य भवन में स्थित विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार के कार्यालय कक्ष में प्रशांत किशोर ने विधानसभा सभा सदस्य के तौर पर शपथ ली। बिहार विधानसभा के स्पीकर प्रेम कुमार ने उन्हें शपथ दिलाई। इस मौके पर जन सुराज के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, जन सुराज के प्रवक्ता कुमार सौरभ सिंह सहित कई अन्य नेता मौजूद रहे। शपथ लेने के बाद जन सुराज पार्टी के संस्थापक और विधायक प्रशांत किशोर ने मीडिया से बातचीत में कहा, "मेरे लिए बिहार विधानसभा का सदस्य बनना बहुत गर्व की बात है, जहां भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर, नीतीश कुमार और लालू यादव जैसे लोगों ने सदस्य के तौर पर सेवा की है। इनके साथ ही, सैकड़ों अन्य विधायकों और सदन के सदस्यों ने समाज और राज्य की बेहतरी के लिए अपने जीवन के कीमती साल समर्पित किए हैं। इन सभी से प्रेरणा के लिए प्रदेश और समाज के लिए कुछ कर सकें, यही सोच है। लखीसराय के अशोक धाम मंदिर में मची भगदड़ पर कहा, "हमें अभी-अभी जानकारी मिली है। हम वहाँ जाएंगे।" किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को हराकर जन सुराज पार्टी के पहले निर्वाचित विधायक बनने का गौरव प्राप्त किया।

आईएसआई-समर्थित शाहजाद भट्टी नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई, 14 राज्यों से 253 संदिग्ध हिरासत में, 80 एफआईआर

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS
सत्यमेव जयते

नई दिल्ली। सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) समर्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 14 राज्यों में 253 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है। इस नेटवर्क के खिलाफ 80 से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। स्वतंत्रता दिवस के आसपास एसबीएन से जुड़ी संभावित गड़बड़ियों को रोकने के लिए 12 अगस्त को राज्य पुलिस बलों के साथ रियल-टाइम खुफिया जानकारी साझा करने वाली प्रणाली के जरिए समन्वित बहु-राज्यीय अभियान चलाया गया। इसमें 14 राज्यों में 253 लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश (62), हरियाणा (52), दिल्ली (51), पंजाब (44), राजस्थान (15), महाराष्ट्र (8), उत्तराखंड (5), कर्नाटक, गुजरात और बिहार (3-3) तथा तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और केरल दो-दो लोग शामिल हैं। दिल्ली और कर्नाटक में नई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई समर्थित आतंकी समूह 'शहज़ाद भट्टी नेटवर्क' को खत्म कर दिया और 200 से ज़्यादा सदस्यों को गिरफ़्तार कर उसके खतरनाक हमलों के मंसूबों को नाकाम कर दिया।

एनटीए में व्यापक सुधार की तैयारी, 50 से अधिक कर्मचारी हटाए गए; परीक्षा व्यवस्था की होगी पूरी समीक्षा

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की परीक्षा व्यवस्था और सुरक्षा प्रोटोकॉल में व्यापक सुधार के निर्देश दिए हैं। उन्होंने परीक्षा से जुड़े सभी स्थापित प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने तथा एनटीए की गोपनीय संचालन व्यवस्था (सीओएनओपीएस) के ढांचे में पूरी तरह बदलाव करने को कहा है। शिक्षा मंत्री ने उच्च शिक्षा विभाग के सचिव, एनटीए के महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सोमवार को बैठक कर हाल में यूजीसी-नेट परीक्षा से जुड़े मुद्दों के बाद एजेंसी की ओर से उठाए गए कदमों की समीक्षा की। बैठक में मंत्री को एनटीए की समग्र व्यवस्था में सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, सुधार प्रक्रिया के तहत एनटीए के 50 से अधिक कर्मचारियों को हटाया गया है। इसके अलावा मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ),

मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ), मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ), महाप्रबंधक (परीक्षा सुरक्षा) तथा महाप्रबंधक (अनुसंधान एवं विकास और साइकोमेट्रिक्स) समेत 10 नए पेशेवर नेतृत्व पदों के लिए विज्ञापन जारी किए गए हैं और इन पदों पर नियुक्तियां की जा रही हैं। मंत्रालय ने बताया कि साइबर सुरक्षा, साइकोमेट्रिक्स और प्रश्नपत्र तैयार करने समेत विभिन्न विशेषज्ञ क्षेत्रों के लिए निजी क्षेत्र से विषय विशेषज्ञों को भी जोड़ा जा रहा है। इसका उद्देश्य एनटीए की तकनीकी क्षमता और परीक्षा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करना है।

शक्ति की सप्त धारा से कृषि और ग्रामीण विकास को मिलेगी नई गति : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी। नई दिल्ली

- 18 अगस्त को पूसा परिसर में कृषि-ग्रामीण विकास का रोडमैप तैयार करेंगे केंद्रीय मंत्री
- 3 करोड़ ग्रामीण महिलाएं बन चुकी हैं लखपति दीदी, लक्ष्य बढ़ाकर 6 करोड़ करने पर होगा जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 अगस्त को लाल किले से घोषित 'शक्ति की सप्त धारा के तहत केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 18 अगस्त को पूसा परिसर, नई दिल्ली में दोनों मंत्रालयों के विभागीय अधिकारियों को संकल्प दिलाएंगे। इस दौरान कृषि और ग्रामीण विकास के लिए वर्ष 2047 तक की कार्ययोजना तथा विभागीय रोडमैप पर विस्तृत संवाद किया जाएगा। कार्यक्रम में कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालयों के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ प्रगतिशील किसान, लखपति दीदियां, कृषि क्षेत्र के निर्यातक और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि भी भाग लेंगे। बैठक में किसानों और ग्रामीणों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेने के साथ योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की रणनीति पर चर्चा होगी।

2047 तक विकसित भारत के लिए ठोस कार्ययोजना : केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में घोषित 'शक्ति की सप्त धारा कृषि और ग्रामीण भारत के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। उन्होंने कहा कि सरकार इसे जन-आधारित कार्यक्रमों, पारदर्शी निगरानी और मजबूत क्रियान्वयन के माध्यम से जमीन पर उतारेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य किसानों और ग्रामीण महिलाओं को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाना है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए कृषि और ग्रामीण विकास को मजबूत करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से 18 अगस्त को विभागीय रोडमैप पर चर्चा कर योजनाओं के क्रियान्वयन को और गति दी जाएगी।

कृषि विस्तार और खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा: प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में 'शक्ति की सप्त धारा के तहत कृषि और खाद्य उत्पादन को मजबूत करने को प्राथमिकता दी है। इसमें कृषि का विस्तार, खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने और भारतीय कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया है। सरकार कृषि क्षेत्र में निर्यात के नए अवसर तलाशने और किसानों को वैश्विक बाजारों से जोडऩे की दिशा में भी काम कर रही है। कृषि और समुद्री उत्पादों के क्षेत्र में नए बाजार तथा अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बिहार के लखीसराय मंदिर भगदड़ में सात श्रद्धालुओं की मौत पर उपराष्ट्रपति, रक्षा मंत्री समेत कई राजनेताओं ने जताया दुख

नई दिल्ली। बिहार के लखीसराय जिले में स्थित अशोकधाम शिव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार को हुई भगदड़ में सात श्रद्धालुओं की मौत पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत कई अन्य राजनेताओं ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर घटना पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने मृत श्रद्धालुओं के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने घटना को हृदयविदारक बताया। उन्होंने भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई और इस कठिन घड़ी में उनके प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त की। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी हादसे पर दुख जताया। उन्होंने श्रद्धालुओं की मौत और कई लोगों के घायल होने की खबर को अत्यंत पीड़ादायक बताया।

सैन्य अभ्यास 'मैत्री' में भाग लेने के लिए भारतीय सेना की टुकड़ी थाईलैंड रवाना

नई दिल्ली। भारत-थाईलैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास 'मैत्री' के 15वें संस्करण में भाग लेने के लिए भारतीय सेना की टुकड़ी सोमवार को थाईलैंड रवाना हुई। यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय सात के अन्तर्गत जंगल और शहरी वातावरण में उग्रवाद और आतंकवाद से निपटने के लिए संयुक्त अभियानों को अंजाम देने में दोनों देशों की क्षमताओं को बढ़ाएगा। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह अभ्यास 18 से 31 अगस्त तक थाईलैंड के सूरत थानी स्थित विभावादी रंगसिट कैंप में होगा। इस अभ्यास का पिछला संस्करण सितंबर 2025 में मेघालय के उमरोई में आयोजित किया गया था। भारतीय सेना और थाई शाही सेना की टुकड़ियों में 85-85 जवान शामिल हैं। भारतीय सेना की टुकड़ी में मुख्य रूप से 9 गोरखा राइफल्स के सैनिक हैं, जबकि थाई सेना की टुकड़ी में 5वीं डिवीजन की 25वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड की तीसरी बटालियन के जवान शामिल हैं। इस अभ्यास में कंपनी स्तर का संयुक्त प्रशिक्षण शामिल होगा जो जंगल और अर्ध-शहरी इलाकों में संचालन पर केंद्रित होगा।

ब्रिक्स देशों की पर्यावरण कार्य समूह की बैठक में जलवायु परिवर्तन सहित सतत विकास पर मंथन

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता-2026 के तहत पर्यावरण कार्य समूह और जलवायु परिवर्तन एवं सतत विकास संपर्क समूह की वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक सोमवार को भारत मंडपम में हुई। बैठक की अध्यक्षता पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार ने की। इसमें ब्रिक्स के सदस्य देशों ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास से जुड़े साझा मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान तन्मय

कुमार ने कहा कि पिछले दो दशकों में ब्रिक्स आर्थिक सहयोग के मंच से आगे बढ़कर प्रदूषण, जैव विविधता के नुकसान और ग्लोबल वार्मिंग जैसी पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण सहयोग मंच के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स का सहयोग अब जलवायु लचीलापन और अनुकूलन के साथ संसाधन दक्षता, सर्कुलर इकोनॉमी और पर्यावरणीय शासन जैसे क्षेत्रों तक विस्तारित हो चुका है। भारत की अध्यक्षता में चार प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। इनमें सतत जीवनशैली को बढ़ावा देना, वनीकरण एवं वनाग्नि प्रबंधन के साथ आपदा लचीलापन, सर्कुलर इकोनॉमी और जलवायु अनुकूलन शामिल हैं। बैठक में बताया गया कि भारत की अध्यक्षता शुरू होने के बाद सदस्य देशों के बीच अब तक 21 वर्चुअल विषयगत एवं वार्ता बैठकें, 10 द्विपक्षीय परामर्श, दो विषयगत संवाद और दो तकनीकी वेबिनार आयोजित किए जा चुके हैं। अधिकारियों ने कहा कि जलवायु लचीलापन, पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली, संसाधन दक्षता और सतत विकास आपस में जुड़े विषय हैं। इन चुनौतियों के समाधान के लिए एकीकृत और समग्र दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

नौसेना के लिए दो एमक्यू-9बी सशस्त्र अमेरिकी ड्रोन 30 महीने की लीज पर लेगा भारत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय नौसेना के लिए दो एमक्यू-9बी सशस्त्र ड्रोन अमेरिका से 30 महीने के लिए लीज पर लिए जाएंगे। अमेरिका से 31 एमक्यू-9बी सशस्त्र ड्रोन खरीदने का सौदा फाइनल न होने पर यह रास्ता निकाला गया है। लगभग 1,943 करोड़ रुपये के इस समझौते पर सोमवार को नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए। भारत को यह ड्रोन मिलने के बाद समुद्री मार्गों में मानव रहित निगरानी और टोही गश्ती को सक्षम करके वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने के लिए भारत की क्षमता बढ़ेगी। खास तौर पर चीन सीमा पर भारत की निगरानी आसान होगी। रक्षा विभाग के एडिशनल सेक्रेटरी और डायरेक्टर जनरल (एक्विजिशन) ए. अनबरसु की मौजूदगी में आज दो एमक्यू-9बी सी गार्डियन

हाई-एल्टीट्यूड लॉन्ग-एंड्योरेंस रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम लीज पर लेने के लिए जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स, इंक के साथ समझौते पर हस्ताक्षर हुए। एमक्यू-9बी सशस्त्र ड्रोन एडवांस्ड सिस्टम, स्टेट-ऑफ-द-आर्ट सेंसर और सोफिस्टिकेटेड पेलोड से लैस हैं, जो भारतीय नौसेना की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाएंगे। ये सिस्टम समुद्री डोमेन के बड़े क्षेत्र में लगातार खुफिया, निगरानी और टोही कवरेज देंगे, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र पर नजर रखने और जवाब देने की भारत की क्षमता

लगभग 1,943 करोड़ रुपये के समझौते पर नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए

मजबूत होगी। दरअसल, भारत ने अमेरिका से खरीदे जाने वाले 31 एमक्यू-9बी ड्रोन को लेकर साफ किया है कि अभी इनकी कीमतें तय नहीं हुईं हैं और अमेरिकी सरकार की नीति मंजूरी मिलने के बाद कीमत पर बातचीत की जाएगी। कीमत और खरीद की अन्य नियम एवं शर्तें अभी तय नहीं की गई हैं और ये बातचीत के अधीन हैं। रक्षा मंत्रालय जनरल एटॉमिक्स (जीए) से तालमेल करके अन्य देशों की तुलना में सर्वोत्तम कीमत से खरीद करेगा। इसके विपरीत अमेरिका ने 3.99 बिलियन अमेरिकी डॉलर (32 हजार करोड़) की अनुमानित लागत पर भारत को 31 एमक्यू-9बी सशस्त्र ड्रोन की बिक्री को मंजूरी दे दी है।

सीमा प्रहरियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : संजय कुमार

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री बंदी संजय कुमार ने सोमवार को कहा कि एसएसबी परिसर में नवनिर्मित आवास केवल भवन नहीं हैं ये राष्ट्र की सुरक्षा में समर्पित जवानों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कुमार ने हैदराबाद के इब्राहिमपटनम स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) परिसर में 48 नवनिर्मित पृथक पारिवारिक आवासों के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले एसएसबी के 51 वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। मंत्री ने कहा, "सुरक्षित और संतुष्ट परिवार ही आत्मविश्वासी जवान की सबसे बड़ी ताकत है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री नहीं, स्वतंत्र सोच और नवाचार को बढ़ावा देना है : उपराष्ट्रपति

तिरुवरूर। उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को तिरुवरूर स्थित तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने स्नातक छात्रों को जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने पर बधाई देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति, ज्ञान की खोज, समर्पण, दृढ़ता और संघर्षों से उबरने की क्षमता का उत्सव है। उपराष्ट्रपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों के माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि माता-पिता और शिक्षकों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपने वर्तमान के अनेक सुख-सुविधाओं का त्याग किया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की

सफलता के पीछे उनके परिवार और शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। राधाकृष्णन ने तिरुवरूर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भव्य त्यागराज मंदिर वाला यह पवित्र नगर सदियों से आध्यात्मिकता, विद्वत्ता और कलात्मक उत्कृष्टता का केंद्र रहा है। इस पवित्र भूमि ने संतों, विद्वानों और कर्नाटक संगीत की महान त्रिमूर्ति को जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि वास्तविक महानता तभी उभरती है, जब संस्कृति, ज्ञान और मूल्य एक साथ विकसित होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

नौकरी एवं रोजगार के क्षेत्र में एनडीए सरकार लगातार उठा रही ठोस कदम : श्रवण

पटना। सोमवार को जनता दल यू प्रदेश कार्यालय, पटना में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में मंत्री श्रवण कुमार ने प्रदेशभर के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों से दूरभाष के माध्यम से बात कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य रूप से बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी एवं कार्यक्रम के समन्वय के लिए पार्टी के प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी सुमित कुमार सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर श्रवण कुमार ने लखीसराय के अशोक धाम में हुई भगदड़ की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है, जिससे बिहार सहित पूरा देश मर्माहत है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना की। उन्होंने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए श्रवण कुमार ने कहा कि राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए सरकार लगातार कदम उठा रही है। जो भी लोग गलत करते हैं, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। नौकरी और रोजगार के सवाल पर उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। विभिन्न विभागों में लगातार बहाली की प्रक्रिया चल रही है और आगे भी रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार लगातार कदम उठाती रहेगी।

युवाओं, छात्रों की बेहतरी और शिक्षा के क्षेत्र में नीतीश मॉडल को आगे बढ़ा रही एनडीए सरकार : जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता डा निहोरा प्रसाद यादव ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि 15 अगस्त के अवसर पर झंडोत्तोलन के बाद मुख्यमंत्री श्री सम्राट चैधरी ने बिहार के युवाओं, छात्रों और रोजगार के सवालों पर जिस संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ अपनी बात रखी, वह राज्य के बेहतर भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए शिक्षकों की बहाली, 211 डिग्री कॉलेजों की स्थापना और 551 स्कूलों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने का फैसला बिहार के छात्र-युवाओं के हित में बड़ा फैसला है। उन्होंने कहा कि गरीब और जरूरतमंद छात्रों को इन मॉडल स्कूलों में आईआईटी और नीट जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं की मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था किए जाने की घोषणा स्वागत योग्य कदम है। दरअसल यह उसी सोच का विस्तार है, जिसकी नींव पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और अवसरों के विस्तार के लिए रखी थी। वर्तमान एनडीए सरकार उसी नीतीश मॉडल को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा को अधिक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारपरक बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के कार्यकाल में बिहार में शिक्षा के बुनियादी ढांचे के विस्तार, स्कूल-कॉलेजों की संख्या बढ़ाने, शिक्षकों की नियुक्ति और छात्र-युवाओं के लिए अवसर पैदा करने पर लगातार जोर दिया गया। मौजूदा सरकार द्वारा उसी विकास की गति को आगे बढ़ाने का परिणाम है कि आज शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नई योजनाओं और संस्थानों की घोषणा हो रही है।

अशोक धाम मंदिर में हुई घटना पर नीतीश कुमार ने जताया गहरा दुःख

पटना। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार ने लखीसराय के अशोक धाम मंदिर में हुई भगदड़ की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में श्रद्धालुओं की मृत्यु की खबर से मैं मर्माहत हूँ। नीतीश कुमार ने मृत श्रद्धालुओं के शोक-संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करें। साथ ही उन्होंने हादसे में घायल श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और कहा कि राज्य सरकार एवं प्रशासन से अपेक्षा है कि घायलों के समुचित इलाज तथा प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने में कोई कमी न रहे।

भाजपा की नई टीम को मंत्री ने दी बधाई

पटना। राज्य के श्रम संसाधन तथा प्रवासी श्रमिक कल्याण एवं युवा, रोजगार तथा कौशल विकास मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा घोषित पार्टी की नई टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि संगठन में नई जिम्मेदारी प्राप्त करने वाले सभी साथियों से अपेक्षा है कि वे अपनी ऊर्जा, अनुभव और समर्पण के साथ संगठन को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। यह नई टीम सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित की भावना को और मजबूत करते हुए पार्टी के विचारों एवं नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेगी। मंत्री श्री प्रसाद ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के कुशल नेतृत्व में पार्टी का संगठन निरंतर नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा। ह्यराष्ट्र प्रथमह्ल की भावना के साथ जनसेवा और संगठन के विस्तार को प्राथमिकता देते हुए आप सभी विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे और साथ ही साथ सभी स्तर पर संगठन को और अधिक सशक्त बनाते हुए विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक भी पहुंचायेंगे।

भाजपा कार्यकारिणी के 65 में 51 नए चेहरे; वसुंधरा सबसे उम्रदराज

पटना। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पद संभालने के 209 दिन बाद सोमवार को 65 सदस्यों की कार्यकारिणी का ऐलान कर दिया। राम माधव को उपाध्यक्ष और स्मृति ईरानी को महासचिव बनाकर वापस लाया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को अपनी नई टीम का ऐलान कर दिया है। इसमें 65 सदस्य हैं। इनमें से 12, यानी 18% महिला सदस्य हैं। 14 सदस्यों को दोबारा जिम्मेदारी दी गई है, जबकि 51 नए सदस्य हैं। 73 साल की वसुंधरा राजे सबसे सीनियर हैं। जबकि 35 साल डॉक्टर हेमांग जोशी सबसे युवा है। अगले साल चुनाव वाले उत्तर प्रदेश से 8, उत्तराखंड से 4, गुजरात से 4 और पंजाब से 2, यानी कुल 18 चेहरे नई टीम में शामिल हैं। भाजपा की नई टीम में 2027 में विधानसभा चुनाव वाले 7 राज्यों में से 4 राज्यों को प्रतिनिधित्व मिला है। उत्तर प्रदेश से 8, उत्तराखंड से 4, गुजरात से 4 और पंजाब से 2, यानी कुल 18 चेहरे नई टीम में शामिल हैं। वहीं गोवा, मणिपुर और हिमाचल प्रदेश से कोई नाम नहीं है।भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में कई महिला नेताओं को अहम संगठनात्मक जिम्मेदारियां दी गई हैं। इनमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय महासचिव, सचिव और मोर्चा व सोशल मीडिया से जुड़े पद शामिल हैं। नई टीम में 14 पुराने चेहरों को दोबारा जगह मिली है, जबकि 51 नए चेहरे शामिल किए गए हैं। यानी 65 सदस्यों वाली टीम में करीब 78.5% नए चेहरे हैं। इससे साफ है कि संगठन में बड़े स्तर पर बदलाव किया गया है, हालांकि कुछ अनुभवी नेताओं को भी बरकरार रखा गया है। पिछली टीम के 29 चेहरों को नई राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली है। इनमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव और कोषाध्यक्ष जैसे प्रमुख संगठनात्मक पदों पर रहे नेता भी शामिल हैं। इसके अलावा मोर्चा, कार्यालय और मीडिया से जुड़े कुछ पुराने पदाधिकारियों को भी नई टीम में जगह नहीं दी गई। भाजपा की नई 65 सदस्यीय टीम में सबसे उम्रदराज चेहरा वसुंधरा राजे हैं, जिनकी उम्र 17 अगस्त 2026 को 73 साल है। वहीं सबसे युवा चेहरा डॉ. हेमांग जोशी हैं, जिनकी उम्र 35 साल है। यानी नई टीम में सबसे ज्यादा उम्र और सबसे कम उम्र के चेहरों के बीच 38 साल का अंतर है। हालांकि सभी 65 नेताओ की उम्र की अभी पूरी डिटेल सामने नहीं आई है। भाजपा आईईटी सेल के इंचार्ज अमित मालवीय हटाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी स्व0 देवशरण सिंह जी को उनके जन्म दिवस के अवसर पर नमन किया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्वतंत्रता सेनानी स्व० देवशरण सिंह जी को उनके जन्म दिवस पर आयोजित राजकीय समारोह में बिहार विधानमंडल मुख्य द्वार संख्या-10 के उत्तर पार्क में स्थापित उनकी आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और अपनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ० प्रेम कुमार, बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह, बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव, बिहार विधान परिषद् के उपसभापति रामवचन राय, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव, उच्च शिक्षा मंत्री संजय सिंह टाइगर, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, स्वतंत्रता सेनानी स्व० देवशरण सिंह जी के सुपौत्र एवं विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक उमेश कुशवाहा, विधायक श्याम रजक, विधायक राधाचरण साह, विधायक वशिष्ठ सिंह, विधायक रामसेवक सिंह, विधान पार्षद कुमुद वर्मा, विधान पार्षद रीना देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी स्व० देवशरण सिंह जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती-पूजन, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्र गान, बिहार गीत एवं देश भक्ति गीतों का गायन भी किया गया।

खनिज संपदा का लाभ बिहार की जनता के कल्याण और राज्य के विकास में होगा : मुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज होटल मौर्या में कोयला एवं खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण एवं सामरिक खनिज ब्लॉकों की नीलामी एवं एन०एम०ई०डी०टी० के कार्यशाला का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि कोयला एवं खान मंत्रालय, भारत सरकार के आठवें चरण के खनिज ब्लॉकों की नीलामी के कार्यशाला में उपस्थित आप सभी लोगों का स्वागत करता हूँ। उन्होंने कहा कि बिहार में खनिज ब्लॉकों का अध्ययन कराया गया है। एतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासतों का संरक्षण हम सभी की जिम्मेवारी है, उसको कोई नुकसान नहीं पहुँचाया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत तथा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समृद्ध बिहार के सपने को पूरा करना है। वर्ष 2005 के बाद से पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में कई विकास कार्य किये गये हैं। आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कराया गया है। आधारभूत संरचनाओं में पत्थर सहित अन्य खनिज तत्वों की जरूरत पड़ती है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता के हित में यहां के संसाधनों का सदुपयोग किया जायेगा। कई खनिज ब्लॉकों का टेंडर किया गया है और कई की प्रक्रिया चल रही है। हमारे पदाधिकारी इस काम में लगे हुये हैं, 9 महीने में हमलोग इस काम को पूर्ण करेंगे। 44 कोल ब्लॉकों में से 28 कोल ब्लॉकों में सर्वे का काम आगे बढ़ा है। 30 सितम्बर के पहले 30 से अधिक कोल ब्लॉक आवंटित कर दिये जायेंगे। 15 अक्टूबर से बिहार में खनन कार्य शुरू करने की दिशा में पहल होगी।

8वां प्रतिभा सम्मान समारोह : 56 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में उपलब्धियों के लिए किया गया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

» बिहार के सभी जिलों में पटेल छात्रावास का निर्माण होगाः पूर्व मंत्री कृष्ण कुमार मंटू
» जरूरतमंद छात्रों के लिए संस्थाओं की ओर से कोचिंग की व्यवस्था किया जाना चाहिए : पुलिस महानिदेशक (निगरानी बिभाग) जितेंदर सिंह गंगवार

पटना। घर-घर शिक्षा की ज्योति जलाने एवं छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कुर्मी फाउंडेशन की ओर से, रॉयल पैलेस, रंजन पथ, बेली रोड, पटना में आयोजित, 8वां प्रतिभा सम्मान समारोह में 56 प्रतिभावान छात्र छात्राओं को उनकी प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अमनौर के विधायक एवं पूर्व मंत्री कृष्ण कुमार मंटू ने अपने संबोधन में कहा कि, हमारा प्रयास है बिहार के सभी जिलों में हरेक साल एक पटेल छात्रावास का निर्माण कराना है 1 इससे समाज के जरूरतमंद छात्र छात्रावास में रहकर ऊंची शिक्षा प्राप्त कर सके 1 उन्होंने ने कहा कि सीतामढ़ी,जहानाबाद और समस्तीपुर में निर्माण कार्य पूरा हो चुका है 1 समस्तीपुर पटेल भवन का उद्घाटन आगामी सरदार पटेल जयंती पर होगा 1 उन्होंने ने कहा कि इस तरह के प्रतिभा सम्मान राजधानी पटना के साथ साथ सभी जिलों में आयोजित किया जाय, इसके लिए आयोजकों को सारी जरूरी सुविधा भी उपलब्ध कराया जायेगा 1 पुलिस महानिदेशक (निगरानी बिभाग) बिहार के जितेंदर सिंह गंगवार ने कहा कि जरूरतमंद छात्रों के लिए संस्थाओं की ओर से कोचिंग की भी व्यवस्था किया जाना चाहिए 1 डॉ बसंत कुमार सिन्हा, डॉ लाल बाबू सिन्हा, अमर कुमार प्रसाद सिन्हा , संजू कुमारी, मदन मोहन कुमार, पुनिल कुमार, उमेश प्रसाद सिंह, राकेट सिंह, रागनी पटेल,चंद्र भूषण सिंह, राजेश रंजन, अमित विक्रम आदि ने भी कुर्मी समाज के उत्थान और विकास के लिए अपने अपने विचार रखे 1 कार्यक्रम को सफल बनाने में कुर्मी फाउंडेशन के विवेक सिन्हा (अध्यक्ष), राजीव कुमार (महासचिव), नीरज कुमार सिन्हा (कोषाअध्यक्ष), भोला कुमार सिंह, अजय कुमार ,अमित कुमार , संजीव कुमार, सन्नी, अमृत आनंद, सुजीत कुमार, सुजाता सिन्हा, वर्षा आदि ने महत्वपूर्ण योगदान किया है 1

विधानसभा अध्यक्ष ने बांकीपुर के नवनिर्वाचित विधायक प्रशांत किशोर को शपथ दिलाई

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जन सुराज पार्टी के संस्थापक एवं बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक प्रशांत किशोर ने आज बिहार विधानसभा में विधायक के रूप में शपथ ली। बिहार विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने अपने कक्ष में विधायक प्रशांत किशोर को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के साथ ही जन सुराज की राजनीतिक यात्रा ने बिहार विधानसभा के सदन में एक नई शुरुआत की है। प्रशांत किशोर ने कहा कि विधानसभा में पार्टी का एकमात्र विधायक होने के कारण सदन में बोलने का समय मिले न मिले परन्तु बांकीपुर का काम बोलेगा। प्रशांत किशोर ने बांकीपुर की जनता से किए वादों को सदन के भीतर मजबूती से उठाने और रोजगार, शिक्षा, पलायन, भ्रष्टाचार एवं बिहार के विकास जैसे मुद्दों पर आवाज बुलंद करने का संकल्प लिया है। चुनाव के दौरान पीके ने जनता से बड़े वादे किए थे और 'तीन महीने के भीतर बदलाव' दिखने का संकल्प लिया था। अब सभी की निगाहें उनके अगले कदम और बिहार के विकास के लिए उनके विजन पर टिकी हैं। शपथ ग्रहण के दौरान जन सुराज के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, प्रवक्ता कुमार सौरभ सिंह समेत पार्टी के कई नेता मौजूद रहे।

खगौल दानापुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। देशभक्ति, उत्साह और राष्ट्रीय गौरव की भावना से ओत-प्रोत वातावरण में खगौल के खास कर स्थानीय शिक्षण संस्थानों में साँस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर स्वतंत्रता दिवस धूम धाम से मनाया गया 1 क्राइस्ट चर्च डायोसेसन स्कूल, खगौल, रेलवे स्कूल, बालिगा स्कूल, स्मार्ट इंग्लिश स्कूल के साथ-साथ खगौल थाना, नगर परिषद आदि सरकारी और निजी संस्थानों में भी 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। क्राइस्ट चर्च डायोसेसन स्कूल, खगौल, में विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम की भावना को जीवंत कर दिया। विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. पवन अग्रवाल ने विद्यार्थियों को देश के प्रति प्रेम, आपसी एकता, अनुशासन और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति में युवा पीढ़ी की भूमिका महत्वपूर्ण है और विद्यार्थियों को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। समारोह को सफल बनाने में विद्यालय के विशेष रूप से काजल, शिवांगी शर्मा, सुरेश कुमार, रवि रंजन प्रसाद, सत्यजीत, प्रशांत, निशांत और मुकेश सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी सक्रिय रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन कक्षा दस की अंजू कुमारी और कक्षा नौ के केशव कुणाल ने किया।

वंदे मातरम् के गान को बीच में रोकने का बोलकर सोनिया गांधी ने इसका अपमान किया : अमित शाह

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के निंबाहेड़ा में रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फीट ऊँची भव्य प्रतिमा के अनावरण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस की उस मानसिकता पर प्रहार किया, जिसने दशकों तक वंदे मातरम् को हाशिये पर धकेल रखा था। स्वतंत्रता संग्राम में वंदे मातरम् अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ भारत के आत्मसम्मान की हुंकार बना। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की लेखनी से निकला यह राष्ट्रगीत स्वतंत्रता आंदोलन की चेतना बना। 1896 में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इसका गायन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वंदे मातरम् को जन-गण-मन के समान राष्ट्रगान का दर्जा दिया गया। कानूनी संरक्षण मिला और लाल किले की प्राचीर से भी यह गान गूँजा। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में जब वंदे मातरम् का गान चल रहा था, तब सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष को बीच में ही गान रोकने का इशारा किया। अमित शाह ने इसे 'पाप' करार दिया और कहा कि जनता इसे कभी माफ नहीं करेगी। अमित शाह ने कांग्रेस की वोट बैंक की राजनीति को बेनकाब करते हुए कहा कि कांग्रेस ने वोट बैंक की लालच में इस गीत को किनारे कर दिया था, लेकिन मोदी जी ने इसे नया आयुष्य दिया। आज जब देश वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगाँठ मना रहा है, तब यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस की वोट बैंक वाली राजनीति अब और नहीं चलेगी। इस पूरे घटनाक्रम का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जाता है।

ईमानदारी से कर दायित्वों का निर्वहन करने वाले राष्ट्र की विकास में दे रहे महत्वूपर्ण योगदानः उपमुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। वाणिज्य-कर विभाग के तत्वावधान में सोमवार को कर भवन में भामा शाह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन उपमुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने राज्यस्तरीय कॉरपोरेट श्रेणी एवं पटना जिला अवस्थित अंचलों के नॉन-कॉरपोरेट श्रेणी के चयनित करदाताओं को अंग वस्त्र, प्रशस्ती पत्र और चेक देकर सम्मानित किया। करदाताओं को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम उन लोगों को सम्मानित कर रहे हैं जिन्होंने उल्लेखनीय कर भुगतान में योगदान देकर राज्य एवं राष्ट्र की अर्थ व्यवस्था को सुदृढ़ करने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सभी सम्मानित संस्थाओं, करदाताओं को बधाई देता हूं। हमारा यह पुरस्कार महान देश भक्त और दानवीर भामा शाह को समर्पित है। जिनका यह स्पष्ट संदेश था कि धन की वास्तविकता, साक्षकता उसके संचय में नहीं बल्कि उसका सदुपयोग एवं राष्ट्रहीत के योदान में हैं। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से अपने कर दायित्वों का निर्वहन करने वाले करदाता की राष्ट्र की विकास में महत्वूपर्ण योगदान दे रहे हैं। आज प्रदान किया जा रहा पुरस्कार केवल कर भुगतान करने के लिए सम्मान नहीं है यह ईमानदारी, पारदर्शिता, अनुशासन, राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का सम्मान है। मैं आशा करता हूं कि आज सम्मानित होने वाली संस्थाए भविष्य में भी इसी प्रकार का अनुपालन कर आगे क्षेत्र में उदाहरण प्रस्तुत करेगी और अन्य करदाताओं को भी प्रेरित करेगी। हमारा उद्देश्य केवल अधिक राजस्व प्राप्त करना नहीं बल्कि ऐसी एक संस्कृति विकसित करना है, जिसमें प्रत्येक करदाता अपने दायित्व को बोझ नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान समक्ष कर निभाएं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हम चाहते हैं कि हमारा उद्योग आगे बढ़े, नये रोजगार सृजित हो, निवेश बढ़े, नवाचार को प्रोत्साहन मिले और राज्य की अर्थ व्यवस्था की नींव निरंतर मजबूत हो। सरकार की जिम्मेवारी है कि वह पादर्शी सरल उत्तरदायित्व और व्यवहार व्यवसाय अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराएं। यही करदाताओं की जिम्मेवरी है कि वे अपने हर दायित्व का इमानदारी से निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि आपकी उपलब्धी केवल आपकी संस्था की उपलब्धी नहीं बल्कि उस विश्वास का प्रतिक है कि व्यवसाय की सफलता और राष्ट्र की प्रगति एक दूसरे के पूरक हैं। वहीं राज्यकर आयुक्त सह सचिव संजय कुमार सिंह ने कहा कि भामाशाह वीरता, त्याग, कर्मठता, युद्ध कौशल और राष्ट्रप्रेम में सर्वस्व न्यौछावर करने वाले थे। उन्होंने महाराणा प्रताप के कठिन समय में अपना सबकुछ दान देकर समर्पण कर देश रक्षा का जो उत्कृष्ठ कार्य किया आज उनके सम्मान में हम यह कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। व्यापार उनकी जीवन चर्या थी। उनका राष्ट्र प्रेम, त्याग या देश के लिए युद्ध करना यह उनका धर्म था। और यही धर्म हम सभी का आप सभी उद्योगों का, सभी व्यवसाईयों का होना चाहिए। इसी अभिप्राय से आप सभी को सम्मानित करने की जो यह योजना है उसका नाम भामा शाह सम्मान रखा गया है। इसे नये कलेवर में पिछले साल से शुरू किया गया है।

मुख्यमंत्री से मिले कांटी विधायक ई अजीत कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

कांटी/ मुजफ्फरपुर। पूर्व मंत्री व कांटी विधायक ई.अजीत कुमार ने सोमवार को पटना स्थित मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से 'लोक सेवक आवास' में मुलाकात कर कांटी क्षेत्र की बदहाल नहर व्यवस्था को सुदृढ़ कर किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने की मांग की। विधायक ने मुख्यमंत्री को वीरपुर एवं रामदयालु वितरणी समेत करीब एक दर्जन उप-वितरणियों की जर्जर स्थिति से अवगत कराया। विधायक ने कहा कि नहरों की स्थिति ठीक नहीं होने के कारण किसानों, विशेषकर गन्ना उत्पादकों, को सिंचाई के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से नहरों का जीर्णोद्धार कराकर नियमित रूप से खेतों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया,साथ ही मड़वन में चीनी मिल खुलवाने की मांग की, उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों के हित में मड़वन में चीनी मिल की स्थापना बेहद जरूरी है। उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा। विदित हो कि करीब दो माह पूर्व गन्ना विभाग ने मड़वन में नया चीनी मिल खोलने के लिए 50 से 100 एकड़ जमीन चिह्नित करने को लेकर अंचल अधिकारी को पत्र भेजा था।

संक्षिप्त समाचार

हरिहरनाथ मंदिर जलाभिषेक को जा रहे दो युवकों को अज्ञात वाहन ने कुचला, एक की मौत

दानापुर। सोनपुर स्थित हरिहरनाथ मंदिर जलाभिषेक करने जा रहे बाइक सवार युवकों को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसे इलाज के लिए पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। घटना रविवार की देर रात नगर स्थित रामजीचक के पास हुई। दानापुर क्षेत्र के चौधराना रोड के रहने वाले प्रियांशु कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि बाइक सवार दो युवक किशु और प्रियांशु हरिहरनाथ मंदिर के लिए जा रहे थे। विगत देर रात रामजी चक के पास अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटनास्थल पर पुलिस पहुंच दोनों घायलों को पीएमसीएच पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान प्रियांशु की मौत हो गई। जबकी किशु की हालत चिंताजनक बनी हुई है। इस संबंध में पुलिस मृतक का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया।

लखीसराय अशोकधाम की घटना पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने जताया शोक

पटना। लखीसराय के अशोकधाम में भगदड़ से श्रद्धालुओं की मृत्यु पर उनके परिजनों के प्रति बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने अपनी संवेदनाएं प्रकट की है। उन्होंने इस घटना को प्रशासनिक विफलता का परिणाम बताते हुए दोषी प्रशासनिक पदाधिकारियों की जवाबदेही तय कराने के साथ दोषियों पर कार्रवाई की मांग भी राज्य सरकार से की है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि यह दुर्घटना प्रशासनिक चूक का नतीजा है जिसमें सोमवारी में अशोकधाम के महत्व को समझते हुए प्रशासन को उचित व्यवस्था रखनी चाहिए थी फिर भी इस तरीके की चूक हो जाती है जिसमें अब तक हादसे में 7 महिलाओं की मौत हो गई। 23 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। 3 की हालत नाजुक बताई जा रही है। इसमें मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। तीसरी सोमवारी पर करीब 50 हजार श्रद्धालु जलाभिषेक करने के लिए ऐतिहासिक शिव मंदिर पर पहुंचे थे। सरकार दोषी प्रशासनिक अधिकारियों को चिन्हित करें और कार्रवाई करें जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। साथ ही मृत श्रद्धालुओं के परिजनों को सरकार के द्वारा घोषित मुआवजा को नाकाफी बताते हुए इसे अविलंब बढ़ाने की मांग की है और घायलों को सरकारी खर्च पर उचित इलाज के साथ उन्हें भी मुआवजा देने की मांग प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने की है।

माउंटेन मैन दशरथ मांझी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

पटना। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री डॉ. अनिल कुमार के नेतृत्व में आज माउंटेन मैन दशरथ मांझी की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया और उनके मूर्ति पर पुष्पांजलिकर श्रद्धांजलि दी गई। डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि दशरथ मांझी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प, मेहनत और संघर्ष की जीवंत मिसाल थे। उन्होंने अपने अदम्य साहस और कठिन परिश्रम से पहाड़ को काटकर रास्ता बनाया और यह साबित किया कि मजबूत इच्छाशक्ति के सामने बड़ी से बड़ी बाधा भी टिक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि दशरथ मांझी ने अपनी पत्नी के निधन के बाद ग्रामीणों को बेहतर इलाज और आवागमन की सुविधा दिलाने के संकल्प के साथ अकेले पहाड़ काटने का कठिन कार्य शुरू किया। वर्षों तक हथौड़ा और छेनी से पहाड़ काटकर उन्होंने रास्ता बनाया। उनका यह संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि दशरथ मांझी का जीवन गरीब, वंचित और मेहनतकश समाज के संघर्ष और आत्मसम्मान का प्रतीक है। उनका संदेश स्पष्ट था कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि लक्ष्य के प्रति संकल्प मजबूत हो तो असंभव कार्य को भी संभव बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दशरथ मांझी की स्मृति को केवल पुण्यतिथि तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि उनके संघर्ष और विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना चाहिए। उनके जीवन से युवाओं को मेहनत, धैर्य, साहस और सामाजिक जिम्मेदारी की प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर गीता पासवान, रघुवीर मोची, मोहम्मद सैफुद्दीन, अनिल रजक, रामविलास प्रसाद, मुकेश, स्मिता शर्मा, रणविजय पासवान, चंद्र, भीम सिंह, श्रवण कुमार उपस्थित रहे।

इंटर व मैट्रिक परीक्षा के लिए आज से आरंभ होगा पंजीयन

पटना। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा इंटरमीडिएट एवं मैट्रिक वार्षिक परीक्षा, 2027 में सम्मिलित होने के लिए रजिस्ट्रेशन एवं अनुमति आवेदन कराने से छूटे हुए विद्यार्थियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने एवं शुल्क जमा कराने का विशेष एवं अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ त्यागराजन एसएम, अध्यक्ष, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने बताया कि इंटरमीडिएट एवं मैट्रिक वार्षिक परीक्षा, 2027 के लिए छूटे हुए विद्यार्थियों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं अनुमति आवेदन करने के लिए 18.अगस्त 2026 से 22.अगस्त 2026 तक अंतिम अवसर शिक्षण संस्थानों को दिया गया है। इस अवधि में छूटे हुए विद्यार्थियों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं अनुमति आवेदन विलंब शुल्क के साथ भरा जाएगा। इंटरमीडिएट में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं शुल्क वेबसाइट के माध्यम से जमा शिक्षण संस्थानों के प्रधान अपने यूजर आईडी एवं पासवर्ड का उपयोग करते हुए कर सकते हैं। मैट्रिक में मान्यता प्राप्त विद्यालयों के प्रधान वेबसाइट अथवा डायरेक्ट लिंक के माध्यम से अपने यूजर कऊ एवं पासवर्ड का उपयोग करते हुए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं शुल्क जमा कर सकते हैं।

मंगलवार को पटना नगर निगम के सभी छह अंचलों में आयोजित होगा सहयोग शिविर

पटना। पटना नगर निगम द्वारा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान तथा नगर निगम एवं आमजन के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से प्रत्येक माह के पहले एवं तीसरे मंगलवार को द्वासहयोग शिविरद्ध का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में मंगलवार को पटना नगर निगम के सभी छह अंचलों में सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याओं, शिकायतों एवं सुझावों को सीधे संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा। नागरिक न केवल पटना नगर निगम से संबंधित शिकायतें एवं सुझाव दर्ज करा सकेंगे, बल्कि अन्य विभागों से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए भी आवेदन दे सकेंगे। संबंधित विभागों से जुड़ी समस्याओं को आवश्यक कार्रवाई एवं समाधान के लिए अग्रसारित किया जाएगा।पटना नगर निगम का उद्देश्य सहयोग शिविर के माध्यम से नागरिकों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सुगम एवं सुविधाजनक मंच उपलब्ध कराना है, ताकि आमजन को अपनी शिकायतों के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। शिविर में नागरिक अपनी समस्या से संबंधित आवेदन एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ उपस्थित होकर संबंधित पदाधिकारी/कर्मी के समक्ष अपनी बात रख सकते हैं।18 अगस्त को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर के लिए पटना नगर निगम के सभी छह अंचलों में निम्नलिखित स्थल निर्धारित किए गए हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने क्षेत्र के नजदीकी सहयोग शिविर में पहुंचकर अपनी शिकायत, सुझाव अथवा समस्या से संबंधित आवेदन प्रस्तुत करें। नागरिकों की सक्रिय भागीदारी एवं संवाद से शहर की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जा सकता है। सहयोग शिविर इसी सहभागिता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

क्लैट सारथी ने मनाई दूसरी वर्षगांठ, छात्रों को गुणवत्तापूर्ण तैयारी का भरोसा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बोरिंग रोड स्थित लॉ की पढ़ाई के लिए होने वाले प्रवेश परीक्षा क्लैट (CLAT) की तैयारी कराने वाले प्रतिष्ठित संस्थान क्लैट सारथी ने छात्रों और उनके अभिभावकों के साथ केक काटकर अपनी दूसरी वर्षगांठ समारोहपूर्वक मनाई। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षक, छात्र, अभिभावक एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पटना हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सेक्रेटरी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ प्रसाद उपस्थित हुए। उन्होंने क्लैट सारथी के शिक्षकों द्वारा छात्रों को दी जा रही लॉ प्रवेश परीक्षा की तैयारी और मार्गदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि बेहतर शिक्षण, उचित मार्गदर्शन और छात्रों की मेहनत के साथ ऐसे संस्थान विद्यार्थियों को कानून के क्षेत्र में बेहतर भविष्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने क्लैट सारथी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए संस्थान के विद्यार्थियों को सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। संस्थान की डायरेक्टर निधि राय एवं डायरेक्टर गौरव कुमार ने बताया कि क्लैट सारथी की शुरुआत करने का मुख्य उद्देश्य छात्रों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण तैयारी उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि पटना में क्लैट की तैयारी कराने वाले कई संस्थानों की फीस काफी अधिक है, जिसके कारण आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यमवर्गीय परिवारों के विद्यार्थियों के लिए बेहतर कोचिंग लेना कठिन हो जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए क्लैट सारथी ने छात्रों को अपेक्षाकृत कम फीस में गुणवत्तापूर्ण तैयारी उपलब्ध कराने का प्रयास शुरू किया है। उन्होंने कहा कि संस्थान का छात्रों से स्पष्ट कमिटमेंट है कि जैसे-जैसे क्लैट सारथी आगे बढ़ेगा, विद्यार्थियों पर आर्थिक बोझ कम करने के लिए फीस को और भी कम करने का प्रयास किया जाएगा। संस्थान का उद्देश्य केवल व्यावसायिक विस्तार नहीं, बल्कि अधिक से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लॉ के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर डायरेक्टर गौरव कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि क्लैट में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है। इसके लिए निरंतर अध्ययन, अनुशासन और नियमित अभ्यास जरूरी है। उन्होंने छात्रों से कहा कि "क्लैट में सफल होने का एक ही तरीका है—पढ़ो, पढ़ो और पढ़ो।" उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर नियमित रूप से तैयारी करने तथा समय का सही प्रबंधन करने की सलाह दी। समारोह में मौजूद छात्रों एवं उनके अभिभावकों ने क्लैट सारथी द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे मार्गदर्शन, शिक्षण व्यवस्था और परीक्षा की तैयारी के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। अभिभावकों ने संस्थान के संचालकों एवं शिक्षकों को दूसरी वर्षगांठ की बधाई देते हुए संस्थान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन छात्रों, अभिभावकों एवं संस्थान के सदस्यों के बीच उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ।

उत्कृष्ट कार्यों के लिए पटना की शिक्षिका बबीता कुमारी सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। उत्कृष्ट कार्यों के लिए पटना की शिक्षिका बबीता कुमारी को नालंदा में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। नालंदा के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), सराय में TBT हिस्ट्री मेकर्स के तत्वावधान में आयोजित समारोह में जिले के 111 शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए। समारोह में बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, नालंदा सांसद कौशलेंद्र कुमार, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष पिंकी देवी एवं DIET की प्राचार्य नीतू सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान शिक्षकों के उत्कृष्ट कार्य, नवाचार और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को सराहा गया। इसी क्रम में बबीता कुमारी को भी उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। अतिथियों ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा ऐसे सम्मान उन्हें बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करते हैं।

जगत नारायण लाल कॉलेज खगौल में हर्षोल्लास से मना स्वतंत्रता दिवस

नई सोच एक्सप्रेस

खगौल।जगत नारायण लाल कॉलेज, खगौल में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय की प्रधानाचार्य प्रो. मधु प्रभा सिंह ने प्राध्यापकों के साथ कॉलेज के संस्थापक एवं स्वतंत्रता सेनानी जगत नारायण लाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की। इसके बाद प्रधानाचार्य ने एनसीसी परेड का निरीक्षण किया और राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सलामी दी। राष्ट्रगान के पश्चात सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल ध्वजारोहण का अवसर नहीं है, बल्कि उन महापुरुषों के त्याग और बलिदान को स्मरण करने का दिन है, जिन्होंने अपने लहू से देश को स्वतंत्रता दिलाई। उन्होंने कहा कि देश की गरिमा बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का प्रथम कर्तव्य है। राष्ट्रीय ध्वज देश के स्वाभिमान, एकता और अखंडता का प्रतीक है। प्रधानाचार्य ने छात्र-छात्राओं से तिरंगे के तीनों रंगों के मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया से दूरी बनाकर अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करने और अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए मेहनत करने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान आराध्या कुमारी ने देशभक्ति गीत की सुंदर प्रस्तुति दी। वहीं राहुल कुमार ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर अपने विचार रखे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रभाकर सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रो. निखिल कुमार सिंह, प्रो. अविनाश कुमार झा, डॉ. जनार्दन प्रसाद, डॉ. सैयद सर्वर इमाम सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने देशभक्ति की भावना के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता कुमारी ने किया।

एक्सिस बैंक ने 50 नई शाखाओं के शुभारंभ के स्वतंत्रता दिवस का मनाया जश्न

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता सप्ताह समारोह के तहत एक्सिस बैंक ने देश भर में 50 नई शाखाओं का उद्घाटन किया। यह विस्तार विविध भौगोलिक क्षेत्रों और आर्थिक केंद्रों में ग्राहकों को सेवाएं देने के लिए एक्सिस बैंक के निरंतर निवेश को दर्शाता है। जैसे-जैसे भारत अपनी विकास यात्रा पर आगे बढ़ रहा है, ज्यादातर लोगों का औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जुड़ना आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना हुआ है। इस अवसर पर बैंक के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुनीश शारदा ने कहा कि जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, देश के विकास में और लोगों की जरूरतों को पूरा करने में बैंकों की बड़ी भूमिका है। स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान 50 नई शाखाएं खोलना यह दिखाता है कि जहां भी विकास हो रहा है और जहां ग्राहकों को हमारी सबसे ज्यादा जरूरत है, हम वहां पहुंचना चाहते हैं। इसके साथ ही हम ऐसी नई सुविधाओं पर काम कर रहे हैं जिससे ग्राहकों के लिए बैंकिंग पहले से ज्यादा आसान, सुरक्षित और काम की बन सके। बता दें शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण बाजारों में फैली ये नई शाखाएं ग्राहकों के करीब बैंकिंग सेवाओं का संपूर्ण दायरा लेकर आएंगी, जो बैंक के तकनीक-संचालित डिजिटल इकोसिस्टम को और मजबूत करेंगी। पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पंजाब, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु और झारखंड में स्थित इन शाखाओं को एक सहज बैंकिंग अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिये भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के पदाधिकारियों का बिहार दौरा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार में इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग और हरित परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य में मजबूत एवं सुलभ चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। पीएम ई - ड्राइव योजना के तहत प्रथम चरण में राज्य के 23 जिलों में 129 लोकेशन पर ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इन चार्जिंग स्टेशनों के लिए चिन्हित स्थलों का साइट सर्वे का कार्य सोमवार से शुरू हो गया है। इस योजना को लेकर विश्वेशरैया भवन स्थित परिवहन सचिव कार्यालय कक्ष में सोमवार एक बैठक हुई। इस बैठक में परिवहन विभाग के सचिव राज कुमार, भारी उद्योग मंत्रालय के निदेशक अमरेंद्र किशोर सिंह, भेल के महाप्रबंधक जे.के. पटनायक एवं उनकी टीम थी। बिहार में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड की टीम बिहार दौरे पर है। भारत सरकार के

> » प्रथम फेज में 23 जिलों के 129 लोकेशन पर स्थापित होंगे ईवी चार्जिंग स्टेशन

समन्वय से भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड की टीम द्वारा 17 अगस्त से 20 अगस्त 2026 तक राज्य के विभिन्न जिलों में प्रस्तावित ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थलों का साइट सर्वे किया जा रहा है। प्रथम चरण में पटना, गया, वैशाली, पूर्णिया, नालंदा, एवं छपरा में चिन्हित 72 विभिन्न लोकेशन का साइट सर्वे किया जाएगा। साइट सर्वे के दौरान प्रस्तावित स्थलों की उपयुक्तता, विद्युत कनेक्टिविटी, स्थल की उपलब्धता, पहुंच की सुविधा तथा चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए आवश्यक अन्य तकनीकी पहलुओं का जायजा लिया जाएगा। सर्वे के आधार पर उपयुक्त स्थलों पर चार्जिंग स्टेशन की स्थापना की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। बिहार में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर चार्जिंग नेटवर्क विकसित करने की योजना है। यह पहल प्रधानमंत्री के 2070 तक शून्य उत्सर्जन लक्ष्य के अनुरुप है। यह परियोजना पीएम ई ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट योजना के अंतर्गत लाई है, जिसे सितंबर 2024 में 10,900 करोड़ रुपये के बजट के साथ आधिसूचित किया गया है। इसके लिये सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों के विकास के लिए 2000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।इसके लिए चरणबद्ध तरीके से उपयुक्त स्थलों की पहचान एवं साइट सर्वे का कार्य किया जायेगा। इन चार्जिंग स्टेशनों को विशेष रूप से प्रमुख राजमार्गों एवं शहरी क्षेत्रों में विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि इलेक्ट्रिक वाहन चालकों को लंबी दूरी की यात्रा के दौरान तथा शहरी क्षेत्रों में आसानी से चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध हो सके।परिवहन सचिव राज कुमार ने बताया कि बिहार में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए मजबूत चार्जिंग नेटवर्क का निर्माण हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। पीएम ई- ड्राइव योजना के तहत प्रमुख राजमार्गों और शहरी क्षेत्रों में चार्जिंग स्टेशन स्थापित होने से इलेक्ट्रिक वाहन चालकों का भरोसा बढ़ेगा और राज्य में ईवी अपनाने की गति तेज होगी। साइट सर्वे चार्जिंग स्टेशन स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण चरण है। संबंधित जिलों एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि इलएछ की टीम को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि सर्वे का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरा हो सके। उन्होंने कहा कि बिहार को स्वच्छ एवं टिकाऊ परिवहन व्यवस्था की दिशा में आगे ले जाने के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार लगातार जारी रहेगा। भारी उद्योग मंत्रालय के निदेशक अमरेंद्र किशोर सिंह ने बताया कि यह पहल न केवल बिहार में हरित परिवहन को बढावा देगी, बल्कि देशभर में ईवी इकोसिस्टम को मजबूत करने में सहायक होगी। बिहार की यह सक्रिय भागीदारी आत्मनिर्भर भारत और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ पटना की टीम ने किया जटिल केस को मैनेज

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पिछले पांच वर्षों से संतान की इच्छा रखने वाले 31 वर्षीय दंपती के लिए गर्भधारण की राह कई चुनौतियों से भरी थी। पत्नी मनीषा पांडे का ओवेरियन रिजर्व कम था और उनकी हृदय संबंधी सर्जरी की हिस्ट्री थी, जबकि पति हरीश पांडे एजूस्पर्मिया (ज़ीरो स्पर्म काउंट) से जूझ रहे थे। बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ पटना में डॉ. अनुपम कुमारी और उनकी टीम ने फर्टिलिटी, कार्डियोलॉजी और एनेस्थीसिया विशेषज्ञों के समन्वय से दंपती का उपचार किया। आईवीएफ शुरू करने से पहले मनीषा की हृदय संबंधी जांच और प्री-एनेस्थीसिया असेसमेंट किया गया। कम ओवेरियन रिजर्व को देखते हुए विशेष स्टिम्युलेशन प्रोटोकॉल के तहत एग रिट्रीवल में चार एग्स मिले, जिनमें तीन परिपक्व थे। हरीश के लिए टीईएसए के माध्यम से स्पर्म प्राप्त किए गए और तीनों परिपक्व एग्स पर आईसीएसआई तकनीक से फर्टिलाइजेशन किया गया। इससे तीन अच्छी गुणवत्ता वाले ब्लास्टोसिस्ट तैयार हुए, जिन्हें क्रायोप्रिजर्व किया गया। बाद में एक फ्रोजन एम्ब्रियो को मनीषा के गर्भाशय में ट्रांसफर किया गया। बीटा-एचसीजी जांच से गर्भावस्था की पुष्टि हुई और गर्भावस्था सफलतापूर्वक पूरी होने के बाद दंपती ने एक स्वस्थ बच्ची का स्वागत किया। इस मामले में फर्टिलिटी, कार्डियोलॉजी, एनेस्थीसिया और एम्ब्रियोलॉजी टीमों के बीच तालमेल ने ट्रीटमेंट के प्रत्येक चरण को मैनेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Birla Fertility & IVF

वाईएचएआई, बिहार के सचिव सिद्धार्थ प्रताप को एक बार से बिहार सरकार ने किया भामाशाह पुरस्कार से सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।युथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के बिहार राज्य शाखा के सचिव व ऊषा मोटर्स के प्रोपराइटर सिद्धार्थ प्रताप उर्फ ऋषि को राज्य सरकार द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जिला प्रभारी मंत्री रत्नेश सदा द्वारा भामाशाह सम्मान से नवाजे जाने पर एसोसिएशन के सदस्यों ने खुशी जाहिर की और बधाई दी।एसोसिएशन के राज्याध्यक्ष ए के बोस ने बधाई देते हुए कहा कि हमारे राज्य सचिव सिद्धार्थ प्रताप को विगत वर्ष भी सर्वाधिक जीएसटी भुगतान के लिए भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया गया था। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सामाजिक सेवा में अग्रणी रहने वाले श्री ऋषिजी भविष्य में भी अपनी लगन और कर्मठता से इस प्रकार के सम्मान से सम्मानित होते रहेंगे।एसोसिएशन के प्रियेश रंजन,संतोष सिंहा उर्फ पप्पू जी, एम एच रहमान,सुमित प्रकाश,विनय कुमार,रामदेव दास,गोपाल दास,सोनाली चक्रवर्ती,शौर्य रॉय,इरफान कामिल, डॉ अमित भट्टाचार्य मनोज मधुकर,अशोक तिवारी,शैलेन्द्र तिवारी,गौतम भौमिक,राजेंद्र चौहान,दिनकर स्नेही,तारा शंकर चटर्जी,सुमन कुमार सिंह,स्वपन चक्रवर्ती सहित बड़ी संख्या में सदस्यों ने बधाई दी।

गैलेक्सी Z फोल्ड8 सीरीज़ में फोल्डेबल तकनीक की नई छलांग

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने फोल्डेबल स्मार्टफोन की अपनी आठवीं पीढ़ी की गैलेक्सी Z सीरीज़ को नई तकनीक और बेहतर डिजाइन के साथ पेश किया है। कंपनी ने 22 जुलाई को गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी Z फोल्ड8 और गैलेक्सी Z फ्लिप8 लॉन्च किए। सैमसंग के अनुसार, इन डिवाइसेज को यूजर्स के फीडबैक और कई वर्षों के इंजीनियरिंग अनुभव के आधार पर विकसित किया गया है। सैमसंग के मोबाइल आरएंडडी ऑफिस के हार्डवेयर प्रमुख एवं कार्यकारी उपाध्यक्ष सुंघून मून ने कहा कि कंपनी ने फोल्डेबल फोन को केवल एक नए फॉर्म फैक्टर के रूप में नहीं, बल्कि स्मार्टफोन इस्तेमाल करने के तरीके को बदलने के अवसर के रूप में देखा है। उन्होंने बताया कि नई सीरीज़ में बड़े और इमर्सिव डिस्प्ले, पतले और हल्के डिजाइन, बेहतर मजबूती तथा उच्च प्रदर्शन पर विशेष ध्यान दिया गया है। **Flex Titanium तकनीक से पतला और मजबूत डिजाइन:** नई सीरीज़ की प्रमुख विशेषताओं में Flex Titanium तकनीक शामिल है। इसमें टाइटेनियम आधारित प्लेट, लैटिस स्ट्रक्चर और टाइटेनियम-अलॉय फिल्म का इस्तेमाल किया गया है। कंपनी के मुताबिक, इस तकनीक से डिस्प्ले सपोर्ट स्ट्रक्चर मजबूत हुआ है और डिस्प्ले मॉड्यूल की मोटाई करीब 10 प्रतिशत तक कम हुई है। इससे डिवाइस को अधिक पतला और हल्का बनाने के साथ स्क्रीन पर दिखाई देने वाली क्रीज को भी कम करने में मदद मिली है।**5000mAh बैटरी और फास्ट चार्जिंग:**गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा में 5,000mAh की बैटरी दी गई है। कंपनी के अनुसार, इसमें बेहतर ऊर्जा घनत्व के लिए सिलिकॉन-कार्बन एनोड तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। फोल्ड8 अल्ट्रा और फोल्ड8 में ड्यूल-पाथ चार्जिंग सिस्टम दिया गया है। फोल्ड8 अल्ट्रा 45W फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करता है और कंपनी का दावा है कि यह करीब 30 मिनट में 67 प्रतिशत तक चार्ज हो सकता है। **100 से अधिक विश्वसनीयता परीक्षण:**सैमसंग ने नई गैलेक्सी Z सीरीज़ को गिरने, बार-बार फोल्ड-अनफोल्ड करने, दबाव, नमी और धूल जैसी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए 100 से अधिक विश्वसनीयता परीक्षणों से गुजारा है। कंपनी का कहना है कि इन परीक्षणों का उद्देश्य लंबे समय तक दैनिक इस्तेमाल में डिवाइस की मजबूती सुनिश्चित करना है। सैमसंग के अनुसार, गैलेक्सी Z सीरीज़ में यूजर फीडबैक को डिजाइन और इंजीनियरिंग का आधार बनाया गया है। कंपनी का दावा है कि नई तकनीकों के जरिए फोल्डेबल फोन में मजबूती, प्रदर्शन, बैटरी क्षमता और पोर्टेबिलिटी के बीच बेहतर संतुलन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की गई है।

संक्षिप्त समाचार

सरप्लस शिक्षकों को हाईकोर्ट से राहत, समरेंद्र सिंह ने आदेश का किया स्वागत

छपरा।सरप्लस शिक्षकों के स्थानांतरण के मामले में पटना हाईकोर्ट के यथास्थिति बनाए रखने के आदेश का शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के इस आदेश से सरप्लस सूची में शामिल शिक्षकों के साथ-साथ संभावित स्थानांतरण को लेकर चिंतित शिक्षकों को भी बड़ी राहत मिली है। सारण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि विभाग द्वारा शिक्षकों का जबरन स्थानांतरण किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। शिक्षकों की व्यक्तिगत परिस्थितियों, पारिवारिक दायित्वों और उनकी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए ही स्थानांतरण की प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी तरह ऐच्छिक होनी चाहिए और जो शिक्षक स्थानांतरण नहीं चाहते हैं, उन्हें आवेदन करने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट का आदेश शिक्षकों के हित में महत्वपूर्ण है। इससे शिक्षकों को तत्काल राहत मिली है और विभाग को भी आगे की प्रक्रिया में न्यायालय के निर्देशों तथा शिक्षकों की इच्छा और परिस्थितियों का ध्यान रखना चाहिए। इस अवसर पर जलालुद्दीन साहब, संजय यादव, सत्यनारायण साह, विनोद राय, हवलदार मांझी, अनुज यादव, निजाम अहमद, रणजीत सिंह, जितेंद्र सिंह, महेश बाबू चौधरी, अशोक यादव, एहसान अंसारी, मंटू मिश्रा, पीयूष तिवारी, विनायक यादव, अनिल दास, सूर्यदेव सिंह, रविन्द्र ठाकुर सहित कई शिक्षक उपस्थित थे।

नागपंचमी पर आदर्श उच्च विद्यालय परिसर में कुश्ती प्रतियोगिता, हजारों दर्शकों ने लिया रोमांचक मुकाबलों का आनंद

मोतीहारी।सुगौली प्रखंड के फुलवरिया पंचायत स्थित आदर्श उच्च विद्यालय परिसर में नागपंचमी के अवसर पर कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन सुगौली विधायक राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता ने किया। उद्घाटन के बाद विभिन्न पहलवानों ने अखाड़े में अपने दमखम और कुश्ती कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। हजारों दर्शकों की मौजूदगी में पहलवानों के बीच हुए रोमांचक मुकाबलों का लोगों ने जमकर आनंद लिया। पूरा विद्यालय परिसर दर्शकों की भीड़ और उत्साह से गुलजार रहा। प्रतियोगिता में कई जिलों के साथ पड़ोसी देश के पहलवानों ने भी भाग लिया। महिला पहलवानों ने भी प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विधायक बबलू गुप्ता ने कहा कि इस तरह के खेल आयोजनों से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा और कौशल दिखाने का अवसर मिलता है। वहीं सरपंच रूपेश श्रीवास्तव ने कहा कि फुलवरिया पंचायत में पहली बार इस स्तर पर कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को बढ़ावा दिया जाएगा।मौके पर फुलवरिया पंचायत के मुखिया अवधेश कुशवाहा, आसदेव राम, भोलू श्रीवास्तव, विशाल श्रीवास्तव, समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण व खेलप्रेमी मौजूद थे।

नागपंचमी पर सुगौली में सजे महावीरी अखाड़े, झंडा जुलूस और मेले को लेकर दिखा उत्साह

मोतीहारी।नागपंचमी के अवसर पर सुगौली प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों और चौक-चौराहों पर महावीरी अखाड़ा का आयोजन किया गया। महावीरी झंडा जुलूस और मेले को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही आयोजन स्थलों पर तैयारियां शुरू कर दी गई थीं। अखाड़ों में पारंपरिक खेल-कौशल और करतब देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। नागपंचमी को लेकर कई जगहों से महावीरी झंडा जुलूस निकाला गया। जुलूस के दौरान श्रद्धालुओं और युवाओं में उत्साह का माहौल रहा। मेले में भी लोगों की भीड़ उमड़ी और लोगों ने विभिन्न प्रकार के मनोरंजन व खान-पान का आनंद लिया। वहीं, पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। विभिन्न आयोजन स्थलों और जुलूस मार्गों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। पुलिस पदाधिकारी लगातार सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए थे, ताकि पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

सुगौली दुर्गा पूजा समिति के नए अध्यक्ष बने अंकुर चौधरी

मोतीहारी। श्री दुर्गा पूजा समिति, सुगौली की आमसभा की बैठक सोमवार को राधा-कृष्ण मठ, सुगौली बाजार के प्रांगण में आयोजित हुई। बैठक में समिति के नए अध्यक्ष के रूप में अंकुर कुमार चौधरी का सर्वसम्मति से मनोनयन किया गया। पूर्व अध्यक्ष प्रियांशु सर्राफ ने अध्यक्ष पद के लिए अंकुर चौधरी के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया।बैठक में नई कार्यकारिणी को लेकर भी जिम्मेदारियां तय की गईं। अंकुर कुमार चौधरी को अध्यक्ष, अनुप अग्रवाल को सचिव, नवीन कुमार को कोषाध्यक्ष तथा रंजीत सर्राफ को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। सदस्यों ने नवमनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि नई टीम के नेतृत्व में इस वर्ष दुर्गा पूजा का आयोजन भव्य, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा।बैठक में हरिशंकर प्रसाद सर्राफ, सुरेशचंद्र प्रसाद, प्रदीप सर्राफ, महंत मनीष दास, सत्यनारायण अग्रवाल, विजय कुमार, नारायण प्रसाद, बब्लू सर्राफ, मनोज गुप्ता, बजरंगी प्रसाद, राजकुमार सर्राफ, ओमप्रकाश शर्मा, बेचु साह, सुबोध चौधरी, वंशी पटेल, तरुण सर्राफ एवं दिलीप पासवान सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने मां दुर्गा से प्रार्थना की कि समिति को नई ऊर्जा और उत्साह प्रदान करें, ताकि आगामी दुर्गा पूजा श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक सौहार्द के साथ संपन्न हो।

युवक की संदिग्ध मौत से मचा हड़कंप, परिवार वालों ने लगाया हत्या का आरोप

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। नगर थाना क्षेत्र के शेख आलमचक मोहल्ले में 22 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान जावेद के रूप में हुई है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि मोबाइल चोरी के शक में कुछ लोगों ने उसके साथ मारपीट की जिसके बाद उसकी मौत हो गई। इस सम्बंध में पुलिस ने फिलहाल हत्या की पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच जारी है। परिजनों के अनुसार,जावेद रविवार दोपहर अचानक घर से निकला इसके बाद वापस नहीं लौटा। देर शाम तक घर नहीं पहुंचने पर परिवार के लोगों ने उसकी खोज शुरू की। काफी खोजबीन के बाद देर रात वह मारवाड़ी धर्मशाला के पास एक निजी नर्सिंग होम के समीप कचरे के ढेर में अचेत अवस्था में मिला। परिजनों को लगा कि वह नशे की

हालत में है। घर वाले उसे रिक्शे से उसे घर लेकर आ गये। घर लाने के करीब एक-दो घंटे बाद भी जब जावेद नहीं उठा तो परिजनों ने उसे गौर से देखा। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद घर में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग भी मौके पर जुट गये। सूचना मिलने पर नगर थाने की पुलिस पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक की मां नजमा खातून ने कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि फिदा हुसैन रोड स्थित एक चिकित्सक के यहां काम करने वाले कंपाउंडर और उसके साथ आए कुछ लोगों ने जावेद पर मोबाइल चोरी करने का आरोप लगाया था और उसके साथ मारपीट भी की गई। परिजनों ने जावेद के मुंह और कान के पास खून के निशान मिलने की बात कहते हुए आशंका जताई है कि उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। इसी आधार पर परिवार के लोग इसे हत्या का मामला बता रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फोरेंसिक जांच टीम को भी बुलाया। टीम ने उस स्थान की जांच की जहां जावेद अचेत अवस्था में मिला था। इसके अलावा उसके घर समेत अन्य संभावित स्थानों से भी नमूने जुटाए गए हैं। पुलिस तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। बताया जाता है कि जावेद नशे का आदी था और पूर्व में चोरी के आरोप में जेल भी जा चुका है। पुलिस उसके पुराने रिकॉर्ड के साथ-साथ मौत से पहले की गतिविधियों की भी जानकारी जुटा रही है। प्रभारी थानाध्यक्ष श्याम पांडेय ने बताया कि परिजनों की ओर से हत्या का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम से जांच करायी है और शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पोस्टमार्टम तथा फोरेंसिक रिपोर्ट मिलने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि युवक की मौत किस परिस्थिति में हुई।

सुगौली में आज भी जीवंत है नागपंचमी की लोक परंपरा, मंत्रोच्चार के बाद हुई पूजा

नई सोच एक्सप्रेस

मोतीहारी। पूर्वी चंपारण जिले के सुगौली प्रखंड क्षेत्र में नागपंचमी का पर्व सोमवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। लोक आस्था और परंपरा से जुड़े इस पर्व को लेकर अहले सुबह से ही लोग तैयारियों में जुट गए। पर्व के लिए आवश्यक पूजन सामग्री को एकत्र करने के बाद श्रद्धालु उसे मंत्रोच्चार एवं शुद्धिकरण के लिए विशेष रूप से पहुंचे। इसके बाद घरों और विभिन्न मंदिरों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई।नागपंचमी को लेकर क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। भटहां निवासी मंत्रोच्चार करने वाले मुन्नीलाल यादव ने बताया कि परंपरा के अनुसार गोबर, सरसों, बालू और फूल समेत अन्य सामग्री को एक साथ रखकर मंत्रोच्चार किया जाता है। मंत्र से सिद्ध की गई सामग्री को बाद में घरों में छिड़का जाता है। मान्यता है कि नागपंचमी के दिन दूध और लावा अर्पित कर नाग देवता की पूजा करने से सुख-समृद्धि आती है तथा घर से दुख-दरिद्रता दूर होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी नागपंचमी की यह पारंपरिक विधि लोगों की आस्था और लोक संस्कृति से गहराई से जुड़ी हुई है। पर्व को लेकर सुबह से ही गांवों में उत्साह और धार्मिक माहौल बना रहा।

हुलासगंज में ऑटो-ई-रिक्शा की टक्कर में मछली विक्रेता की मौत

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। हुलासगंज थाना क्षेत्र में रविवार देर रात ऑटो और ई-रिक्शा के बीच हुई जोरदार टक्कर में एक मछली विक्रेता गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान सदर अस्पताल में उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान बौरी मलहचक निवासी ब्रजनन्दन केवट के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि ब्रजनन्दन केवट रोजाना की तरह मछली बेचने के लिए घर से निकले थे। देर रात मछली बेचकर घर लौटने के दौरान हुलासगंज बाजार से पहले ऑटो और ई-रिक्शा के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में ब्रजनन्दन गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन उन्हें आनन-फानन में नजदीकी सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर

दिया। परिजन उन्हें सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने इलाज शुरू किया किन्तु इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के नाती विश्वकर्मा कुमार ने बताया कि उनके नाना रोजाना की तरह मछली बेचकर देर रात घर लौट रहे थे। इसी दौरान हुलासगंज बाजार से पहले हादसा हो गया। थाना पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि दोनों वाहन अनियंत्रित होकर आपस में टकराए थे। हादसे में ब्रजनन्दन गंभीर रूप से घायल हुए थे। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण और घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की मांग की है।

रामगढ़वा के अति संवेदनशील क्षेत्र में उत्साह और शांति के साथ संपन्न हुआ महावीरी झंडी का त्योहार, युवाओं ने दिखाए शानदार करतब

नई सोच एक्सप्रेस

मोतीहारी।जिले के अति संवेदनशील क्षेत्र माने जाने वाले रामगढ़वा में महावीरी झंडी का पावन त्योहार इस वर्ष बेहद उत्साह, उल्लास और पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ है। इस पारंपरिक पर्व के दौरान पूरे क्षेत्र में धार्मिक और उत्सव का माहौल देखने को मिला, जहां जगह-जगह युवाओं ने अस्त्र-शस्त्र के साथ अपने पारंपरिक और साहसिक करतबों का शानदार प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया। युवाओं के इस जोश और अनुशासन ने पर्व की रौनक को और बढ़ा दिया। त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से निपटने और सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधि सुबह से ही मुस्तैद नजर आए। कानून-व्यवस्था और सुरक्षा की कमान रामगढ़वा

थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर , बीडीओ राकेश कुमार सिंह,सीओ अमित कुमार ने संभाल रखी थी, जिनके साथ एसआई सुमित कुमार, धर्मेंद्र कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी लगातार क्षेत्र में गश्त करते हुए हर गतिविधि पर पैनी नजर बनाए रहे।इसके अलावा, क्षेत्र में शांति, आपसी सद्भाव और भाईचारा बनाए रखने में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भी महत्वपूर्ण सहभागिता रही। इस दौरान उपप्रमुख अरविंद पांडे, प्रमुख प्रतिनिधि विशाल गुप्ता, पूर्व मुखिया अर्जुन प्रसाद सहित कई गणमान्य लोग सक्रिय रूप से मौजूद रहे और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर आपसी सहयोग की मिसाल पेश की, जिससे यह पर्व रामगढ़वा में पूरी तरह शांति और भाईचारे के साथ संपन्न हो गया।

रोटी बैंक व महिला विकास मंच ने निभाई सेवा की अनूठी मिसाल, महाप्रसाद भंडारे से लेकर चिकित्सा, विश्राम व शीतल जल तक निःशुल्क व्यवस्था

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार।जयनगर सावन की पावन बेला में भगवान शिव के प्रति आस्था एवं भक्ति से ओतप्रोत कांवड़ियों की सेवा के उद्देश्य से रहिका चौक पर रोटी बैंक जयनगर एवं महिला विकास मंच जयनगर, मधुबनी की ओर से सेवा शिविर एवं महाप्रसाद भंडारे का आयोजन किया गया। पिछले कई वर्षों से अनवरत रूप से कांवड़ियों की सेवा में समर्पित दोनों संस्थाओं ने इस वर्ष भी व्यापक स्तर पर शिवभक्तों के लिए निःशुल्क सेवा-सुविधाओं की व्यवस्था कर सामाजिक सरोकार और धार्मिक सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। जयनगर से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पैदल तय कर रहिका चौक पहुंचने वाले कांवड़ियों के लिए शिविर में विश्राम की समुचित व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, शीतल पेयजल, महाप्रसाद एवं लंगर भोजन सहित आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। लंबी एवं कठिन पदयात्रा के पश्चात

> » सावन में शिवभक्ति के साथ मानव सेवा का संदेश, वर्षों पुरानी सेवा परंपरा को इस वर्ष भी रखा कायम
> » 35 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा के बाद रहिका चौक पहुंचते हैं कांवड़िये

शिविर में पहुंचने वाले कांवड़ियों ने विश्राम करने के साथ निःशुल्क भोजन एवं अन्य सुविधाओं का लाभ उठाया। सेवा शिविर में कांवड़ियों की सुविधा एवं आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दोनों संस्थाओं के स्वयंसेवक पूरे समर्पण के साथ व्यवस्था में जुटे रहे। आयोजकों ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रहिका चौक पर कांवड़ियों की सेवा के लिए यह शिविर लगाया गया है तथा भविष्य में भी इस सेवा परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा। धार्मिक यात्रा पर निकलने वाले शिवभक्तों को राहत एवं सहयोग प्रदान करने के साथ मानव सेवा, सामाजिक सहभागिता और आपसी सद्भाव को प्रोत्साहित करना इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है।श्रद्धा एवं निष्ठा के साथ तैयार होता है महाप्रसाद महाप्रसाद एवं भंडारे के लिए तैयार किए जाने वाले भोजन को भी धार्मिक आस्था एवं पूर्ण निष्ठा के साथ तैयार किया जाता है। आयोजकों के अनुसार विकास हलवाई एवं उनकी टीम द्वारा विभिन्न प्रकार के पकवान तैयार किए जाते हैं। भोजन तैयार होने के बाद उसे श्रद्धापूर्वक कपिलेश्वर महादेव को प्रसाद अर्पित किया जाता है। इसके पश्चात कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं के लिए लंगर एवं महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया जाता है।महादेव की आकर्षक थीम पर सेल्फी प्वाइंट बना आकर्षण सेवा शिविर को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करने के लिए लाइट एवं साउंड की विशेष व्यवस्था की गई। महादेव की थीम पर आकर्षक सेल्फी प्वाइंट भी तैयार किया गया, जहां कांवड़िये एवं श्रद्धालु उत्साहपूर्वक तस्वीरें लेते नजर आए। धार्मिक सज्जा, शिवभक्ति के वातावरण और सेवा व्यवस्था ने शिविर को श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना दिया।दोनोसंस्थाओ के स्वयंसेवकों ने संभाली व्यवस्थारोटी बैंक जयनगर एवं महिला विकास मंच जयनगर, मधुबनी से जुड़े बड़ी संख्या में सदस्य एवं स्वयंसेवक सेवा शिविर में पहुंचकर कांवड़ियों की सेवा में समर्पित रहे। भोजन वितरण, शीतल पेयजल, चिकित्सा, विश्राम सहित विभिन्न व्यवस्थाओं में कार्यकर्ताओ ने सक्रिय सहभागिता निभाई। दोनो संस्थाओं से जुड़े लोगो ने कहा कि शिवभक्तों की सेवा उनके लिए महज एक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, समर्पण और मानव सेवा का पवित्र माध्यम है। सेवा शिविर में पहुंचने वाले कांवड़ियों ओर ग्रामीण ने निःशुल्क भोजन, विश्राम, चिकित्सा एवं पेयजल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। रहिका चौक पर आयोजित यह सेवा शिविर सावन की भक्ति के बीच सेवा, समर्पण, सामाजिक सहभागिता एवं मानवीय संवेदना का प्रेरणादायी संदेश देता नजर आया।

ई. आनंद पुष्कर के पक्ष में मतदान की अपील, सर्किट हाउस में हुआ मंथन

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जद (यू) के भावी एनडीए प्रत्याशी ई. आनंद पुष्कर की जीत सुनिश्चित करने को लेकर सोमवार को छपरा स्थित सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे शिक्षक प्रतिनिधियों ने चुनावी तैयारियों, जनसंपर्क अभियान और मतदान को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक को संबोधित करते हुए जद (यू) के जिलाध्यक्ष वैद्यनाथ प्रसाद सिंह 'विकल' ने शिक्षकों से एकजुट होकर ई. आनंद पुष्कर के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रखंडों से मिल रहे फीडबैक में शिक्षकों का रुझान एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में दिखाई दे रहा है। अब इस समर्थन को मतदान में बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिक्षक का मत महत्वपूर्ण है और कार्यकर्ताओं

को अपने-अपने क्षेत्रों में संपर्क अभियान तेज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय केदारनाथ पांडेय के निधन के बाद ई. आनंद पुष्कर ने शिक्षक एवं शिक्षा हित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाया है। उनकी जीत पूरे शिक्षक समाज की जीत होगी। प्रत्याशी ई. आनंद पुष्कर ने कहा कि सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के पांचों जिलों के शिक्षकों से मिल रहे स्नेह और समर्थन से वह उत्साहित हैं। शिक्षक हित से जुड़े मुद्दे उनकी प्राथमिकता हैं। निर्वाचित होने पर वे शिक्षकों की समस्याओं को संबंधित मंचों पर प्रभावी ढंग से उठाएंगे। बैठक में चुनावी रणनीति और प्रखंडवार जनसंपर्क को लेकर भी चर्चा हुई। मंच संचालन राजीव कुमार सिंह ने किया।

सारण की बहू मोनी कुमारी ने एल्ब्रुस पर फहराया सफलता का परचम

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।सारण की बहू एवं बिहार ग्रामीण बैंक में प्रबंधक मोनी कुमारी ने यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रुस (5,643 मीटर) का सफलतापूर्वक आरोहण कर बिहार और अपने परिवार का नाम रोशन किया है। उनके इस साहसिक उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। मोनी कुमारी ने 10 अगस्त 2026 से माउंट एल्ब्रुस अभियान की शुरुआत की थी। 15 अगस्त को शिखर आरोहण की योजना थी, लेकिन पर्वत पर खराब मौसम को देखते हुए सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने एक दिन पहले 14 अगस्त की सुबह ही सफलतापूर्वक समिट पूरा कर लिया। अभियान के दौरान उन्हें अत्यधिक ठंड, तेज

हवाओं, बर्फबारी, कम ऑक्सीजन, बर्फ से ढके दुर्गम रास्तों और मौसम में अचानक बदलाव जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस और निरंतर प्रयास के बल पर उन्होंने चोटी पर तिरंगा फहराने में सफलता हासिल की। यह मोनी कुमारी की दूसरी बड़ी अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहण उपलब्धि है। इससे पहले दिसंबर 2025 में उन्होंने अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो का सफल आरोहण किया था। वह बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स भी पूरा कर चुकी हैं। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने पति आशीष कुमार पुंज, माता-पिता और सास-ससुर के निरंतर सहयोग एवं प्रोत्साहन को दिया। उन्होंने बिहार सरकार से पर्वतारोहण के क्षेत्र में सहयोग और प्रोत्साहन की अपेक्षा जताते हुए कहा कि उनका उद्देश्य बिहार की बेटियों और युवाओं को साहसिक खेलों के लिए प्रेरित करना है। मोनी कुमारी मूल रूप से आरा की रहने वाली हैं और सारण के ईशुआपुर प्रखंड के परसौली निवासी विनोद कुमार सिंह की बहू हैं। बैंकिंग क्षेत्र की जिम्मेदारियों के साथ पर्वतारोहण में लगातार उपलब्धियां हासिल कर उन्होंने युवाओं के सामने प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है।

राम लखन सिंह यादव कॉलेज में गहराया विवाद, शिक्षक-कर्मचारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रखा पक्ष

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। शहर स्थित राम लखन सिंह यादव कॉलेज में विवाद लगातार गहराता जा रहा है। अपनी मांगों और विभिन्न समस्याओं को लेकर कुछ दिनों पूर्व कॉलेज के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन किया था। इसके बाद 15 अगस्त को विवाद दो पक्षों के बीच मारपीट तक पहुंच गया। घटना के अगले दिन 16 अगस्त को कॉलेज के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं जमीन दाताओं के परिजनों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले पर अपना पक्ष रखा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कॉलेज की व्यवस्था और प्रबंधन को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए गए। पूर्व मुखिया छोटन प्रसाद ने आरोप लगाया कि कॉलेज में वर्तमान में न तो कोई सचिव है और न ही प्राचार्य। उन्होंने

दावा किया कि कॉलेज की व्यवस्था पर ऐसे लोगों का कब्जा है, जिनकी भूमिका और अधिकार को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि इसी कारण कॉलेज में लगातार विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने कॉलेज की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने, प्रबंधन व्यवस्था को दुरुस्त करने और मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की। वहीं, कॉलेज के प्रोफेसर राजेश्वर प्रसाद ने कहा कि कॉलेज से जुड़ी समस्याओं को लेकर शिक्षक एवं कर्मचारियों का प्रतिनिधिमंडल विश्वविद्यालय के कुलपति से मिल चुका है। उन्होंने बताया कि कुलपति के समक्ष कॉलेज की वर्तमान स्थिति और विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया है तथा जल्द समाधान कराने का आग्रह किया गया है। कॉलेज में हुए विवाद और मारपीट की घटना के बाद परिसर में तनाव का माहौल बना हुआ है। शिक्षक एवं कर्मचारियों का कहना है कि कॉलेज की व्यवस्था को लेकर उत्पन्न समस्याओं का स्थायी समाधान जरूरी है। अब पूरे मामले में विश्वविद्यालय स्तर से होने वाली कार्रवाई और आगे की पहल पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी के निर्देशानुसार 4517.04 लीटर जब्त देशी एवं विदेशी शराब का किया गया विनष्टीकरण

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया निर्देशानुसार मद्य निषेध विभाग एवं जिले के विभिन्न थानों द्वारा जब्त अवैध देशी एवं विदेशी शराब का नियमानुसार विनष्टीकरण किया गया। मद्य निषेध कार्यालय परिसर में अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी एवं अधीक्षक, मद्य निषेध के पर्यवेक्षण तथा निरीक्षक, मद्य निषेध की उपस्थिति में विनष्टीकरण की कार्रवाई संपन्न की गई। इस दौरान उत्पाद विभाग द्वारा जब्त 849.560 लीटर तथा पुलिस विभाग द्वारा जब्त 3667.48 लीटर, अर्थात कुल 4517.04 लीटर देशी एवं विदेशी शराब को नियमानुसार विनष्ट किया गया।जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जिला प्रशासन द्वारा अवैध शराब के निर्माण भंडारण, परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई की जा रही है तथा मद्य निषेध कानून का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से अभियान संचालित किए जाते रहेंगे।

भौगोलिक जरूरत या राजनीतिक विवाद विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

पटना। ए.एन. कॉलेज, पटना के भूगोल विभाग में ह्भारत की चुनावी सीमाओं का पुनर्निर्धारण: भौगोलिक जरूरत या राजनीतिक विवाद विषय पर एक महत्वपूर्ण वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विभाग के यूजी एवं पीजी के 27 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में समसामयिक राजनीतिक-भौगोलिक विषयों के प्रति समझ विकसित करने के साथ-साथ तार्किक चिंतन, तथ्यपरक अभिव्यक्ति, विश्लेषणात्मक क्षमता एवं वाद-विवाद कौशल को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का आरंभ करते हुए भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. भावना निगम ने विद्यार्थियों को विषय की पृष्ठभूमि से परिचित कराते हुए भारत में चुनावी सीमाओं के पुनर्निर्धारण की आवश्यकता, इसके भौगोलिक आधार तथा इससे जुड़े विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों को तथ्य, तर्क एवं संवैधानिक दृष्टिकोण के आधार पर अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में इस प्रकार के संवाद एवं विमर्श विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, तार्किक क्षमता एवं बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बाद प्रतियोगिता के नियमों एवं प्रक्रिया की जानकारी डॉ. प्रशांत कुमार द्वारा प्रतिभागियों को दी गई। उन्होंने प्रतिभागियों को निर्धारित समय-सीमा, विषय की प्रासंगिकता तथा प्रभावी तर्क प्रस्तुत करने के आवश्यक मानदंडों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। प्रतियोगिता में सभी 27 प्रतिभागियों ने क्रमवार अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने चुनावी सीमाओं के पुनर्निर्धारण को जनसंख्या, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, भौगोलिक असमानता, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, संघीय संतुलन तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं से जोड़ते हुए पक्ष एवं विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपने विचारों को तथ्य, उदाहरण एवं तार्किक विश्लेषण के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से रखने का प्रयास किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों में उत्साह, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं विषय के प्रति गंभीरता देखने को मिली।

बदलाव जरूरी है दिल्ली रैली में बिहार से जायेंगे एक लाख से ज्यादा लोग

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी बिहार राज्य परिषद की बैठक सोमवार को पटना में हुई। बैठक में एक सितंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित बदलाव जरूरी है रैली की तैयारी की योजना बनाई गई। दिल्ली की रैली में बिहार से एक लाख से ज्यादा लोगों को ले जाने की रणनीति बनाई गई। केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ 06 से 15 अगस्त तक निकाली गई गांव गांव पदयात्रा की रिपोर्टिंग की गई और पदयात्रा कार्यक्रम 25 अगस्त तक चलाने का फैसला लिया गया। केंद्र की जन विरोधी मोदी सरकार के खिलाफ भाकपा की रैली ऐतिहासिक होगी। रैली की तैयारी देश के सभी राज्यों में जोर शोर से चल रही है। भाजपा के लोगों ने श्रीराम को भी नहीं छोड़ा, राम मंदिर से सैकड़ों करोड़ रुपये की चढ़ावा चोरी हो गई। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हर बार की तरह इस बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 1 घण्टे 15 मिनट का उबाऊ और झूठ से भरा भाषण हुआ। भाषण के दौरान लगा प्रधानमंत्री देश के छात्र-युवाओं से डर गए हैं। नक्सल का मतलब पढ़ा लिखा होता है। आरएसएस के लोगों पढ़े लिखें नहीं होते है, इसलिए प्रधानमंत्री देश के पढ़े लिखे लोगों को दिमागी नक्सल कह रहे हैं। बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा के राष्ट्रीय सचिव गिरीशचंद्र शर्मा ने कहा कि देश आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्षों का कार्यकाल लगातार बढ़ती चिंता, निराशा और कठिनाइयों में बदल चुका है। एक के बाद एक चुनाव में भाजपा ने विकास, रोजगार, समृद्धि, सुशासन और बेहतर भविष्य के बड़े-बड़े वादे किए लेकिन इसके बदले देश को बढ़ती बेरोजगारी, बेकाबू महंगाई, गहरी होती असमानता, कमजोर होती ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सिकुड़ता लोकतांत्रिक दायरा और बढ़ता सामाजिक तनाव मिला है। इसके बावजूद जब भी मोदी सरकार से जवाब मांगा जाता है, तो राष्ट्रीय विमर्श को किसी और दिशा में मोड़ दिया जाता है।

राष्ट्रीय टीम के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने दी बधाई

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा गठित नई राष्ट्रीय टीम में महिलाओं, युवाओं और संगठन के समर्पित कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दिए जाने पर भाजपा बिहार के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने नई टीम के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा घोषित नई राष्ट्रीय टीम में बिहार को महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व मिलने पर भाजपा बिहार के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार के प्रभारी विनोद तावड़े को पुनः राष्ट्रीय महामंत्री, बिहार से सिद्धार्थ शंभु को राष्ट्रीय मंत्री, राज्यसभा सांसद शिवेश राम को अनुसूचित जाति मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा ऋतुराज सिन्हा को प्रकोष्ठ सह-संयोजक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिया जाना बिहार भाजपा के लिए गौरव की बात है। संजय सरावगी ने कहा कि भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में महिला शक्ति और युवा ऊर्जा को महत्वपूर्ण स्थान मिलना संगठन की दूरदर्शी और कार्यकर्ता-केंद्रित सोच का परिचायक है। महिलाओं और युवाओं को नेतृत्व की जिम्मेदारी देकर पार्टी ने संगठन में नई ऊर्जा, नई सोच और नए कार्यक्षमता का संचार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा में महिलाओं की भागीदारी लगातार मजबूत हुई है। आज महिला कार्यकर्ता संगठन के विभिन्न स्तरों पर प्रभावी भूमिका निभा रही हैं। नई राष्ट्रीय टीम में महिलाओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना नारी शक्ति के नेतृत्व और भागीदारी को और सशक्त करने वाला कदम है।उन्होंने कहा कि अनुभवी नेतृत्व, महिला शक्ति और युवा ऊर्जा का यह समन्वय भाजपा के संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय और प्रभावी बनाएगा। नई टीम संगठन को बूथ से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और जनसेवा के कार्यों को और व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जहानाबाद में शुरू हुआ आरोग्य क्लिनिक, 24 घंटे इमरजेंसी सेवा का दावा

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहर के राजा बाजार में आरोग्य क्लिनिक की शुरुआत की गई। क्लिनिक के उद्घाटन के अवसर पर संचालक राहुल कुमार शर्मा ने बताया कि यहां मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ 24 घंटे, सातों दिन इमरजेंसी सेवा देने की व्यवस्था की गई है। राहुल कुमार शर्मा ने बताया कि आमतौर पर कई ओपीडी आधारित अस्पतालों में मरीजों को निर्धारित समय तक ही चिकित्सा सुविधा मिलती है। ऐसे में रात के समय अचानक स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए आयुष्य क्लिनिक में 24×7 इमरजेंसी सेवा उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि मरीज यहां आकर अपनी स्वास्थ्य समस्या के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श और उपचार की सुविधा ले सकते हैं। क्लिनिक में मौजूद जनरल फिजिशियन डॉ. रोशन कुमार ने कहा कि लोग अक्सर सर्दी, खांसी, बुखार या अन्य छोटी-मोटी बीमारियों को नजरअंदाज कर खुद ही दवा लेना शुरू कर देते हैं। कई बार मेडिकल स्टोर से बिना चिकित्सकीय सलाह के दवा लेना नुकसानदायक भी हो सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बीमारी छोटी हो या बड़ी, समय पर डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। चिकित्सक द्वारा लिखी गई दवा को निर्धारित मात्रा और निर्धारित अवधि तक ही लेना चाहिए। वहीं, दंत चिकित्सक डॉ.अंकिता गौतम ने बदलती जीवनशैली और तंबाकू जैसे पदार्थों के बढ़ते सेवन पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि तंबाकू का सेवन दांतों और मुंह के स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। लोगों को अपने दांतों और मुंह की नियमित जांच करानी चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि कम से कम प्रत्येक तीन महीने में दांतों की जांच कराना बेहतर है, ताकि किसी भी समस्या की शुरुआत में ही पहचान कर उसका उपचार किया जा सके। उद्घाटन समारोह में हुलासगंज मठ के स्वामी हरिरामाचार्य जी महाराज भी पहुंचे। उन्होंने क्लिनिक के संचालक एवं पूरी टीम को आशीर्वाद देते हुए कहा कि चिकित्सा सेवा को सिर्फ व्यवसाय तक सीमित न रखते हुए सेवा भाव के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने संचालक से गरीब और जरूरतमंद मरीजों की मदद करने तथा सभी लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की अपील की। क्लिनिक प्रबंधन का कहना है कि आरोग्य क्लिनिक के माध्यम से जहानाबाद के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और जरूरत के समय मरीजों को तत्काल स्वास्थ्य सेवा देने का प्रयास किया जाएगा।

200 स्वयंसेवकों को दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के एनएसएस कोषांग की ओर से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना के सौजन्य से समस्तीपुर जिले के 200 स्वयंसेवक छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित सात दिवसीय आवासीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन एसडीआरएफ की टीम ने बाढ़ एवं आपदा से बचाव के तरीके बताए। प्रशिक्षक खोखो कुमार ने बाढ़ के कारण, बचाव के उपाय, डूबते व्यक्ति को बचाने की विभिन्न तकनीकों तथा दूषित पानी को शुद्ध करने की जानकारी दी। वहीं, रूपेश कुमार पासवान ने प्राथमिक उपचार, रक्तस्राव रोकने, सीपीआर तथा चिकित्सा उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण दिया। स्वयंसेवकों को थ्रो, रिच, वेडिंग, ह्यूमन चेन एवं वेट रेस्क्यू जैसी बचाव विधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। संयोजक डॉ. आरएन चौरसिया ने कहा कि आपदा प्रबंधन का यह प्रशिक्षण स्वयंसेवकों को आपात स्थिति में लोगों की मदद करने में सक्षम बनाएगा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, एनएसएस पदाधिकारियों तथा स्वास्थ्यकर्मियों ने सहयोग किया। संध्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ।

सीमावर्ती ग्रामीणो के लिए सात दिवसीय मत्स्य पालन प्रशिक्षण शुरू

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार। जयनगर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर की ओर से नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत सीमावर्ती ग्रामीणों को स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता से जोड़ने के उद्देश्य से सात दिवसीय मत्स्य पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। एफ समवाय कमला की बाह्य सीमा चौकी उसराही में आयोजित प्रशिक्षण 17 से 23 अगस्त तक चलेगा। इसमें उसराही एवं भदौरा गांव के 17 ग्रामीण प्रशिक्षण ले रहे हैं। रमा फाउंडेशन, मधुबनी के सहयोग से आयोजित प्रशिक्षण में मत्स्य पालन विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ ग्रामीणों को तकनीकी जानकारी देंगे। उद्घाटन सामूहिक वंदे मातरम् गायन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।रमा फाउंडेशन के निदेशक देवेश पांडेय ने प्रशिक्षण की रूपरेखा बताई। मत्स्य विकास पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने मत्स्य पालन से जुड़ी सरकारी योजनाओं एवं उपलब्ध सहायता की जानकारी दी। कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से मत्स्य पालन अपनाकर ग्रामीण अतिरिक्त आय एवं स्वरोजगार का साधन विकसित कर सकते हैं। उन्होने प्रशिक्षणार्थियो से प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाने की अपील की। उप कमांडेंट विमल गुप्ता ने ग्रामीणों को साइबर ठगी के प्रति भी जागरूक किया। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व सशस्त्र सीमा बल के नाम का दुरुपयोग कर ठगी कर रहे है। उन्होंने संदिग्ध फोन कॉल एवं संदेशों पर व्यक्तिगत या बैंक संबंधी जानकारी साझा नही करने की अपील की। प्रशिक्षण में ग्रामीणों को मछली पालन की वैज्ञानिक तकनीक, तालाब प्रबंधन, मत्स्य बीज, आहार, रोग नियंत्रण एवं उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में बल के अधिकारी-कर्मचारी, रमा फाउंडेशन के प्रतिनिधि, मत्स्य विभाग के पदाधिकारी एवं 17 प्रशिक्षणार्थी ग्रामीण उपस्थित रहे।

» 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल ने नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत किया आयोजन, साइबर ठगी से बचाव के लिए भी किया जागरूक

बिहार में पहली बार फॉमूर्ला वन रेसिंग की प्रतिभाओं की तलाश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार में पहली बार फॉमूर्ला वन रेसिंग के लिए प्रतिभाओं की तलाश शुरू हुई है। पाटलिपुत्र खेल परिसर के इंडोर हॉल में 17 और 18 अगस्त को ऋ1 सिम रेसिंग इंडिया ओपन 2026 के चयन ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से बिहार के युवाओं को मोटरस्पोर्ट की दुनिया में अपनी प्रतिभा दिखाने और राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि बिहार में पहली बार ऋ1 सिम रेसिंग इंडिया ओपन का आयोजन किया जा रहा है। इसे देश के बड़े मोटरस्पोर्ट प्रतिभा खोज अभियानों में से एक के रूप में देखा जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्देश्य देशभर के युवा और अनुभवी सिम रेसर्स को राष्ट्रीय मंच देना तथा रेसिंग की नई प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर उपलब्ध कराना है। श्री शंकरण ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन कई चरणों में किया जाएगा। प्रतिभागियों का सफर शहर स्तरीय चयन से क्षेत्रीय मुकाबलों और फिर राष्ट्रीय फाइनल तक पहुंचेगा। प्रतियोगिता का राष्ट्रीय फाइनल मुंबई में आयोजित किया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया के जरिए अलग-अलग क्षेत्रों से उभरने वाली रेसिंग प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित करने का अवसर मिलेगा। एफ1 सिम रेसिंग इंडिया ओपन 2026 में खिलाड़ियों के लिए कुल दो करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि रखी गई है। इसमें सीनियर वर्ग के लिए एक करोड़ रुपये और जूनियर वर्ग के लिए एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। इतनी बड़ी पुरस्कार राशि के साथ आयोजित यह प्रतियोगिता देश के सिम रेसिंग खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में सामने आई है। श्री शंकरण ने आगे कहा कि प्रतियोगिता का जूनियर वर्ग खास तौर पर महत्वपूर्ण है। इसे केवल सिम रेसिंग प्रतियोगिता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय मोटरस्पोर्ट प्रतिभा खोज अभियान के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य कम उम्र में ही ऐसे बच्चों और युवाओं की पहचान करना है, जिनमें भविष्य में पेशेवर मोटरस्पोर्ट खिलाड़ी बनने की क्षमता और रेसिंग कौशल मौजूद है। भारत के तेजतर्रार सिम रेसर्स में शामिल मुहम्मद इब्राहिम जूनियर वर्ग की प्रतिभाओं की पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वे प्रतिभागियों की रेसिंग क्षमता, कौशल और प्रदर्शन को परखने के साथ संभावनाशील खिलाड़ियों की पहचान में योगदानदेंगे।

सेवा-संवाद-समाधान में डीएम ने सुनी जनसमस्याए अधिकारियो को समयबद्ध निष्पादन का निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार। समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में सोमवार को जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने सेवा-संवाद-समाधान अनुश्रवण प्रणाली के तहत आयोजित 'सबका सम्मान–जीवन आसान' कार्यक्रम में आम नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडो एवं पंचायतों से पहुंचे लोगों ने भूमि विवाद, अतिक्रमण, रास्ता अवरुद्ध करने, स्थानांतरण, ग्राम रक्षा दल के प्रशिक्षण सहित विभिन्न मामलों से संबंधित आवेदन जिलाधिकारी को सौपे।लखनौर प्रखंड की दीप पूर्वी पंचायत निवासी सुनीला कुमारी ने पड़ोसियो द्वारा सरकारी जमीन पर घर बना लिए जाने तथा रास्ता अवरुद्ध किए जाने की शिकायत की। वहीं प्रखंड कार्यपालक सहायक संजय कुमार ने स्थानांतरण से संबंधित आवेदन दिया। झंझारपुर निवासी देवेंद्र नारायण ने वासडीह के तहत तीनों हिस्सेदारों के बीच आपसी बंटवारे में एक हिस्सेदार द्वारा अपने हिस्से से अधिक जमीन पर जबरन कब्जा कर मकान बनाए जाने तथा अन्य हिस्सेदारों को उनके हिस्से की जमीन नहीं दिए जाने की शिकायत की।इसके अतिरिक्त ग्राम रक्षा दल के सदस्यो ने आगामी 30 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किए जाने की मांग को लेकर आवेदन सौंपा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के पदाधिकारी भी अपने-अपने कार्यालय कक्षों में उपस्थित रहे और आमजनों से प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की।जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि जिला प्रशासन नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन किया जाए। उन्होने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को पंचायत स्तर पर 'सहयोग शिविर' का आयोजन किया जाता है। यह पूरी तरह डिजिटल व्यवस्था है, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को दर्ज करा सकते हैं तथा उनका निर्धारित अवधि में निष्पादन किया जाता है। जिलाधिकारी ने आम नागरिको से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आरटीएमएस 'सहयोग' व्यवस्था के माध्यम से घर बैठे आवेदन करें। इसके लिए सहयोग की सरकारी वेबसाइट पर जाकर शिकायत अथवा समस्या दर्ज कराई जा सकती है।

अवसर मिलने पर महिलाएं अपनी क्षमता को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकती हैं : टी सी छाबड़ा

नई सोच एक्सप्रेस

अररिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आरसीएम कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्पेशल वूमेन्स एकेडमी 2026 कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। हर नारी सम्मान की अधिकारी की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में अररिया सहित देशभर से महिला एसोसिएट बायर्स और लीडर्स की भागीदारी रही। इस अवसर पर आरसीएम कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक टी सी छाबड़ा ने कहा कि आरसीएम ने अपनी शुरुआत से ही महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है और हमारा निरंतर प्रयास रहा है कि महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने और अपनी पहचान बनाने के अवसर मिलें। वूमेन्स एकेडमी 2026 में देशभर से आई महिला एसोसिएट बायर्स और लीडर्स की उपलब्धियों को देखकर यह विश्वास और मजबूत होता है कि सही अवसर मिलने पर महिलाएं अपनी क्षमता को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय आयोजन में महिलाओं को प्रोटीन-युक्त एवं पौष्टिक भोजन तैयार करने, घर पर किचन गार्डन के माध्यम से जैविक सब्जियां उगाने और अपने मेकअप कौशल को बेहतर करना सिखाया गया। वहीं, विभिन्न राज्यों की महिलाओं ने पारंपरिक नृत्य और कल्चरल वॉक के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता को एक मंच पर प्रस्तुत किया।

आर्चरी में 12-14 वर्ष और बैडमिंटन-ताइक्वांडो में 16-18 वर्ष के खिलाड़ी ले सकेंगे हिस्सा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार में खेल प्रतिभाओं को तलाशकर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में खेल विभाग की ओर से विभिन्न खेलों के लिए चयन ट्रायल आयोजित किए जा रहे हैं। एकलव्य राज्य आवासीय खेल प्रशिक्षण केंद्र के लिए आर्चरी तथा जिला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत बैडमिंटन और ताइक्वांडो के चयन ट्रायल राज्य के अलग-अलग जिलों में होंगे। इसके लिए खिलाड़ियों को निर्धारित तिथि और स्थान पर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में भाग लेना होगा।आर्चरी के लिए 11 जिलों में ट्रायल एकलव्य राज्य आवासीय खेल प्रशिक्षण केंद्र के लिए आर्चरी के चयन ट्रायल 16 से 19 अगस्त तक आयोजित किए जाएंगे। इसमें 12 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे। कार्यक्रम के अनुसार, 16 अगस्त को सिवान, भागलपुर और औरंगाबाद, 17 अगस्त को मोतिहारी, कटिहार और नवादा, 18 अगस्त को गोपालगंज, पूर्णिया और जहानाबाद तथा 19 अगस्त को बांका और गया में ट्रायल होंगे। सिवान, मोतिहारी और गोपालगंज में बालक वर्ग तथा भागलपुर, कटिहार और बांका में बालक एवं बालिका दोनों वर्गों के ट्रायल होंगे। औरंगाबाद, नवादा, जहानाबाद और गया में बालिका वर्ग के खिलाड़ी चयन प्रक्रिया में भाग लेंगे।जिला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत बैडमिंटन के चयन ट्रायल 16 से 18 अगस्त तक होंगे। इसके लिए 16 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ी पात्र होंगे। 16 अगस्त को बांका के इंडोर स्टेडियम, 17 अगस्त को मुंगेर के इंडोर स्टेडियम (बस स्टैंड के समीप) और 18 अगस्त को कटिहार के इंडोर स्टेडियम में ट्रायल आयोजित किया जाएगा। तीनों स्थानों पर बालक एवं बालिका दोनों वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे।जिला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत ताइक्वांडो के लिए भी 16 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं का चयन किया जाएगा। 17 अगस्त को बेगूसराय के बीएसएस कॉलेजिएट प्लस-टू और 18 अगस्त को किशनगंज के खेल भवन में ट्रायल आयोजित होगा। दोनों स्थानों पर बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ी शामिल हो सकेंगे।सभी चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल प्रमाण पत्र, खेल प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो और बिहार का निवास प्रमाण पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। निर्धारित आयु सीमा पूरी करने वाले खिलाड़ी ही चयन प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे। राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर की मान्यता प्राप्त प्रतियोगिताओं में पदक विजेता अथवा प्रतिभागी खिलाड़ियों को नियमानुसार अधिकतम दो वर्ष की आयु में छूट दिए जाने का प्रावधान भी है।

महिला विकास मंच मधुबनी जयनगर कार्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार। जयनगर 15 अगस्त को देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महिला विकास मंच, मधुबनी के जयनगर कार्यालय में गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान महिला विकास मंच की जिला उपाध्यक्ष शोभा देवी ने राष्ट्रध्वज का झंडोत्तोलन किया। झंडोत्तोलन के बाद उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान 'जन गण मन' गाया और तिरंगे को सलामी दी।महिला सशक्तीकरण और सामाजिक सेवा के संकल्प के साथ मनाया राष्ट्रीय पर्वसमारोह में देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। पत्रकार, साहित्यकार, समाजसेवी, स्थानीय गणमान्य नागरिक, महिलाएं, बच्चे, युवा एवं बुजुर्ग सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे परिसर में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का वातावरण बना रहा।महिला विकास मंच की जिला उपाध्यक्ष शोभा देवी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश के वीर सपूतों के त्याग, संघर्ष और बलिदान की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि महिला विकास मंच महिलाओं के सशक्तीकरण, जागरूकता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। जरूरतमंद लोगों की सहायता तथा समाज में एकता, भाईचारा और सहयोग की भावना को मजबूत करना मंच की प्राथमिकताओं में शामिल है।उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में समाज के प्रत्येक वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है। महिलाओं, युवाओं और बच्चों को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करते हुए देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। मौके पर रोटी बैंक की सभी सदस्य भी उपस्थित रहीं। बच्चों एवं बुजुर्गों की सहभागिता ने समारोह को और भी भावपूर्ण बना दिया। उपस्थित लोगों ने देश की सुख-समृद्धि, शांति, एकता और अखंडता की कामना की।कार्यक्रम का समापन स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाओं एवं राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

» तिरंगे की शान में एकजुट हुआ जयनगर, शहीदों को किया गया नमन

नतीजे मुद्दों से ही तय हुए

तीनों उपचुनावों में किसी समान सूत्र की तलाश करना संभव नहीं है। बल्कि यह कहना ज्यादा ठीक होगा कि उपचुनाव स्थानीय सवालों और समीकरणों पर लड़े गए और उनके नतीजे उन मुद्दों से ही तय हुए। बिहार के बांकीपुर और मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव नतीजों में 'कॉकरोच' आंदोलन का असर ढूंढने का लालच होना अपनी जगह ठीक है, लेकिन फिलहाल ऐसे किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। मुमकिन है कि युवा मतदाताओं का एक हिस्सा जंतर-मंतर और 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान जो हुआ, उससे प्रभावित हुआ हो। लेकिन इन नतीजों का विश्लेषण करते वक्त चुनावी राजनीति की पेचीदगियों को ध्यान में रखना उचित नजरिया होगा। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के नतीजे ने जरूर सियासी सनसनी पैदा की है, और इसे बेशक सत्ताधारी भाजपा के लिए बड़ा झटका माना जाएगा। इससे प्रशांत किशोर का चेहरा चमका है और अब लोग उनकी पार्टी को अधिक गंभीरता से लेंगे। इस रूप में यह राष्ट्रीय जनता दल के लिए भी झटका है। प्रशांत किशोर का सारा दांव राजनीति विमर्श को सांप्रदायिक और जातीय ध्रुवीकरणों से निकालने पर टिका रहा है। वे शिक्षा, पलायन, और आर्थिक पिछड़ेपन के वो मुद्दे उठा रहे हैं, जिनसे सभी समुदाय प्रभावित हैं। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की कथित आपराधिक पृष्ठभूमि, कथित फर्जी डिग्री, और उम्मीदवारी के पर्चों में जानकारी छिपाने के आरोप को भी बड़ा मुद्दा बनाए रखा है। बांकीपुर में उनकी भारी जीत इन मुद्दों के कारगर होने का संकेत है। लेकिन एक शहरी क्षेत्र में- जहां मध्य वर्गीय मतदाता बड़ी संख्या में हैं- मिली सफलता क्या गांव-देहात तक फैल पाएगी, ये बड़ा सवाल अभी कायम है। उधर मध्य प्रदेश में दतिया सीट को कांग्रेस ने अपने पास बरकरार रखा। इस कारण इस नतीजे में बदलाव की लहर ढूंढना निराधार है। हर जीत महत्त्वपूर्ण होती है, और इस लिहाज से कांग्रेस इस पर जरूर संतोष कर सकती है। मगर असंतोष की तमाम चर्चाओं के बीच गुजरात के मंझलपुर में उसे भाजपा के हाथों करारी हार मिली। इससे पार्टी के सामने मौजूद चुनौतियां फिर जाहिर हुई हैं। कुल मिलाकर जो सूरत उभरी, उसके बीच तीनों उपचुनावों में किसी समान सूत्र की तलाश करना संभव नहीं है। बल्कि यह कहना ज्यादा ठीक होगा कि उपचुनाव स्थानीय सवालों और समीकरणों पर लड़े गए और उनके नतीजे उन मुद्दों से ही तय हुए।

वंदे मातरम् पर सियासत नहीं, सम्मान और सत्य की जरूरत

आरती कुमारी

स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व केवल कैलेंडर की तारीख नहीं होते, बल्कि वे हमें देश की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक मूल्यों और उन असंख्य बलिदानों की याद दिलाते हैं, जिनकी कीमत पर भारत ने आजादी हासिल की। ऐसे अवसरों पर राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान किसी राजनीतिक दल की जिम्मेदारी भर नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। इसलिए 15 अगस्त को नई दिल्लीस्थित कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के गायन के दौरान सोनिया गांधी के हाव-भाव को लेकर उठा विवाद स्वाभाविक रूप से गंभीर सार्वजनिक चर्चा का विषय बन गया है। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी ने 'वंदे मातरम्' के गायन को रोकने का संकेत दिया। इसी आरोप को लेकर कर्नाटक के मंगलुरु में भाजपा नेता विकास पुत्तूर द्वारा पुलिस में शिकायत किए जाने और कार्रवाई नहीं होने पर कर्नाटक हाईकोर्ट जाने की चेतावनी ने विवाद को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे कानूनी प्रक्रिया के संभावित दायरे में ला दिया है। हालांकि इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अभी यह आरोप है, सिद्ध तथ्य नहीं। इसलिए जांच पूरी होने से पहले किसी व्यक्ति को दोषी ठहराना लोकतांत्रिक और न्यायिक दोनों दृष्टियों से उचित नहीं होगा। कांग्रेस ने भाजपा के आरोप को सिरे से खारिज किया है। कांग्रेस की ओर से कहा गया है कि सोनिया गांधी वंदे मातरम् का गायन रोकने का संकेत नहीं दे रही थीं, बल्कि लंबे समय तक खड़े रहे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के लिए कुर्सी लाने का संकेत कर रही थीं। ऐसे में किसी वीडियो या दृश्य के एक हिस्से के आधार पर अंतिम निष्कर्ष निकालने के बजाय पूरे घटनाक्रम, उपलब्ध वीडियो और प्रत्यक्ष तथ्यों की जांच आवश्यक है। यहीं लोकतंत्र की असली परीक्षा भी होती है। राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप चलते रहेंगे, लेकिन राष्ट्रीय प्रतीकों से जुड़ा कोई मामला केवल राजनीतिक बयानबाजी का विषय नहीं बनना चाहिए। यदि वास्तव में राष्ट्रगीत के सम्मान का उल्लंघन हुआ है तो तथ्य सामने आने चाहिए और यदि आरोप गलत है तो वह भी स्पष्ट होना चाहिए। दोनों ही परिस्थितियों में सत्य की जीत लोकतंत्र के हित में होगी।

वंदे मातरम् का इतिहास राजनीति से कहीं बड़ा- 'वंदे मातरम्' भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की चेतना से गहराई से जुड़ा हुआ है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की इस रचना ने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ राष्ट्रीय भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान यह गीत अनेक स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रवादियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। लेकिन इसके इतिहास का दूसरा पक्ष भी है। गीत के कुछ अंशों और उसके धार्मिक संदर्भों को लेकर मुस्लिम लीग तथा कुछ मुस्लिम नेताओं ने आपत्ति जताई थी। 1930 के दशक में यह विषय कांग्रेस के सामने गंभीर राजनीतिक और वैचारिक प्रश्न के रूप में आया। 1937 में मुस्लिम लीग ने कांग्रेस पर वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत के रूप में थोपने का आरोप लगाया। इसके बाद कांग्रेस के भीतर भी इस विषय पर विचार-विमर्श हुआ। नेहरू अभिलेखागार में उपलब्ध दस्तावेजों के संदर्भ में यह सामने आता है कि 20 अक्टूबर 1937 को जवाहरलाल नेहरू ने सुभाषचंद्र बोस को लिखे पत्र में वंदे मातरम् की पृष्ठभूमि और उसके कुछ हिस्सों पर चर्चा की थी। नेहरू ने इस बात की ओर संकेत किया था कि 'आनंदमठ' की पृष्ठभूमि और गीत के कुछ धार्मिक संदर्भ मुस्लिम समुदाय के एक हिस्से को असहज कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी माना कि गीत के विरोध में सांप्रदायिक राजनीति की भूमिका थी। इसके बाद कांग्रेस कार्यसमिति ने इस प्रश्न पर विचार किया और 1937 में व्यापक सहमति वाले शुरुआती अंशों के इस्तेमाल का रास्ता अपनाया। इस निर्णय को आज कोई व्यक्ति तुष्टीकरण की राजनीति का उदाहरण मान सकता है, तो कोई इसे उस समय की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों में सहमति बनाने का प्रयास कह सकता है। इतिहास को समझने का सही तरीका यही है कि उस समय की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर तथ्यों का विश्लेषण किया जाए, न कि वर्तमान राजनीतिक चश्मे से अतीत का फैसला कर दिया जाए।

राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान में अंतर समझना भी जरूरी वंदे मातरम् भारत का राष्ट्रगीत है, जबकि 'जन गण मन' भारत का राष्ट्रगान है। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने घोषणा की थी कि 'जन गण मन' को राष्ट्रगान के रूप में स्वीकार किया जाए और स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक भूमिका निभाने वाले 'वंदे मातरम्' को भी समान सम्मान दिया जाए। इसलिए वंदे मातरम् को किसी राजनीतिक दल, विचारधारा या समुदाय की संपत्ति मानना उसके राष्ट्रीय और ऐतिहासिक महत्व को सीमित करना होगा। यह उस दौर की स्मृति है जब भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहे लोगों ने राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने के लिए गीतों, नारों और प्रतीकों का सहारा लिया था। राष्ट्रगीत का सम्मान भाजपा का मुद्दा नहीं है और न ही कांग्रेस का। यह भारत का मुद्दा है। इसी प्रकार राष्ट्रगान या तिरंगा किसी सरकार या संगठन की निजी विरासत नहीं हैं। इन प्रतीकों के प्रति सम्मान राजनीतिक सत्ता बदलने के साथ नहीं बदल सकता।

कांग्रेस के पुराने फैसले और विवादित बयान- भाजपा लंबे समय से कांग्रेस पर तुष्टीकरण और अल्पसंख्यक वोट बैंक की राजनीति के आरोप लगाती रही है। वंदे मातरम् के इतिहास से जुड़े 1937 के कांग्रेस के फैसले को भी भाजपा इसी राजनीतिक संदर्भ में प्रस्तुत करती है। कांग्रेस और उसके समर्थकों की व्याख्या इसके विपरीत है। उनका तर्क है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में सामाजिक विविधता और धार्मिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखकर सहमति बनाने का प्रयास किया गया था। इसी प्रकार कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं के पुराने बयानों को लेकर भी भाजपा लगातार सवाल उठाती रही है। 2010 में तत्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री पी. चिदंबरम द्वारा 'भगवा आतंकवाद' शब्द के इस्तेमाल से बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा हुआ था। बाद में कांग्रेस के तत्कालीन महासचिव जनार्दन द्विवेदी ने कहा था कि आतंकवाद का कोई रंग नहीं होता और भगवा रंग को आतंकवाद से जोड़ना उचित नहीं है। 2013 में तत्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे के 'हिंदू आतंकवाद' संबंधी बयान पर भी विवाद हुआ। बाद में कांग्रेस ने ऐसी शब्दावली से दूरी बनाते हुए आतंकवाद को किसी धर्म से नहीं जोड़ने की बात कही। इन घटनाओं से इतना जरूर स्पष्ट होता है कि कांग्रेस के कई नेताओं के बयान समय-समय पर राजनीतिक विवादों का कारण बने हैं। लेकिन किसी एक नेता के बयान को पूरे दल की स्थायी और आधिकारिक विचारधारा मान लेना भी सही निष्कर्ष नहीं होगा। राजनीतिक दलों में समय के साथ विचार बदलते हैं, नेता अलग-अलग बयान देते हैं और कई बार पार्टी को स्वयं स्पष्टीकरण जारी करना पड़ता है।

राष्ट्रवाद का राजनीतिक पेटेंट किसके पास- आज के विवाद का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या राष्ट्रवाद और देशभक्ति को राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा का हथियार बनाया जाना चाहिए? भाजपा कांग्रेस पर राष्ट्रगीत के अपमान का आरोप लगा रही है। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक विवाद का माध्यम बना रही है। दोनों दल अपनी-अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने के लिए अपने तर्क देंगे। लेकिन आम नागरिक के लिए इससे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक दलगत संघर्ष से ऊपर रखा जा सकता है? देशभक्ति का कोई राजनीतिक पेटेंट नहीं हो सकता। न भाजपा देशभक्ति का प्रमाणपत्र बांट सकती है और न कांग्रेस। भारत की आजादी किसी एक पार्टी, परिवार या संगठन के प्रयास का परिणाम नहीं थी। यह करोड़ों भारतीयों के संघर्ष, त्याग, जेल, आंदोलन और बलिदान की सामूहिक उपलब्धि थी। इसलिए 'हमने देश आजाद कराया' या 'सिर्फ हम ही राष्ट्रवादी हैं' जैसी राजनीतिक मानसिकता से लोकतंत्र को बाहर निकलना होगा। देश किसी पार्टी से बड़ा है और राष्ट्र किसी चुनाव से बड़ा।

आरोप गंभीर हों तो जांच भी गंभीर हो- सोनिया गांधी से जुड़ा वर्तमान विवाद भी इसी कसौटी पर देखा जाना चाहिए। यदि वीडियो और अन्य साक्ष्यों से यह साबित होता है कि राष्ट्रगीत के गायन को रोकने का प्रयास किया गया, तो निश्चित रूप से यह गंभीर मामला होगा।

रसोई से पूजा तक हरी मिर्च का है महत्व

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

भारतीय रसोई में हरी मिर्च का स्थान अत्यंत खास है। यह भोजन का स्वाद बढ़ाती है, शरीर को ऊर्जा देती है और रोगों से लड़ने में भी सहायक होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यही साधारण-सी हरी मिर्च जीवन की अनेक समस्याओं का समाधान भी बन सकता है? ज्योतिष, वास्तु और तांत्रिक परंपरा में हरी मिर्च को एक शक्तिशाली माध्यम माना गया है, जो नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेता है और सकारात्मक शक्ति को आकर्षित करता है। भारत के गाँवों और कस्बों में अक्सर दुकानों और घरों के बाहर नींबू और मिर्च टंगे हुए देखा जाता है। यह केवल परंपरा नहीं है, बल्कि नजर दोष और दुष्प्रभाव से बचाव का अचूक उपाय माना गया है। इसी तरह हरी मिर्च से जुड़े अनेक टोटके और उपाय प्रचलित हैं, जो स्वास्थ्य, व्यापार, धन, सौभाग्य और शांति से जुड़ा है। कहा जाता है कि जब किसी को बुरी नजर लग जाता है तो उसकी सेहत बिगड़ने लगता है, कामकाज में रुकावट आता है और परिवार में क्लेश उत्पन्न होता है। बच्चे अकसर सबसे जल्दी नजर दोष का शिकार होते हैं। सात हरी मिर्च लें और जिस व्यक्ति को नजर लगी हो, उसके सिर के ऊपर से उल्टी और सीधी दिशा में सात बार घुमाएँ। अब इन मिर्चों को सड़क के किनारे फेंक दें। ध्यान रखें कि मिर्चों को घर के भीतर या कचरे में न डालें। इस उपाय से नकारात्मक ऊर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है और व्यक्ति पर नजर दोष का असर खत्म हो जाता है। यदि घर का कोई सदस्य लंबे समय से बीमार है और दवाइयाँ असर नहीं कर रही हैं, तो हरी मिर्च का यह उपाय कारगर माना गया है। रोगी के सिरहाने या तकिए के नीचे पाँच हरी मिर्च रखें। प्रतिदिन मिर्च बदलते रहें। माना जाता है कि इससे रोगी की सेहत में धीरे-धीरे सुधार होता है और बीमारी के पीछे की नकारात्मक शक्ति नष्ट होता है। तनाव, अवसाद या चिंता से पीड़ित व्यक्ति के पास हरी मिर्च रखने से उसका मानसिक बोझ कम होता है और मनोबल बढ़ता है। कई बार मेहनत करने के बावजूद व्यापार में लाभ नहीं होता है या बार-बार हानि होता है। अपनी दुकान या कार्यालय की मेज की दराज में सात हरी मिर्च रखें। इसे किसी को दिखाई न दे। हर शुक्रवार को मिर्च बदल दें। इससे व्यापार में वृद्धि होती है और ग्राहकों का आकर्षण बढ़ता है। नौकरी में यदि प्रमोशन नहीं मिल रहा है या नौकरी में परेशानी आ रही है तो मंगलवार के दिन पाँच हरी मिर्च लेकर हनुमानजी को अर्पित करें। फिर वही मिर्च अपनी जेब में रख लें। इससे सफलता के अवसर बढ़ते हैं। यदि घर में लगातार धन की कमी बनी रहती है तो शनिवार की रात को सात हरी मिर्च लेकर उन्हें काले कपड़े में बांधकर घर के उत्तर दिशा में रख दें। प्रत्येक शुक्रवार को माता लक्ष्मी के सामने एक कटोरी पानी में हरी मिर्च डालकर दीपक जलाएँ। रात में उस पानी को घर के बाहर फेंक दें। इससे घर में धन का आगमन होता है। घर में कलह, झगड़े और नकारात्मक ऊर्जा हो तो यह उपाय करें। सुबह कांच के गिलास में पानी भरकर उसमें एक हरी मिर्च डालें। रात को इसे पानी समेत मिर्च को घर से बाहर फेंक दें। प्रतिदिन यह क्रिया करने से वास्तु दोष का प्रभाव धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। घर या दुकान के मुख्य दरवाजे पर नींबू और सात हरी मिर्च लटकाने से नकारात्मक ऊर्जा अंदर प्रवेश नहीं करती है। शनिवार को पीपल के वृक्ष के नीचे दीपक जलाकर सात हरी मिर्च चढ़ाने से शनि दोष का प्रभाव कम होता है। यदि किसी व्यक्ति को लगता है कि शत्रु बाधा डाल रहा है, तो मंगलवार को सात हरी मिर्च लेकर हनुमान मंदिर में चढ़ा दें। इससे शत्रु की शक्ति कम हो जाती है। भारत के गाँवों में आज भी लोग मानते हैं कि घर या खेत में हरी मिर्च रखने से बुरी आत्माएँ पास नहीं आती है। किसानों की मान्यता है कि बीज बोने से पहले खेत के कोने में हरी मिर्च रखने से फसल पर किसी की नजर नहीं लगता है। हरी मिर्च में कैप्सेसिन नामक तत्व होता है, जो ऊर्जा और गर्मी प्रदान करता है। इसे नकारात्मक ऊर्जा को सोखने वाला माना गया है। यही कारण है कि इसे नजर दोष और रोग निवारण से जोड़ा गया है। सप्ताह में एक दिन हरी मिर्च का टोटका अवश्य करें। घर की रसोई में हमेशा ताजी हरी मिर्च रखें। किसी शुभ कार्य से पहले घर के बाहर नींबू और मिर्च लटका दें। मिर्च के उपाय करते समय विश्वास और श्रद्धा जरूरी है। पुराने या सूखी मिर्च का प्रयोग न करें। मिर्च का प्रयोग करने के बाद उसे पुनः घर में न लाएँ। बच्चों और बुजुर्गों को सीधे टोटके में शामिल न करें। हरी मिर्च केवल भोजन का स्वाद बढ़ाने वाली सामग्री नहीं है, बल्कि यह जीवन की अनेक समस्याओं से निपटने का सरल उपाय भी है। नजर दोष से लेकर आर्थिक तंगी और व्यापारिक रुकावट तक, हरी मिर्च के छोटे-छोटे टोटके आश्चर्यजनक परिणाम देता है। यह विश्वास और आस्था का विषय है, लेकिन हजारों वर्षों की परंपरा और अनगिनत लोगों के अनुभव इस बात की पुष्टि करता है कि हरी मिर्च के उपाय जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है।

शहरी नक्सल या दिमागी नक्सल : हथियारबंद नक्सलवाद से भी अधिक खतरनाक वैचारिक चुनौती

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी
कटिहार, बिहार

नक्सलवाद के विरुद्ध भारत की लड़ाई ने पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। अनेक क्षेत्रों में हिंसक गतिविधियों का प्रभाव घटा है, नक्सली संगठनों का प्रभाव क्षेत्र सीमित हुआ है और सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई ने सशस्त्र उग्रवाद की क्षमता को गंभीर चोट पहुँचाई है। लेकिन किसी भी हिंसक आंदोलन को समाप्त करने के लिए केवल उसके हाथों से हथियार छीन लेना पर्याप्त नहीं होता। उसके पीछे काम करने वाली विचारधारा, प्रचार-तंत्र, वित्तीय सहायता, संपर्क-सूत्र और सामाजिक समर्थन की पहचान भी उतनी ही आवश्यक होती है। यहीं से 'शहरी नक्सल' अथवा 'दिमागी नक्सल' जैसे शब्दों का प्रयोग सामने आता है। यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि ये भारत के कानून में परिभाषित कोई स्वतंत्र कानूनी श्रेणियाँ नहीं हैं। इनका प्रयोग मुख्यतः राजनीतिक और सामाजिक विमर्श में उन कथित वैचारिक या शहरी नेटवर्कों के संदर्भ में किया जाता है, जिन पर हिंसक नक्सली संगठनों के लिए प्रचार, वैचारिक समर्थन, संसाधन, संपर्क अथवा अन्य प्रकार की सहायता उपलब्ध कराने के आरोप लगाए जाते हैं। यहाँ सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि लोकतांत्रिक असहमति और हिंसक उग्रवाद के वैचारिक समर्थन के बीच अंतर कैसे किया जाए। सरकार की आलोचना करना नक्सलवाद नहीं है। किसी सरकारी नीति का विरोध करना नक्सलवाद नहीं है। गरीबों, आदिवासियों अथवा वंचित वर्गों के अधिकारों की बात करना नक्सलवाद नहीं है। मानवाधिकारों पर प्रश्न उठाना भी अपने आप में नक्सलवाद नहीं है। लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी शक्ति है। लेकिन यदि कोई व्यक्ति या संगठन जानबूझकर किसी प्रतिबंधित हिंसक संगठन के लिए प्रचार करता है, युवाओं को हिंसक गतिविधियों के लिए प्रभावित करता है, भर्ती या संसाधन जुटाने में सहायता करता है, हिंसा को महिमामंडित करता है अथवा सशस्त्र विद्रोह को लोकतांत्रिक परिवर्तन का वैध विकल्प बताने का संगठित प्रयास करता है, तो मामला सामान्य राजनीतिक असहमति से आगे बढ़ जाता है। तब वह राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून-व्यवस्था का विषय बन सकता है। हथियारबंद नक्सली दिखाई देता है, लेकिन उसके पीछे काम करने वाला वैचारिक और समर्थन तंत्र कई बार दिखाई नहीं देता। यही कारण है कि आधुनिक समय में उग्रवाद से लड़ाई केवल जंगलों में नहीं, बल्कि विचारों, प्रचार और सूचना के क्षेत्र में भी लड़ी जानी आवश्यक है। सशस्त्र नक्सली का उद्देश्य अपेक्षाकृत स्पष्ट होता है। उसके पास हथियार होते हैं, वह हिंसा करता है और राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देता है। लेकिन किसी हिंसक आंदोलन को समाज में वैचारिक स्वीकृति दिलाने का प्रयास कहीं अधिक जटिल प्रक्रिया हो सकती है। हिंसा को 'क्रांति', आतंक को 'संघर्ष' और लोकतांत्रिक व्यवस्था के विरुद्ध सशस्त्र कार्रवाई को 'न्याय की लड़ाई' के रूप में प्रस्तुत करना युवा मन को प्रभावित कर सकता है। यही वह क्षेत्र है जहाँ वैचारिक सतर्कता की आवश्यकता होती है। आज सूचना प्रौद्योगिकी और सामाजिक माध्यमों के युग में प्रचार की शक्ति कई गुना बढ़ गई है। किसी जंगल में बैठे संगठन की विचारधारा कुछ घंटों में देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुँच सकती है। वीडियो, लेख, संदेश, सामाजिक माध्यमों के अभियान और डिजिटल समूहों के माध्यम से युवाओं के बीच भ्रम पैदा किया जा सकता है। इसलिए आधुनिक उग्रवाद केवल बंदूक और बारूद का प्रश्न नहीं रह गया है; यह विचार, सूचना और मनोवैज्ञानिक प्रभाव का भी प्रश्न बन चुका है। लेकिन इस चुनौती से निपटने के नाम पर लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को समाप्त करना भी उचित नहीं होगा। यदि सरकार की हर आलोचना को 'दिमागी नक्सलवाद' कह दिया जाए तो लोकतंत्र में प्रश्न पूछने का अधिकार ही समाप्त हो जाएगा। यदि किसी लेखक, पत्रकार, विद्यार्थी या सामाजिक कार्यकर्ता को केवल उसके विचारों के कारण नक्सल समर्थक घोषित कर दिया जाए तो यह संविधान की मूल भावना के विपरीत होगा। इसलिए इस विषय में सबसे आवश्यक है—आरोप नहीं, प्रमाण; पूर्वाग्रह नहीं, तथ्य; राजनीतिक लेबल नहीं, कानूनी कसौटी। वास्तविक चुनौती यह है कि समाज यह पहचान सके कि शांतिपूर्ण असहमति कहाँ समाप्त होती है और हिंसक उग्रवाद का समर्थन कहाँ से शुरू होता है। भारत में लोकतांत्रिक परिवर्तन के अनेक रास्ते उपलब्ध हैं। चुनाव हैं, संसद है, विधानसभाएँ हैं, न्यायपालिका है, मीडिया है, जन आंदोलन हैं, राजनीतिक दल हैं और नागरिक समाज है। यदि किसी सरकार की नीति गलत है तो उसे चुनाव में चुनौती दी जा सकती है। यदि कोई कानून अन्यायपूर्ण है तो उसके संशोधन की मांग की जा सकती है। यदि प्रशासन में भ्रष्टाचार है तो न्यायिक और प्रशासनिक प्रक्रिया का सहारा लिया जा सकता है। फिर बंदूक को परिवर्तन का माध्यम बनाने की आवश्यकता क्यों हो? यही प्रश्न नक्सली विचारधारा के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा तर्क है। हालाँकि यह भी उतना ही सच है कि केवल कानून और सुरक्षा बलों के माध्यम से उग्रवाद को स्थायी रूप से समाप्त नहीं किया जा सकता। जिन क्षेत्रों में गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा की कमी, स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव, भूमि विवाद, विस्थापन अथवा प्रशासनिक उपेक्षा है, वहाँ असंतोष पैदा होना स्वाभाविक है। उग्रवादी संगठन इसी असंतोष को अपने पक्ष में इस्तेमाल करने का प्रयास करते हैं। इसलिए नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई में बंदूक के साथ विकास भी आवश्यक है। जहाँ सड़क पहुँचेगी, वहाँ बाजार पहुँचेगा। जहाँ विद्यालय पहुँचेगा, वहाँ ज्ञान पहुँचेगा। जहाँ बैंक पहुँचेगा, वहाँ आर्थिक अवसर पहुँचेंगे। जहाँ अस्पताल पहुँचेगा, वहाँ राज्य के प्रति विश्वास बढ़ेगा। जहाँ न्याय समय पर मिलेगा, वहाँ हिंसक संगठन के लिए असंतोष को हथियार बनाना कठिन होगा। युवाओं को रोजगार और शिक्षा देना भी उग्रवाद के विरुद्ध एक प्रभावी रणनीति है। जिस युवा के सामने सम्मानजनक रोजगार, शिक्षा और लोकतांत्रिक भागीदारी का अवसर होगा, उसे हिंसक विचारधारा की ओर आकर्षित करना अपेक्षाकृत कठिन होगा। इसलिए सरकार को सुरक्षा के साथ-साथ विकास, सुशासन और संवाद पर भी समान ध्यान देना चाहिए। दूसरी ओर बुद्धिजीवी वर्ग और मीडिया की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की आलोचना आवश्यक है। सत्ता से प्रश्न पूछना पत्रकारिता का धर्म है। सामाजिक अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना नागरिक समाज का अधिकार है। लेकिन किसी हिंसक संगठन की विचारधारा को रोमांचक, गौरवपूर्ण या आदर्शवादी रूप में प्रस्तुत करना अलग बात है। हिंसा का समर्थन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पर्याय नहीं हो सकता। इसी प्रकार सुरक्षा बलों की हर कार्रवाई को बिना तथ्य के सही मान लेना भी उचित नहीं है। यदि कहीं मानवाधिकार का उल्लंघन हुआ है तो उसकी जांच होनी चाहिए। कानून से ऊपर कोई नहीं होना चाहिए। लोकतंत्र की शक्ति इसी में है कि वह सुरक्षा और नागरिक अधिकार दोनों के बीच संतुलन स्थापित कर सके। वास्तविक राष्ट्रवाद भी इसी संतुलन की मांग करता है। राष्ट्रवाद का अर्थ यह नहीं कि सरकार की प्रत्येक नीति का समर्थन किया जाए। राष्ट्रवाद का अर्थ है संविधान, राष्ट्र की एकता, लोकतांत्रिक संस्थाओं और कानून के शासन के प्रति निष्ठा। सरकार बदल सकती है, राजनीतिक दल बदल सकते हैं, नीतियाँ बदल सकती हैं, लेकिन राष्ट्र और संविधान स्थायी आधार हैं। इसलिए यदि कोई व्यक्ति सरकार का विरोध करता है तो वह राष्ट्रविरोधी नहीं हो जाता। लेकिन यदि कोई व्यक्ति हिंसा के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को समाप्त करने का प्रयास करता है या किसी प्रतिबंधित सशस्त्र संगठन को सक्रिय सहायता देता है, तो उसकी गतिविधियों का परीक्षण कानून के अनुसार होना चाहिए। यहीं 'शहरी नक्सल' और 'दिमागी नक्सल' जैसे शब्दों के इस्तेमाल में सावधानी आवश्यक हो जाती है। यदि इन शब्दों का इस्तेमाल केवल राजनीतिक विरोधियों को बदनाम करने के लिए किया जाएगा तो इनकी गंभीरता समाप्त हो जाएगी। लेकिन यदि प्रमाणित रूप से कोई नेटवर्क हिंसक उग्रवाद को संसाधन, प्रचार या संगठनात्मक सहायता उपलब्ध कराता है, तो उसे केवल 'बौद्धिक स्वतंत्रता' के नाम पर नजरअंदाज करना भी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उचित नहीं होगा। सशस्त्र नक्सलवाद की शक्ति को समाप्त करना महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन किसी भी हिंसक आंदोलन की स्थायी समाप्ति तभी संभव है जब उसके सामाजिक और वैचारिक आधार भी कमजोर हों। बंदूक का मुकाबला सुरक्षा बल कर सकते हैं; लेकिन हिंसक विचारधारा का मुकाबला समाज को करना होगा। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में लोकतांत्रिक मूल्यों की शिक्षा आवश्यक है। युवाओं को संविधान की शक्ति समझानी होगी। उन्हें यह बताना होगा कि परिवर्तन के लिए हिंसा नहीं, विचार और लोकतांत्रिक सहभागिता अधिक प्रभावी माध्यम हैं। उन्हें यह भी सिखाना होगा कि सामाजिक अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करना गलत नहीं है, लेकिन निर्दोषों की हत्या, हिंसा और आतंक को न्याय का नाम देना भी स्वीकार्य नहीं हो सकता।

मेष राशिःआज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। इस राशि की जो महिलाएं वर्क फ्रॉम होम करती हैं, उनके लिए दिन व्यस्तता से भरा रहेगा, लेकिन शाम का समय आपको सुकून देगा, आप अपनी फैमिली के साथ अच्छा समय बिताएंगी। आज आपका कोई पुराना मित्र आपके घर आ सकता है, आप उससे अपने मन की बात शेयर कर सकते हैं, इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आप माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थान के दर्शन के लिए जा सकते हैं। शुभ अंकः 5

वृष राशिःआज का दिन आपके लिए नई उमंग लेकर आया है। आज आपको कोई ऐसी चीज मिलेगी जिसकी चाह आपको काफी दिनों से थी। आज आप काम को लेकर काफी एक्साइटेड रहेंगे, जिस भी काम की शुरुआत करेंगे वह समय से पूरा होगा। आज समाज में आपके द्वारा मानवहित में किया गया काम आपको सम्मान दिलाएगा। आज बिजनेस में आपको उम्मीद से ज्यादा लाभ होगा। शुभ अंकः 3

मिथुन राशिःआज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज काफी दिनों से रुका हुआ महत्वपूर्ण काम पूरा हो जाएगा, जिससे आपके अंदर उत्साह रहेगा। आज आप काम करने का नया टारगेट बनाएंगे। इस राशि के जो व्यक्ति राजनीति के क्षेत्र में हैं, वे आज किसी सभा में जाएंगे, जहां अपने संबोधन से जनमानस में नई उमंग भर देंगे। आज छात्र अपनी पढ़ाई में व्यस्त रहेंगे, जल्द ही आपकी सफलता के योग बन रहे हैं, बस आप अपनी मेहनत कंटिन्यू रखें। शुभ अंकः 8

कर्क राशिःआज का दिन आपके लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज आपको बिजनेस में अच्छा धन लाभ होगा और आपके व्यावसायिक रिश्ते भी मजबूत बनेंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज काफी वर्षों की मेहनत का फल आपको मिलेगा, जिससे आपको काम करने का नया हौसला मिलेगा। आज आप किसी अजनबी की बातों पर यकीन करने से बचें और किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लें। शुभ अंकः 7

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति से आप जीवन की कुछ महत्वपूर्ण बातें सीखेंगे, जिसका आपके जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। आज काफी दिनों से चल रहा कोई वर्क कम्प्लीट हो जाएगा, जिससे आपकी उलझन कम होगी। इस राशि के जिन व्यक्तियों का आज बर्थडे है, वे आज दोस्तों को अपने हाथ का बनाया स्वादिष्ट खाना खिलाएंगे। शुभ अंकः 6

कन्या राशिःआज का दिन आपके लिए अच्छा बदलाव लाया है। यह बदलाव आपके काम को लेकर या करियर को लेकर हो सकता है। छात्र आज अपनी पढ़ाई को लेकर उत्साहित रहेंगे, कोई नया कोर्स जॉइन करने का मन बनाएंगे। आज काम के प्रेशर को कम करने के लिए आप अपने सहयोगियों से सलाह-मशविरा भी ले सकते हैं। शुभ अंकः 2

तुला राशिःआज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपको संतान की तरफ से खुशखबरी सुनने को मिल सकती है, इस खुशी में आप कहीं घूमने की प्लानिंग अपने परिवार के साथ करेंगे। आज आपका रुझान साहित्य के क्षेत्र में होने से आप बुक पढने का मन बनाएंगे। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। शुभ अंकः 1

वृश्चिक राशिःआज का दिन आपके लिए फेवरेबल है। आज आप पेंडिंग कार्यों को करने में सफल रहेंगे, जिससे आप आगे के प्लान भी तैयार कर पाएंगे। आज आप किसी काम के बारे में नए सिरे से सोच सकते हैं। यदि आज आप मार्केट में किसी तरह का निवेश करने जा रहे हैं, तो पूरी तरह से रिसर्च के बाद ही निवेश करें। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। शुभ अंकः 3

धनु राशिःआज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे छात्रों को आज गुड न्यूज मिल सकती है। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, उसे समय रहते पूरा कर लें, आपके लिए अच्छा रहेगा। शुभ अंकः 6

मकर राशिःआज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज व्यापार में लाभ के साथ-साथ परिश्रम की अधिकता बनी रहेगी। आज आप जरूरी काम करने से पहले घर के बड़ों या किसी अनुभवी व्यक्ति से राय जरूर ले लें। आज माता-पिता के आशीर्वाद से सभी बाधाओं को दूर करने में आप सक्षम रहेंगे। शुभ अंकः 2

कुंभ राशिःआज का दिन आपके लिए शानदार बना रहेगा। आज किसी बड़े व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है और आने वाले समय में वह आपके लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा। आज टूर एंड ट्रैवल के बिजनेस में आप अच्छा धन लाभ कमाएंगे। आज टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़े व्यक्तियों को कुछ बड़े प्रोजेक्ट मिल सकते हैं। शुभ अंकः 5

मीन राशिःआज का दिन आपके लिए बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। आज आपके मन में नए-नए विचार आएंगे, जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में उतारने में कामयाब रहेंगे। आज राजनीतिक क्षेत्र में कार्यरत व्यक्ति के लिए दिन रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा, आज आपकी पार्टी आपको कोई बड़ा पद भी दे सकती है। शुभ अंकः 4

संक्षिप्त समाचार

चतरा जिले में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस

» स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न जगहों पर शान से लहराया गया तिरंगा

चतरा।जिले में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस, जिले के चतरा इटखोरी मयूरहंड प्रतापपुर हंटरगंज गिद्धौर पत्थलगड़ा सिमरिया टंडवा कुंदा हंटरगंज समेत विभिन्न प्रखंडो में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सभी प्रखंड के विभिन्न थाना परिसर,स्कूल, गैर सरकारी कार्यालय, शिक्षण संस्थानों एवं पंचायत कार्यालयों में हर्षोल्लास के साथ झंडोत्तोलन किया गया। इस वर्ष केंद्र सरकार द्वारा जारी नए गाइडलाइन के अनुसार झंडा तोलन से पूर्व वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत गाए गए, इसके बाद झंडोत्तोलन कर राष्ट्रीय गान गया गया। इटखोरी प्रखंड के प्रखंड कार्यालय परिसर में प्रमुख प्रिया कुमारी, गांधी स्मारक में बीडीओ सोमनाथ बाकिंरा, थाना परिसर में थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह, भद्रकाली डिग्री महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ दुलार ठाकुर, भद्रकाली इंटर महाविद्यालय में सचिव श्याम कुमार सिंह, द विजन पब्लिक स्कूल में निदेशक नीरज कुमार सिन्हा, साई पब्लिक स्कूल में निदेशक प्रकाश राम, शहरजाम पंचायत भवन में मुखिया बीना देवी, करनी पंचायत में मुखिया किरण देवी, ज्ञान सरोवर स्कूल में संस्थापक बीरबल पांडेय, धुना पंचायत भवन में मुखिया सोनी कुमारी, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में वार्डन रेणु कुमारी समेत विभिन्न संस्थानों में विभिन्न प्रमुखों द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। इनमें कई विद्यालयों में परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर,वंदे मातरम,भारत माता की जय का उदघोष करते हुए प्रभात फेरी भी निकाला। वहीं मयूरहंड थाना परिसर में थाना प्रभारी राहुल कुमार दुबे और प्रखंड कार्यालय में मनीष कुमार ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी।इस दौरान देशभक्ति का माहौल रहा, उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों ने राष्ट्रध्वज के सम्मान में सलामी दी और देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा का संकल्प लिया। इस मौके पर पुलिस जवान जनप्रतिनिधि समाजसेवी छात्र-छात्राएं मौजूद रहें।

मंझगावां स्कूल में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस समारोह

मयूरहंड।मयूरहंड प्रखंड के मंझगावां स्थित हरिजन जनता हाई स्कूल के प्रांगण में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के माहौल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक झांकियां, देशभक्ति गीत एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों द्वारा उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। समारोह में पूर्व विधायक योगेंद्र नाथ बैठा, इटखोरी के रत्न शर्मा, सतीश सिंह, गोपाल सिंह, वर्तमान मुखिया मंजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामीणों और अभिभावकों का भरपूर सहयोग रहा। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी विद्यालय के टॉप-10 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को तिलरा निवासी अभिभावक सत्यनारायण भैया द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

जेडीएफ व होप ने 5 आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण व पूर्व-प्राथमिक शिक्षा सामग्री का किया वितरण

लोहरदगा। जेडीएफ व होप के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को लोहरदगा जिला के चयनित 5 आंगनबाड़ी केंद्रों सेमरडीह, हरिहरपुर, खखपरता, बरही टंगरा टोली व कुंदगडी के 69 चयनित बच्चों को पोषण व पूर्व-प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शिक्षण व शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों में आने वाले छोटे बच्चों के लिए पोषण संबंधी जागरूकता, खेल-खेल में सीखने की प्रक्रिया व स्कूल पूर्व शिक्षा को बेहतर बनाना है। इस अवसर पर आंगनबाड़ी सेविकाओं को बच्चों की उम्र व सीखने की आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई गई। वितरित सामग्री का उपयोग बच्चों में भाषा विकास, संज्ञानात्मक क्षमता, रचनात्मकता, सामाजिक व्यवहार व प्रारंभिक गणितीय समझ विकसित करने के लिए किया जाएगा। साथ ही, आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए सीखने का वातावरण अधिक रोचक व प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रतिनिधियों ने कहा कि जीवन के शुरुआती वर्षों में बच्चों को उचित पोषण व गुणवत्तापूर्ण पूर्व-प्राथमिक शिक्षा मिलना उनके शारीरिक, मानसिक व सामाजिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आंगनबाड़ी केंद्र इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जेडीएफ व होप की ओर से बताया गया कि भविष्य में भी समुदाय व संबंधित हितधारकों के सहयोग से बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा व समग्र विकास को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। उपस्थित सभी बच्चों की माताओं ने अपने बच्चों के नाम 1-1 पौधा भी लगाया। मनोरमा एक्का ने कहा कि जिस तरह बच्चे हैं, उसी तरह इन पौधों का भी ख्याल रखें। कार्यक्रम में जेडीएफ व होप के प्रतिनिधियों व स्थानीय समुदाय के सदस्यों की सहभागिता रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में उज्ज्वल कुशवाहा, अरविंद वर्मा, गीता बिरहोर, विष्णु महली, ऊषा, आरती व संध्या का विशेष सहयोग रहा।

ऑटो को बचाने के प्रयास में डंपर खेत में जा पलटा, बाल-बाल बचा चालक

गुमला। गुमला सोसो मोड़ से बुद्धेश्वरी धाम जाने वाले मार्ग पर इन दिनों सैकड़ों की संख्या में बोल्डर एवं डस्ट लेकर भारी-भरकम डंपर और टेलर का आवागमन हो रहा है और यह सड़क जो सिंगल है और उस मार्ग से 40 से 45 टन का भार लेकर भारत माला सड़क निर्माण के लिए शिवालया कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा इस ग्रामीण सड़क को अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने के लिए मार्ग बनाकर उपयोग कर रहे हैं। परिणामस्वरूप इस सड़क पर जहां भारी-भरकम डंपरों का आवागमन से सड़क की खस्ताहाल है। वहीं इस सड़क से दर्जनों गांवों का सम्पर्क आने-जाने का मार्ग भी है और लगातार भारी वाहनों का प्रवेश इस मार्ग से होने से दुर्घटना की आशंकाएं बढ़ी हुई है। सोमवार को इसी मार्ग से जा रहा डंपर जिसमें डस्ट पाउडर लोड था, सामने से आ रहे एक टेंपो जिसमें अनेक सवारी लोड थे को बचाने के प्रयास में अपना संतुलन खो दिया और सड़क किनारे खेत में जा पलटा। इस दुर्घटना में डंपर चालक की जान बच गई। घटनाक्रम को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बनी है और इस मार्ग से भारी-भरकम सैकड़ों मालवाहक के आवागमन से दिन-रात धूल उड़ती है। वहीं आने वाले दिनों में यदि इसी तरह से भारी वाहनों का काफिला चलता रहा तो छोटी पुलिया भी धंस जाए इसकी आशंकाएं बढ़ी हुई है।

भारत में बॉर्डर और शहरी इलाकों में एंटी-ड्रोन पेट्रोलिंग की शुरुआत

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।इंद्रजाल रेंजर को गृह मंत्रालय से लगभग 155 करोड़ रूपये के ऑर्डर मिले हैं। इनमें रूपये145 करोड़ का ऑर्डर बॉर्डर सिक्योरिटी और लगभग रूपये 10 करोड़ का अर्बन पुलिस ऑर्डर वीवीआईपी सुरक्षा और शहरी सुरक्षा के लिए है। इंद्रजाल रेंजर एक खास तौर पर तैयार किया गया एंटी-ड्रोन पेट्रोल व्हीकल है, जो चलते हुए रोग ड्रोन्स को डिटेक्ट, ट्रैक, आइडेंटिफाई और काउंटर करने में सक्षम है। इसे बॉर्डर, वीवीआईपी रूट्स, सार्वजनिक आयोजनों, एयरपोर्ट्स और महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा के लिए मोबाइल काउंटर-यूएएस प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है। रेंजर में स्काई-ओएस के जरिए एडवांस्ड सेंसर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेंसर फ्यूजन, कमांड एंड कंट्रोल और कई स्तरों वाले काउंटरमेजर्स को एकीकृत किया गया है। इसकी तीन प्रमुख सुरक्षा क्षमताएं हैं— रिट्रैक्टर, लक्ष्मण रेखा और नेट इंटरसेप्टर।इंद्रजाल रेंजर भारत का एकमात्र एआरडीटीसी से अप्रूव्ड एंटी-ड्रोन पेट्रोल व्हीकल है। इसे सरकारी मूल्यांकन के जरिए ऑपरेशनल स्तर पर मान्यता मिल चुकी है और गृह मंत्रालय ने भी इसे चुना है। इन तैनातियों से बॉर्डर सिक्योरिटी और शहरी पुलिसिंग में एंटी-ड्रोन पेट्रोल व्हीकल्स की एक नई ऑपरेशनल लेयर के उभरने का संकेत मिलता है। यह प्रोग्राम आत्मनिर्भर भारत के विजन को भी मजबूत करता है और भारतीय डिफेंस टेक्नोलॉजी को ऑपरेशनल स्तर पर इस्तेमाल करने की क्षमता को दर्शाता है।

सनराइज पब्लिक स्कूल ढोढी-मधनिया में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बांधा समां

नई सोच एक्सप्रेस

मयूरहंड (चतरा)।स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सनराइज पब्लिक स्कूल, ढोढी-मधनिया में देशभक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए देशभक्ति गीत, नृत्य एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों एवं लोगों का मन मोह लिया और पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। इस अवसर पर बच्चों ने तिरंगे के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह एवं उमंग देखने को मिली। विद्यालय के डायरेक्टर राजेन्द्र कुमार वर्मा एवं सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं के सहयोग और मार्गदर्शन से कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। विद्यालय के डायरेक्टर राजेन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास, रचनात्मकता और राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करना भी आवश्यक है। विद्यालय परिवार बच्चों को बेहतर शिक्षा एवं संस्कार देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय परिवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

माउंटेन मैन दशरथ मांझी को भारत रत्न देने की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

झरिया।राष्ट्रीय भूईयां विकास समिति के काशीटांड़, भागाबांध-बोर्रागढ़ स्थित केंद्रीय कार्यालय में महान समाजसेवी एवं माउंटेन मैन बाबा दशरथ मांझी का महापरिनिर्वाण दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष गणेश भूईयां के नेतृत्व में हुआ। इस दौरान उपस्थित लोगों ने बाबा दशरथ मांझी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में बहुजन आर्मी सह बहुजन मीडिया हाउस के झारखंड प्रभारी रामा शीष चौहान अपने प्रतिनिधियों के साथ शामिल हुए। उन्होंने कहा कि गया जिले के गेहलौर गांव में साधारण मजदूर परिवार में जन्मे दशरथ मांझी ने हथौड़ा और छेनी के सहारे अकेले 22 वर्षों तक पहाड़ काटकर रास्ता बना दिया। उनके संघर्ष ने असंभव को संभव कर दिखाया और पूरी दुनिया के सामने मानवीय संकल्प की मिसाल पेश की। चौहान ने कहा कि दशरथ मांझी के महापरिनिर्वाण के वर्षों बाद भी उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न नहीं मिला है। उन्होंने केंद्र सरकार से जनहित में उनके असाधारण योगदान का निष्पक्ष मूल्यांकन करते हुए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बाबा दशरथ मांझी मुसहर समाज से आते थे और उनका जीवन वंचित एवं हाशिए के समुदायों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। ऐसे महान व्यक्तित्वों के योगदान को सम्मान मिलना सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। कार्यक्रम में मिथलेश भूईयां, रविंद्र प्रसाद, राज कुमार दास, कमल भूईयां, कामेश्वर भूईयां, सुरेंद्र भूईयां, अर्जुन भूईयां, राम लखन राम, इंद्रदेव भूईयां, रामजी भूईयां, राजेश कुमार, शनिचर भूईयां, आजाद कुमार, लखन भूईयां, रितेश कुमार, सतीश कुमार, बाल्मीकी पासवान, अमल दास, माथुर महतो, उत्तम बाउरी, काजल बाउरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने बाबा दशरथ मांझी के आदर्शों पर चलने और उनके संघर्ष से प्रेरणा लेकर समाज एवं देश के विकास में योगदान देने का संकल्प लिया।

भोलेनाथ के जयकारे के साथ देवघर रवाना हुए मुखिया मंजीत सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

मंझगावां (चतरा)।पवित्र सावन माह के अवसर पर मयूरहंड प्रखंड की मंझगावां पंचायत के मुखिया मंजीत सिंह सोमवार को बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर के लिए रवाना हुए। देवघर प्रस्थान से पूर्व उन्होंने गांव के विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। इस दौरान रजंन सिंह (सीआरपीएफ), बहादुर सिंह, मोनु सिंह (सीआरपीएफ) और विपीन सिंह समेत अन्य श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ के जयकारे लगाए। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। मुखिया मंजीत सिंह ने कहा कि बाबा बैद्यनाथ के दरबार में पंचायतवासियों की सुख-शांति, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करेंगे। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ की कृपा से मंझगावां पंचायत के सभी परिवारों में खुशहाली बनी रहे और आपसी भाईचारा व सद्भाव कायम रहे।

ढोढी-मधनिया में पुल निर्माण की अनदेखी का आरोप, ग्रामीणों ने विधायक-सांसद पर लगाया सौतेले व्यवहार का आरोप

नई सोच एक्सप्रेस

मयूरहंड (चतरा)।मझगावा पंचायत अंतर्गत ढोढी मधनिया श्मशान घाट के समीप प्रस्तावित पुल निर्माण का मामला लंबे समय से अधेरा में लटका हुआ है। यह मार्ग क्षेत्र के चार-पांच गांवों को आपस में जोड़ने वाला महत्वपूर्ण रास्ता है। पुल के अभाव में ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बरसात के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद स्थिति और भी गंभीर हो जाती है तथा ग्रामीणों के लिए इस रास्ते से गुजरना जोखिम भरा हो जाता है। ग्रामीणों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि क्षेत्र में 4 प्रखंड अध्यक्ष और एक सांसद प्रतिनिधि जैसे (राजनीतिक पदों)पर जिम्मेदार लोग मौजूद होने के बावजूद ढोढी मधनिया का यह महत्वपूर्ण कार्य अब तक अधूरा पड़ा हुआ है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब क्षेत्र की समस्या को उठाने और संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाने के लिए स्थानीय स्तर पर इतने जिम्मेदार पदाधिकारी मौजूद हैं, तो वर्षों से चली आ रही पुल निर्माण की समस्या का समाधान क्यों नहीं हो पाया। ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव के समय नेताओं और जनप्रतिनिधियों द्वारा गांवों की समस्याओं को प्राथमिकता देने का भरोसा दिलाया जाता है, लेकिन चुनाव के बाद जमीनी समस्याओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता। ग्रामीणों ने कहा कि ढोढी -मधनिया का यह रास्ता केवल एक गांव तक सीमित नहीं है, बल्कि चार-पांच गांवों के लोगों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इसके बावजूद पुल निर्माण में हो रही देरी से ग्रामीणों में निराशा बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने सिमरिया विधानसभा के (विधायक कुमार उज्जवल दास)एवं (सांसद श्री कालीचरण सिंह)से भी क्षेत्र का दौरा कर वास्तविक स्थिति देखने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों को केवल चुनाव के दौरान नहीं, बल्कि पूरे कार्यकाल में गांवों की समस्याओं के प्रति जवाबदेह रहना चाहिए। यदि विधायक और सांसद स्वयं स्थल का निरीक्षण करें तो उन्हें ग्रामीणों की परेशानी की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी। ग्रामीणों ने प्रशासन, जनप्रतिनिधियों तथा स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व से मांग की है कि ढोढी मधनिया श्मशान घाट के समीप पुल निर्माण को प्राथमिकता देते हुए जल्द ठोस पहल की जाए। पुल बनने से चार-पांच गांवों के लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा बरसात के दिनों में होने वाली परेशानी से भी स्थायी राहत मिल सकेगी। अब देखना यह है कि ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग कब पूरी होती है और अधूरा पड़ा कार्य कब धरातल पर पूरा होता है।

15 अगस्त कार्यक्रम में शानदार प्रदर्शन करने वाले बच्चों को किया गया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा (मयूरहंड प्रखंड)ढोढी।विद्यालय सनराइज पब्लिक स्कूल में सोमवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शानदार प्रस्तुति देने वाले सभी बच्चों को उनके उत्साह और मेहनत के लिए पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों की प्रतिभा, प्रस्तुति और प्रदर्शन के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान का चयन किया। समारोह में कक्षा 7 की छात्रा दिव्या कुमारी ने "झाँसी की रानी" की शानदार प्रस्तुति देकर प्रथम पुरस्कार अपने नाम किया। वहीं उत्तम कुमार को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए द्वितीय पुरस्कार और विराट राज वर्मा को सराहनीय प्रस्तुति के लिए तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में भाग लेने वाले अन्य सभी प्रतिभावान बच्चों को भी मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। विद्यालय परिवार ने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों में देशभक्ति, आत्मविश्वास और प्रतिभा को निखारने का काम करते हैं। समारोह के अंत में सभी बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में शिक्षक, अभिभावक और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम में बच्चों की प्रतिभा देखकर सभी अभिभावक गदगद हो गए।

पुरस्कार विजेता

प्रथम- दिव्या कुमारी, कक्षा 7 - "झाँसी की रानी" की लाजवाब प्रस्तुति

द्वितीय - उत्तम कुमार - उत्कृष्ट प्रदर्शन

तृतीय विराट राज वर्मा - सराहनीय प्रस्तुति

विद्यालय परिवार सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है सभी विजेताओं को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं!

सिविल सोसाइटी के सदस्यों की बैठक में उठी शमशान घाट पर लकड़ी उपलब्ध कराने की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह।सिविल सोसाइटी गिरिडीह के सदस्यों की नियमित बैठक आज मारुति टावर तिरंगा चौक स्थित मार्क इंफोसिस के कार्यालय में संपन्न हुई। इस बैठक में कार्यकारी सचिव शंकर प्रसाद, कार्यालय सचिव सुधीर अग्रवाल, सहसचिव सुनील खंडेलवाल, सदस्य लखन लाल, श्याम सुंदर खंडेलवाल, कृष्णा मोदी, बीवी लाल आदि सम्मिलित हुए। बैठक में सर्वप्रथम यशस्वी प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई को 2 मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद सिविल सोसाइटी के प्रयासों से डांडीडीह के संकरे एवं जर्जर रेल ओवर ब्रिज के पुनर्निर्माण हेतु की जा रही कार्रवाई पर उपायुक्त एवं पथ निर्माण विभाग को धन्यवाद ज्ञापन किया किया। शमशान घाट पर दाह संस्कार करने में हो रही लकड़ी की किल्लत के समाधान के लिए वन प्रमंडल पदाधिकारी पूर्वी क्षेत्र गिरिडीह को पत्र लिखकर सड़क किनारे के जर्जर दीमक लगे सूखे पेड़ों को कटवा कर उसे निशुल्क अथवा न्यूनतम दर पर सिविल सोसाइटी के माध्यम से शमशान घाट को उपलब्ध कराने हेतु प्रदान करने का अनुरोध करने का निर्णय लिया गया। पुराने पुलिस लाइन के निकट चंदन नगर में वहां की आम नागरिकों की सुविधा के लिए बनाए गए सामुदायिक भवन का कुछ पुलिस कर्मियों द्वारा कोरोना काल से ही अवैध कब्जा किए जाने के संबंध में महापौर, उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर अवगत कराने तथा उसे खाली करवाने का अनुरोध करने का निर्णय लिया गया। निर्णय लिया गया कि चैताडीह जलापूर्ति संयंत्र द्वारा बिना फिल्टर किया बंद कोयला खान का पानी सीधे भंडारीडीह से पचंबा तक आम नागरिकों को आपूर्ति करने के मुद्दे पर महापौर गिरिडीह को आवेदन देकर जल शुद्धिकरण की व्यवस्था को चालू करवाने अथवा सुदृढ़ करने हेतु स्मारक पत्र देने का निर्णय दिया गया। बैठक में 31 अगस्त 2026 तक आजीवन सदस्यता लेने वाले सदस्यों को ही प्राथमिक अथवा स्थापना सदस्य की मान्यता देने का निर्णय लिया गया। अंत में अगले रविवार तक के लिए बैठक को स्थगित किया गया।

वीर शहीद शक्ति सिंह की 10वीं पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि, तिरंगा यात्रा से गूंजा मयूरहंड

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा।वीर शहीद शक्ति सिंह की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मयूरहंड में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चतरा विधायक जनार्दन पासवान शामिल हुए। विधायक ने तिरंगा यात्रा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद शहीद शक्ति सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी और उनके बलिदान को नमन किया।कार्यक्रम के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से पूरा वातावरण देशभक्ति से ओत-प्रोत हो उठा। कस्तूरबा आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने देशभक्ति गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को भाव-विभोर कर दिया।इस अवसर पर देश की सेवा में अपना जीवन समर्पित करने वाले सेवानिवृत्त सैनिकों को तिरंगा पट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। उनके त्याग, साहस और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान देना गौरव का क्षण बताया गया।कार्यक्रम में वीर शहीद शक्ति सिंह के पिता संत कुमार सिंह, उनके परिजन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने शहीद शक्ति सिंह के बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।वक्ताओं ने कहा कि मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीद शक्ति सिंह का बलिदान सदैव अमर रहेगा। उनका त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों को देशसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

प्रतापपुर में 19 को होगी सामाजिक अंकेक्षण की प्रखंड स्तरीय जनसुनवाई

» विद्यालय स्तर पर सामाजिक अंकेक्षण का कार्य पूरा, एसएसए/एमडीएम से जुड़े मामलों पर होगी जनसुनवाई

प्रतापपुर (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र में विद्यालय स्तर पर सामाजिक अंकेक्षण का कार्य पूरा होने के बाद अब इसकी प्रखंड स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। इस संबंध में प्रखंड संसाधन केंद्र, प्रतापपुर के प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी-सह-समन्वयक किशोर कुमार ने संबंधित जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों व सामाजिक अंकेक्षण से जुड़े प्रतिनिधियों को पत्र जारी कर जनसुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का आग्रह किया है। जारी पत्र के अनुसार, जिला कार्यालय के पत्रांक 1362, दिनांक 01 अगस्त 2026 के आलोक में विद्यालय स्तर पर सामाजिक अंकेक्षण का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके बाद समग्र शिक्षा अभियान व मध्याह्न भोजन योजना से संबंधित प्रखंड स्तरीय सामाजिक अंकेक्षण जनसुनवाई का आयोजन 19 अगस्त 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे किया जाएगा। जनसुनवाई का आयोजन प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रतापपुर के कार्यालय स्थित सभागार में निर्धारित किया गया है। इसमें सामाजिक अंकेक्षण के दौरान सामने आए विभिन्न बिंदुओं, विद्यालयों से संबंधित मामलों व योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा व आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पत्र के माध्यम से प्रखंड प्रमुख, उपप्रमुख, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड स्तरीय महिला समिति की प्रतिनिधि सहित संबंधित पदाधिकारियों, सामाजिक अंकेक्षण से जुड़े प्रतिनिधियों व अन्य नामित सदस्यों को जनसुनवाई में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी-सह-समन्वयक ने पत्र में स्पष्ट किया है कि सामाजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया में जनभागीदारी व पारदर्शिता को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। ऐसे में निर्धारित जनसुनवाई में संबंधित सभी प्रतिनिधियों की उपस्थिति आवश्यक है, ताकि अंकेक्षण के दौरान सामने आए विषयों पर सार्वजनिक रूप से विचार-विमर्श कर उचित निर्णय लिया जा सके।

माउंटेन मैन बाबा दशरथ मांझी को भारत रत्न देने की मांग

धनबाद। राष्ट्रीय भूईयां विकास समिति काशीटांड भागाबांध, बोर्रागड झरिया, केन्द्रीय कार्यालय मे महान समाज सेवी, जुझारू इन्सान और देश का गौरव माउंटेन मैन बाबा दशरथ मांझी की पुण्यतिथि को महा परिनिवार्ण दिवस के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष गनेश भूईयां के नेतृत्व में मनाया गया। विशेष अतिथि के रूप में बहुजन आर्मी सह बहुजन मीडिया हाउस झारखंड प्रभारी रामा शीष चौहान अपने प्रतिनिधियों के साथ शामिल हुये। कार्यक्रम में मिथलेश भूईयां, रविन्द्र प्रसाद, राज कुमार दास, कमल भूईयां, कामेश्वर भूईयां, सुरेन्द्र भूईयां, अर्जून भूईयां, राम लखन राम, इन्द्रदेव भूईयां, राम जी भूईयां, राजेश कुमार, शनिचर भूईयां, आजाद कुमार, लखन भूईयां, रितेश कुमार, सतिष कुमार, बाल्मीकी पासवान, अमल दास, माथुर महतो, उत्तम बाउरी, काजल बाउरी आदि लोग उपस्थित रहे।

खनिज संशोधन कानून के विरोध में झामुमो की बैठक

सिमडेगा। केंद्र सरकार के खान व खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 के विरोध में सिमडेगा जिला झामुमो समिति की बैठक सोमवार को हुई। बैठक में झारखंड के जल, जंगल, जमीन व खनिज संपदा पर राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया गया। जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना ने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा पर पहला अधिकार यहां की जनता का है व पार्टी राज्य के हितों के खिलाफ किसी नीति को स्वीकार नहीं करेगी। जिला सचिव मो. सफीक खान ने कहा कि झामुमो इस कानून के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगा। कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर लोगों को कानून के प्रभावों की जानकारी देने का आह्वान किया गया। बैठक में केंद्रीय सदस्य नोवास केरकेट्टा, फिरोज अली, रोश प्रतिमा सोरेंग, जिला उपाध्यक्ष ऑस्कर डांग, रितेश बड़ाइक, किशोर डांग, नारायण मांझी, अनस आलम सहित जिला व प्रखंड स्तर के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क हादसे में ऑटो चालक की मौत, कई यात्री घायल

लातेहार। रांची-मेदिनीनगर राष्ट्रीय उच्च पथ-75 पर सोमवार की सुबह चंदवा थाना क्षेत्र में शिवा टोली के पास एक सड़क हादसे में एक ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गयी। इस घटना में टेंपो में सवार तकरीबन आधा दर्जन लोग घायल हो गये। सभी घायलों को चंदवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। बताया जाता है कि यह दुर्घटना शिवा टोली के पास सड़क में बने एक स्पीड ब्रेकर के कारण हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार ऑटो तेज गति से आ रहा था और अचानक उस स्पीड ब्रेकर के पास अनियंत्रित हो कर पलट गया। दुर्घटना में ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गयी। मृतक की पहचान खबर लिखे जाने तक नहीं हो पायी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार ऑटो चालक सड़क पर आये अचानक गति अवरोध को देख नहीं पाया और ऑटो अनियंत्रित हो कर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। लोगों ने बताया कि इससे पहले भी यहां पर कई घटनायें हो चुकी हैं। स्थानीय लोगों ने इस स्पीड ब्रेकर को यहां से हटाने या फिर स्पीड ब्रेकर के आगे-पीछे पर्याप्त संकेतक या रिफ्लेक्टिव मार्किंग लगाने की मांग एनएचआई से की है।

मांडर में कांग्रेस की लोकसभा स्तरीय बैठक, संगठन मजबूती व आगामी चुनाव पर मंथन

नई सोच एक्सप्रेस

» संगठन में जिसको जिम्मेवारी मिला है वे ईमानदारी पूर्वक करें कार्यः के राजू
» राहुल गांधी को पीएम बनने के लिए झारखंड की सभी सीटें जितना होगाः वेला प्रसाद
» परिसीमन का विरोध करेंगे, आदिवासियों का सीट घटने नहीं देंगेः सांसद सुखदेव भगत

लोहरदगा। लोहरदगा लोकसभा स्तरीय कांग्रेस पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को मांडर के ब्रांबे में आयोजित की गई। बैठक में झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू, संगठन प्रभारी बेला प्रसाद, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत, मंत्री नेहा शिल्पी तिर्की, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, लोकसभा प्रभारी अशोक चौधरी सहित विधानसभा प्रभारी, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, सभी प्रखंड अध्यक्ष व वरिष्ठ कांग्रेसजन उपस्थित थे। बैठक में के. राजू ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी को जमीनी स्तर पर काम करना होगा। जिनको संगठन में दायित्व दिया गया है, उन्हें ईमानदारीपूर्वक कार्य करना है। जो टास्क दिया जा रहा है उसे पूरा करें। अगले 3 महीने में इसकी समीक्षा बैठक होगी। संगठन प्रभारी बेला ने कहा कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए झारखंड की सभी सीटों पर जीत सुनिश्चित करने के लिए अभी से कमर कसनी होगी। बूथ से लेकर लोकसभा स्तर तक संगठन को सक्रिय करना होगा। लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत ने कार्यकर्ताओं को संगठन की रीढ़ बताया व केंद्र सरकार पर हमला बोला। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार जो खान, खनिज विकास व विनियमन संशोधन विधेयक 2026का नया बिल जो लाई है उससे यहां के आदिवासियों को काफी नुकसान होगा। राज्य सरकार की आय पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा।"उन्होंने भूमि सर्वे में हुए गड़बड़ियों का मुद्दा भी उठाया। "जमीन सर्वे में काफी विसंगति हुई है जिससे जनता परेशान है। इसे दूर करने के लिए झारखंड सरकार को तुरंत कार्य करना चाहिए। पैसा कानून को सख्ती से लागू किया जाए।"सबसे अहम मुद्दा उठाते हुए सांसद श्री भगत ने कहा कि हम लोग झारखंड में होने वाले परिसीमन का पुरजोर विरोध करेंगे। झारखंड में परिसीमन नहीं होने देंगे। परिसीमन से आदिवासियों की सीटें घटेगा, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।"बैठक में कार्यकर्ताओं ने एकजुटता के साथ आने वाले चुनावों में कांग्रेस को मजबूत करने का संकल्प लिया। बैठक को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, मंत्री नेहा शिल्पी तिर्की, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, लोकसभा प्रभारी अशोक चौधरी, जिला अध्यक्षों ने भी संबोधित किया।

जलापूर्ति को लेकर विधायक ने माडा सचिव से की वार्ता, समाधान का दिया निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

धनबाद। सोमवार को धनबाद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में व्याप्त जलापूर्ति की समस्या को लेकर झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने माडा कार्यालय पहुंचकर माडा के सचिव प्रकाश कुमार एवं संबंधित पदाधिकारियों से मुलाकात की और क्षेत्र में पेयजल संकट के संबंध में विस्तृत वार्ता में विशेष रूप से केंदुआ, करकेंद, गोधर, गंशाडीह, केन्दुआ बाजार, केन्दुआ पॉच नंबर कठगोला, मैरीन, करकेंद पासीधौड़ा आदि क्षेत्रों में व्याप्त गंभीर पेयजल संकट सहित धनबाद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में नियमित एवं पर्याप्त जलापूर्ति नहीं होने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गर्मी एवं उमस के इस दौर में पेयजल लोगों की मूलभूत आवश्यकता है। जलापूर्ति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही से आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर वार्ड पार्षद प्रतिनिधि गोविंदा राउत, पंकज सिन्हा, राजेश गुप्ता, मनोज मालाकार, अमित सिंह, सचिव प्रकाश कुमार, पीएचईडी नगर निगम कार्यपालक अभियंता मयंक कुमार भगत, अवर प्रमण्डल पदाधिकारी कुसुंडा कृपा शंकर, अवर प्रमंडल पदाधिकारी सचिन कुमार झा, कनीय अभियंता आशुतोष राणा, जाकिर हुसैन आदि उपस्थित थे।

उपायुक्त ने कृषि एवं संबद्ध विभागों की योजनाओं की समीक्षा की, प्रॉस्पर परियोजना के तहत 100 चयनित गांवों में कार्यों में तेजी लाने का निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

गुमला। उपायुक्त दिलेश्वर महत्तो की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में कृषि, मत्स्य, उद्यान, पशुपालन, सहकारिता एवं भूमि संरक्षण विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति एवं गांव स्तर पर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, विभागीय समन्वय तथा पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान प्रॉस्पर परियोजना की भी विशेष रूप से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने परियोजना के तहत चयनित 100 गांवों में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं आजीविका संवर्धन से संबंधित कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित विभागों एवं सहयोगी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए गांव स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान वर्षापात, आच्छादन, बिरसा बीज विनिमय-वितरण योजना, बिरसा फसल विस्तार योजना, झारखंड ऋण माफी योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, किसान समृद्धि योजना, आत्मा तथा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन सहित अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने किसानों को समय पर बीज उपलब्ध कराने, वैकल्पिक खेती को बढ़ावा देने तथा कृषि योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने का निर्देश दिया। उद्यान विभाग के अंतर्गत बागवान एवं उद्यान मित्रों तथा कृषकों का प्रशिक्षण, माली प्रशिक्षण, मिर्च, प्याज, अदरक एवं हल्दी की खेती, जैविक एवं सब्जी उत्पादन, फूलों की खेती, संरक्षित फूलों की खेती, पपीता की खेती, पॉली हाउस, सब्जी पौधशाला, मशरूम उत्पादन, उद्यानिकी क्षेत्र में तकनीकी खेती तथा उन्नत पौध सामग्री से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने किसानों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप वैकल्पिक एवं लाभकारी फसलों के लिए प्रोत्साहित करने तथा प्रशिक्षण के माध्यम से उनकी क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में राष्ट्रीय बांस मिशन के अंतर्गत सरकारी एवं निजी क्षेत्र में बांस रोपण, बांस आधारित गतिविधियों तथा प्रशिक्षण एवं जागरूकता से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग के साथ ग्रामीणों के लिए अतिरिक्त आजीविका के अवसर विकसित करने पर बल दिया। मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान सभी स्त्रोतों से मत्स्य उत्पादन, जलाशयों एवं तालाबों में मत्स्य पालन, निजी तालाबों में मत्स्य पालन, पिंजरा आधारित मत्स्य पालन, बायोफ्लॉक आधारित मत्स्य पालन, मत्स्य बीज वितरण, मत्स्य बीज उत्पादकों को प्रोत्साहन, मत्स्य बीज के लिए स्पॉन की आपूर्ति, मत्स्य बीज उत्पादन, जलाशय एवं नदियों में मत्स्य बीज संचयन, मत्स्य अंगुलिकाओं का संचयन, मत्स्य पालन के लिए आवश्यक सामग्री एवं उपकरण, मत्स्य किसान समूहों एवं समितियों से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा की गई। इसके अलावा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, तालाब एवं जलाशय मत्स्य विकास तथा आजीविका आधारित मत्स्य पालन से जुड़ी योजनाओं की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने जलस्त्रोतों का बेहतर उपयोग करते हुए अधिक से अधिक जलाशयों एवं तालाबों को आजीविका एवं कृषि गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन गांवों में जलाशय, रिजर्वायर, नहर अथवा अन्य सिंचाई संरचनाएं उपलब्ध हैं, उनके पानी का उपयोग कृषि कार्यों में सुनिश्चित करने की दिशा में कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि जिस जलस्त्रोत से किसानों को सिंचाई की सुविधा दी जा सकती है, उससे संबंधित गांव को सिंचाई सुविधा से आच्छादित करने की ठोस योजना तैयार कर उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जिन जलाशयों, रिजर्वायर अथवा नहरों की स्थिति खराब है या जो बंद पड़े हैं, उनका स्थल निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मती एवं पुनर्बहाली की कार्ययोजना तैयार की जाए। मरम्मत के बाद किसानों तक पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। बैठक में जीआईएस आधारित आदर्श योजना निर्माण, जलनिधि, केएसवाई, पीडीएमसी, भूमि सुधार, एमआईडीएच सहित विभिन्न योजनाओं में विभागीय समन्वय पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही वीबी-जी रैम-जी प्रशिक्षण, अनुबंध को दो वर्ष तक विस्तारित करने तथा आगामी तीन माह के लिए कार्ययोजना तैयार कर निर्धारित समय-सीमा के अनुसार कार्यों को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए। प्रॉस्पर परियोजना के अंतर्गत गांव स्तर पर किए जा रहे कार्यों, विभिन्न विभागों से प्राप्त सहयोग तथा प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी साझा की गई। विभागीय प्रतिवेदनों के माध्यम से कृषि, उद्यान, बांस मिशन एवं मत्स्य क्षेत्र में संचालित योजनाओं एवं गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड के लाभों की जानकारी देने एवं पात्र किसानों को इससे जोड़ने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने बीज वितरण, वैकल्पिक खेती, सिंचाई सुविधा एवं प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग को ग्रामीण आजीविका से जोड़ते हुए योजनाओं के धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने को कहा। बैठक में उप विकास आयुक्त अनिमेष रंजन, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, मत्स्य विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी, प्रदान संस्था, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, डब्ल्यूओटीआर एवं विकास भारती सहित अन्य संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

पलायन करने वाले मजदूरों का पंचायत स्तर पर हो अनिवार्य निबंधन : दुखनी

नई सोच एक्सप्रेस

पूर्वी सिंहभूम। जिले के ग्रामीण इलाकों से रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों का रुख करने वाले मजदूरों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की पुत्री दुखनी सोरेन ने सोमवार को जिला श्रम अधीक्षक से मुलाकात की। उन्होंने पंचायत स्तर पर बाहर जाने वाले प्रत्येक मजदूर का अनिवार्य रूप से निबंधन कराने की व्यवस्था लागू करने की मांग की और ज्ञापन भी सौंपा।दुखनी सोरेन ने कहा कि डुमरिया, पोटका, चाकुलिया, बहरागोड़ा, घाटशिला, मुसाबनी और धालभूमगढ़ जैसे प्रखंडों से बड़ी संख्या में मजदूर काम की तलाश में दूसरे राज्यों में जाते हैं। इन मजदूरों का स्थानीय स्तर पर रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने के कारण किसी दुर्घटना या अन्य अप्रिय घटना के बाद उनके परिवारों तक सरकारी सहायता पहुंचाने में परेशानी होती है। उन्होंने सुझाव दिया कि निबंधन के दौरान मजदूर का नाम, पता, पंचायत, प्रखंड और मोबाइल नंबर के साथ परिवार के सदस्यों का विवरण भी दर्ज किया जाए। इसके अलावा वह किस राज्य और स्थान पर रोजगार के लिए जा रहा है, किस नियोक्ता या ठेकेदार के अधीन काम करेगा, इसकी जानकारी भी रिकॉर्ड में रखी जाए।दुखनी सोरेन ने कहा कि निबंधन की व्यवस्था होने से प्रशासन को पलायन करने वाले मजदूरों की वास्तविक संख्या और उनके कार्यस्थल की जानकारी मिल सकेगी। किसी मजदूर के साथ दुर्घटना, मजदूरी भुगतान में विवाद, इलाज में लापरवाही या शोषण की घटना होने पर प्रशासन तत्काल हस्तक्षेप कर सकेगा। दूसरे राज्य में किसी गंभीर घटना की स्थिति में मजदूर की पहचान करने और उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाने में भी यह रिकॉर्ड महत्वपूर्ण साबित होगा।उन्होंने कहा कि मजदूरों का दूसरे राज्यों में जाना कई बार उनकी मजबूरी होती है। ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन और व्यवस्था की जिम्मेदारी है। पंचायत स्तर पर निबंधन होने से मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के साथ उन्हें सरकारी योजनाओं और सहायता का लाभ दिलाने में भी आसानी होगी।दुखनी सोरेन ने स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि गांवों में पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराया जाए तो मजदूरों को मजबूरी में दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने मजदूर निबंधन की व्यवस्था को उनकी सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताया।

मंडलकारा में बंदी की मौत के बाद परिजनों ने किया सड़क जाम

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा। मंडलकारा चतरा में बंदी की मौत के बाद सोमवार को मृतक के परिजनों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पोस्ट ऑफिस चौक को जाम कर दिया। परिजनों ने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की।उल्लेखनीय है कि मंडल कारा में बंद टीएसपीसी उग्रवादी मंटू गंझू की शनिवार की देर रात मौत हो गई थी। मंटू पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केवाल गांव का रहने वाला था। जेल प्रशासन के अनुसार उसने फंदे से लटक कर खुदकुशी का प्रयास किया था, जिसके बाद उसे सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।मृतक के परिजनों का आरोप है कि जेल में मंटू को प्रताड़ित किया जाता था और इसी प्रताड़ना के कारण उसकी मौत हुई है। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाने तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। सड़क जाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। जाम के कारण पोस्ट ऑफिस चौक के आसपास आवागमन प्रभावित रहा। पुलिस ने परिजनों और ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया। बाद में सड़क जाम कर रहे लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया और जाम हटाया।

जमुआ में महिला ने थाने में दो आवेदन देकर यौन शोषण व प्रताड़ना के लगाए आरोप

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह। जमुआ थाना क्षेत्र की एक महिला ने अलग-अलग मामलों को लेकर थाने में दो आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। एक आवेदन में महिला ने शादी का झांसा देकर करीब छह माह तक यौन शोषण करने का आरोप लगाया है, जबकि दूसरे आवेदन में पति, सास-ससुर समेत अन्य लोगों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने, मारपीट करने और जान से मारने के प्रयास सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं। पहले आवेदन में धर्मपुर निवासी करीब 30 वर्षीय महिला ने दुम्मा गांव के बारोटांड़ टोला निवासी चन्द्रशेखर प्रसाद वर्मा पर करीब छह माह तक यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। महिला के अनुसार, 27 जून 2026 को आरोपी उसे ससुराल से बहला-फुसलाकर गिरिडीह ले गया। वहां शादी का झांसा देकर शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करवाए गए और रातभर अपने साथ रखा गया। महिला का आरोप है कि 28 जून की रात करीब 8:30 बजे उसे बारासोली में छोड़कर आरोपी फरार हो गया।दूसरे आवेदन में महिला ने अपने पति बिनोद वर्मा, सास कलावती देवी, ससुर जयनाथ महतो समेत अन्य लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आवेदन के अनुसार, पति द्वारा कथित तौर पर 1.50 लाख रुपये मायके से लाने का दबाव बनाया जा रहा था। महिला ने आरोप लगाया कि 26 जून की रात पैसे लाने से इनकार करने पर उसके साथ मारपीट की गई और गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया गया। महिला ने आगे आरोप लगाया कि 27 जून को उसे कमरे में बंद कर पति, सास और ससुर ने पैसे लाने का दबाव बनाया तथा तकिया से मुंह दबाने का प्रयास किया। इसके बाद वह अपनी बेटी के साथ मायके चली गई।आवेदन में महिला ने बताया कि 17 जुलाई को शाम करीब 4:30 बजे वह अपनी बेटी के साथ ससुराल पहुंची, जहां उसकी सास ने उसके साथ मारपीट की। महिला का आरोप है कि इस दौरान उसके नाक और कान से खून निकल आया। इसके बाद उसने कुछ लोगों पर उसके साथ मारपीट करने, जबरन अभद्र व्यवहार करने का प्रयास करने और जान से मारने की साजिश रचने का भी आरोप लगाया है। महिला के अनुसार, घटना के दौरान उसकी बेटी भी मौके पर मौजूद थी।महिला ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के दौरान उसके पास मौजूद करीब 700 रुपये और चांदी का लॉकेट ले लिया गया। किसी तरह वहां से निकलकर वह रात करीब 11:30 बजे अपने मामा के घर पहुंची।दोनों आवेदनों के माध्यम से महिला ने जमुआ पुलिस से पूरे मामले की जांच कर संबंधित लोगों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। महिला का कहना है कि वह न्याय और सुरक्षा चाहती है।

स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित किये गये पत्रकार आशीष टैगोर

नई सोच एक्सप्रेस

लातेहार। 80 वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शहर के रेलवे स्टेशन रोड में स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के वरीय पत्रकार आशीष टैगोर को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के बेहतर संयोजन व मंच संचालन के लिए उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, नगर पंचायत अध्यक्ष महेश सिंह, जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव, जिला शिक्षा पदाधिकारी गौतम कुमार साहू, अंचल अधिकारी नंद कुमार राम व प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार ने संयुक्त रूप से स्मृति चिन्हें भेंट किया। इस मौक पर उप विकास आयुक्त अहमद ने कहा कि टैगोर जिला प्रशासन के हर कार्यक्रम में अपनी सहभागिता निभाते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के चयन और पूर्वाभ्यास से ले कर आयोजन तक इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। डीइओ साहू ने अपने धन्यवाद ज्ञापन संबोधन में टैगोर के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि टैगोर का सहयोग प्रशासन को हमेशा मिलता रहा है। सम्मान पाने के बाद टैगोर ने उपायुक्त संदीप कुमार व जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सम्मान या पुरस्कार मिलने से हौसला अफजाई होती है।

संक्षिप्त समाचार

अभिषेक और जन्नत की केमिस्ट्री बनी चर्चा का विषय

पटना। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का आगामी शो द इंडियन गेम शो, भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया द्वारा होस्ट किया गया है। शो में अभिषेक और जन्नत की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री अभिनत चर्चा का विषय बनी हुई है। अभिषेक ने बताया कि दर्शक जन्नत के साथ उनकी जोड़ी को प्यार दे रहे हैं। उन्होंने मजाक में कहा, लोग पता है क्या बोल रहे हैं शाहरुख खान और काजोल की जोड़ी लग रही है, और मुझे लगता है, जन्नत और मुझे ना, मालदीव जाना चाहिए। अभिषेक की टांग खींचते हुए करण ने चुटकी लेते हुए कहा, ये गेम शो है, प्रेम शो नहीं है। दोनों के बीच चंचल मजाक ने एपिसोड में हंसी की एक और खुराक जोड़ दी और उनकी #अभिनत केमिस्ट्री चर्चा का विषय बन गई। 24 अगस्त को रात 8:00 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर भारती और हर्ष के साथ इंडियन गेम शो का प्रीमियर देखना न भूलें।

रूपसपुर थाना का एक टॉप-10 अपराधकर्मी गिरफ्तार

दानापुर। रूपसपुर थाना के टॉप-10 अपराधी नया चक पश्चिमी रामकृष्णा नगर स्थित रहने वाला तनिक उर्फ तन्नी उर्फ राधेश्याम उर्फ रोहित कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के ऊपर रुपसपुर थाना के अलावा कई थाना में संगीन धाराओं में कांड दर्ज है। जो काफी दिनों से फिरार चल रहा था। डीएसपी अजीत कुमार ने बताया कि रात्री में पुलिस को गुप्त सूचना मिली की टॉप-10 अपराधी तनिक उर्फ तन्नी उर्फ राधेश्याम उर्फ रोहित कुमार, जो गर्दनीबाग थाना अन्तर्गत गुप्ता कॉम्पलेक्स के सामने मैदान में हैं। थानाध्यक्ष रूपसपुर थाना के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

आपसी विवाद में मारपीट व गोलीबारी की घटना, एक जख्मी

दानापुर। रूपसपुर थाना क्षेत्र के डीपीएस स्कूल के पास दो युवकों के हुए विवाद में गोलीबारी होने के मामला सामने आया है। इस विवाद में एक युवक जख्मी हो गया। जिसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार दो युवक किसी बात को लेकर आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि इस दौरान गोलीबारी किए जाने की बात सामने आई। घटना में एक युवक जख्मी हो गया, जिसे इलाज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया है। रूपसपुर थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि दो युवकों के आपसी विवाद के बाद भिड़ने और गोलीबारी किये जाने की सूचना मिली थी। हालांकि युवक पिस्तौल के बट से मारने के कारण जख्मी हुआ है। घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक बदमाश को पिस्टल व गोली के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो जी मैक्स

पटना। मोबाइल टेक्नोलॉजी में ग्लोबल लीडर और भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने ऑल-न्यू मोटो जी मैक्स लॉन्च किया। यह इस सेगमेंट का सबसे कम्प्लीट स्मार्टफोन है, जिसे उन उपभोक्ताओं के लिए डिज़ाइन किया गया है जो प्रीमियम डिजाइन, असाधारण टिकाऊपन, प्रो-ग्रेड फोटोग्राफी, दमदार परफॉर्मेंस और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी लाइफ चाहते हैं। मोटोरोला इंडिया के प्रबंध निदेशक टी एम नरसिम्हन ने कहा कि मोटोरोला में हमारा मानना है कि स्मार्टफोन अब सिर्फ एक फोन नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। नए मोटो जी मैक्स में हमने शानदार डिजाइन और सैटिन फिनिश के साथ बेहतरीन कैमरा, दमदार बैटरी, तेज़ परफ़ॉरमेंस और टिकाऊपन को एक साथ शामिल किया है। फोटो खींचने और जुड़े रहने से लेकर काम, गेमिंग और मनोरंजन तक, यह फोन उन लोगों के लिए बिल्कुल सही है जो अपने स्मार्टफोन से कुछ ज्यादा की उम्मीद रखते हैं। यह स्मार्टफोन पैंटोन स्टारगेज़र, पैंटोन अलास्कन ब्लू और पैंटोन मालागा रंगों में उपलब्ध होगा जिसकी 6 जीबी प्लस 128 जीबी की कीमत 27999 रुपये है। उन्होंने बताया कि मोटो जी मैक्स की बिक्री 20 अगस्त 2026 से फ्लिपकार्ट, मोटोरोला डॉट इन और देश भर के प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर शुरू होगी।

एक्सिस मैक्स लाइफ ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में इंडीविजुअल एडजस्टेड फर्स्ट ईयर प्रीमियम में सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

पटना। मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के कंसोलिडेटेड रेवेन्यू में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून, 2026) में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। निवेश आय के बिना कंपनी का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 7,289 करोड़ रुपये रहा। समीक्षाधीन तिमाही में निवेश आय समेत कंपनी का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 14,977 करोड़ रुपये और समेकित कर पश्चात लाभ (पीएटी) 37 प्रतिशत बढ़कर 118 करोड़ रुपये रहा। एक्सिस मैक्स लाइफ के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ सुमित मदान ने कहा, 'एक्सिस मैक्स लाइफ ने वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत मजबूती के साथ की है। पहली तिमाही में इंडीविजुअल एडजस्टेड फर्स्ट ईयर प्रीमियम में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो प्राइवेट सेक्टर में हुई वृद्धि से अधिक रही। इसके चलते प्राइवेट मार्केट में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 10.1 प्रतिशत हो गई। यह प्रदर्शन हमारे डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क में अनुशासित एक्जीक्यूशन को दर्शाता है। हमें सभी चैनल्स में व्यापक बढ़ोतरी देखने को मिली, जिसमें प्रोप्रिएटरी और पार्टनरशिप चैनल्स दोनों में मजबूत दिखी। प्रोटेक्शन और रिटायरमेंट सेगमेंट पर हमारा विशेष फोकस टर्म और एन्युटी की बढ़ती हिस्सेदारी से स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। साथ ही, हम एक इंटेलीजेंस आधारित कंपनी बनने के लिए अपने डिजिटल एवं टेक ट्रांसफॉर्मेशन को तेज कर रहे हैं। कस्टमर एक्विजिशन, डिस्ट्रीब्यूशन, अंडरराइटिंग और सर्विसिंग में एआई, एनालिटिक्स और ऑटोमेशन को शामिल किया जा रहा है। इससे ग्राहकों का अनुभव बेहतर हो रहा है, प्रोडक्टिविटी बढ़ी है और डिसीजन-मेकिंग तेज हुई है। जैसे-जैसे ग्राहकों की अपेक्षाएं बदल रही हैं, हमारा ध्यान टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और मानवीय विशेषज्ञता को साथ लेकर लाभप्रद विकास, ग्राहकों से जुड़ाव को मजबूत करने और सभी संबंधित पक्षों (स्टेकहोल्डर्स) के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने पर है।' एक्सिस मैक्स लाइफ के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर अमृत सिंह ने कहा, 'वित्त वर्ष 2026-27 के पहले तीन महीनों का हमारा प्रदर्शन गुणवत्तापूर्ण विकास और अनुशासित तरीके से पूंजी प्रबंधन पर लगातार ध्यान देने को दर्शाता है। न्यू बिजनेस मार्जिन 315 आधार अंक बढ़कर 23.2 प्रतिशत हो गया। इसके परिणामस्वरूप वैल्यू ऑफ न्यू बिजनेस में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 446 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रीन्यूअल प्रीमियम में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे ग्रॉस रिटेन प्रीमियम में 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और हमारे इन-फोर्स फ्रेंचाइजी की मजबूती भी सामने आई।

अब सामने आएगी घर की सफाई वाले प्रोडक्ट्स की सच्चाई

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई। हर दिन करोड़ों भारतीय घरों में बर्तन धोने वाले लिक्विड, डिटर्जेंट और घर की देखभाल के दूसरे उत्पादों का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन अक्सर कोई यह नहीं सोचता कि इनमें क्या मिलाया गया है। आज ग्राहक खाने-पीने और स्किनकेयर उत्पादों की सामग्रियों को लेकर काफी जागरूक हो चुके हैं, लेकिन घर साफ करने वाले प्रोडक्ट्स पर उनका ध्यान बहुत कम जाता है। यह अभियान भारत में घर की सफाई को लेकर लोगों की सोच को बदलना चाहता है। ब्रांड के दावों पर आंख मूंदकर भरोसा करने के बजाय, उनके उत्पादों में असल में क्या मिलाया गया है, यह समझने के लिए #WarOnWhatsHidden अभियान ग्राहकों को सशक्त बनाता है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को अपने घरों और परिवारों के लिए अधिक सुरक्षित और सही विकल्प चुनने में मदद करना है। अभियान की शुरुआत फिल्म दो स्कूली बच्चों से शुरू होती है, जो अपनी साफ यूनिफॉर्म और इस्तेमाल किए जाने वाले डिटर्जेंट के बारे में बात कर रहे हैं। बीआईटी के कारण संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को त्वचा में जलन और एलर्जिक रिएक्शन हो सकते हैं, जबकि एलएएस त्वचा और आंखों में जलन पैदा कर सकता है। आदित्य रुइया, को-फाउंडर, बिको ने कहा,"दशकों से हमें यही सिखाया गया है कि 'सफाई' का मतलब सिर्फ खुशबू, झाग और विज्ञापनों के बड़े-बड़े दावे हैं। हमें कभी भी यह सोचने के लिए प्रेरित नहीं किया गया कि इन उत्पादों के पीछे असली सच्चाई क्या है। आज हम इस बात को लेकर काफी सतर्क हो गए हैं कि हम क्या खा रहे हैं या अपनी त्वचा पर क्या लगा रहे हैं, लेकिन अपने घरों को साफ करने के लिए इस्तेमाल होने वाले उत्पाद पर हमारा ध्यान शायद ही कभी जाता है। बिको में, हम अपनी होम-केयर रेंज को बिना बीआईटी और एलएएस केमिकल्स को तैयार करते हैं। हमारा मानना है कि ग्राहकों को यह जानने का पूरा अधिकार है कि वे जिन चीजों से अपना घर साफ कर रहे हैं, उनमें क्या मिलाया गया है, ताकि वे खुद सही फैसला ले सकें। अपने #WarOnWhatsHidden अभियान के जरिए हम इसी सोच को बदलना चाहते हैं। हम डर फैलाकर नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जागरूकता और सही जानकारी देकर ग्राहकों को सशक्त बनाना चाहते हैं ताकि वे अपने घरों के लिए सोच-समझकर सही प्रोडक्ट्स चुन सकें। हमें उम्मीद है कि यह अभियान देश भर के ग्राहकों की आंखें खोलने वाला साबित होगा, और उन्हें अपने घरों में आने वाले उत्पादों को लेकर सही सवाल पूछने और स्पष्टता मांगने के लिए प्रेरित करेगा।"

टिकुली कला कार्यशाला का आयोजित ,लोककला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

बिहटा (पटना) । टिकुली कला को बढ़ावा देने एवं ग्रामीण लोककला, संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने के उद्देश्य से जय हिन्द सीएलएफ के प्रांगण, मचहलपुर, लई, बिहटा, पटना में टिकुली कला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में प्रियंका कुमारी (सभापति, नगर परिषद, बिहटा), अजातशत्रु (संस्थापक, एमजी सोशल केयर फाउंडेशन), अमित कुमार सिंह (जिला समन्वयक, एमजी सोशल केयर फाउंडेशन), निराला जी (जीविका, बिहटा) सागरिका वत्स(ट्रेनर) एवं बबलु कुमार (प्रखण्ड समन्वयक, बिहटा) सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रियंका कुमारी ने कहा कि टिकुली कला बिहार की समृद्ध लोककला एवं सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस कला के माध्यम से देवी-देवताओं के चित्र, ग्रामीण जीवन, लोककथाएं, शादियां, त्योहार तथा रामायण और कृष्ण लीला के विभिन्न प्रसंगों को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्यशालाओं के माध्यम से पारंपरिक कला को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ-साथ स्थानीय कलाकारों और महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। अजातशत्रु ने कहा कि टिकुली कला जैसी पारंपरिक कलाओं को संरक्षित करने के लिए निरंतर प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन आवश्यक है। वहीं अमित कुमार सिंह ने कहा कि कला एवं संस्कृति से जुड़े ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का बेहतर मंच प्रदान करते हैं। कार्यशाला में प्रतिभागियों को टिकुली कला की बारीकियों, पारंपरिक चित्रांकन एवं विभिन्न विषयों को कलात्मक रूप देने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने बिहार की पारंपरिक कला एवं सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य टिकुली कला के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के साथ स्थानीय स्तर पर कला आधारित आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देना रहा।

गोडेश्वर मंदिर में आस्था का उमड़ा सैलाब, सावन के तीसरे सोमवार व नाग पंचमी पर भव्य रुद्राभिषेक और विशाल भंडारे में जुटे हजारों श्रद्धालु

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी। वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडिए)परिसर स्थित अति प्राचीन गोडेश्वर मंदिर में सावन माह के पावन तीसरे सोमवार एवं नाग पंचमी के शुभ अवसर पर भव्य रुद्राभिषेक तथा विशाल भंडारे का भव्य आयोजन श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ | इस धार्मिक अनुष्ठान में हजारों श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर बाबा भोलेनाथ का दर्शन-पूजन किया और महाप्रसाद ग्रहण किया | विशिष्ट अतिथियों एवं अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति इस पावन अवसर पर वाराणसी विकास प्राधिकरण के सचिव,अपर सचिव,वित्त नियंत्रक सहित वीडिए के समस्त सहायक अभियंता,अवर अभियंता एवं कर्मचारीगण विशेष रूप से उपस्थित रहे |सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने पूजा -अर्चना कर देश व प्रदेश की समृद्धि की कामना की तथा भक्तिभाव से महाप्रसाद ग्रहण किया | कुशल नेतृत्व व विशेष आभार कार्यक्रम का सफल संयोजन एवं अध्यक्षता राज किशोर सिंह एवं अनिरुद्ध पांडेय (अध्यक्ष) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया | समारोह के सफल संचालन पर आयोजकों ने कहा कि बाबा भोलेनाथ की असीम कृपा से ही यह विशाल आयोजन निर्विघ्न संपन्न हो सका | इस पूरे आयोजन का विशेष श्रेय अनुज भ्राता आयुष द्विवेदी एवं चंदन शुक्ला को जाता है जिनके अथक प्रयासों और सेवाभाव से यह धार्मिक अनुष्ठान भव्य रूप ले सका ||

महंत राजू नाथ चंदेल सांसद भोला सिंह को राष्ट्रीय मंत्री बनाए जाने पर शुभकामना देने पहुंचे

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा की राष्ट्रीय महामंत्री डॉ भोला सिंह को आज पार्टी शीर्ष नेतृत्व ने राष्ट्रीय मंत्री के पद पर मनोनीत किया जिसको लेकर अनुसूचित जाति समाज के देश भर के लोगों में खुशियों की लहर दौड़ पड़ी इस मौके पर भाजपा वरिष्ठ नेता रूपेश मेहरा, महंत गुरुजी राजू नाथ चंदेल सहित अनेकों लोग भारी संख्या में उपस्थित थे इस मौके पर महंत गुरुजी राजू नाथ चंदेल ने नवनियुक्त राष्ट्रीय मंत्री डॉ भोला सिंह को भगवान वाल्मीकि की पवित्र माला पहना हुए और अंग वस्त्र भेंट करते हुए मुबारकबाद देते हुए कहा कि आज हमारी खुशी का कोई ठिकाना नहीं है क्योंकि हमारे तेजस्वी ओजस्वी प्रतापी और समाज के चहेते भाई डॉक्टर भोला सिंह को जो सम्मान भारतीय जनता पार्टी केंद्र में बैठी मोदी सरकार ने दिया है उस सम्मान से अनुसूचित समाज का गौरव और अधिक बढा है हमारा अनुसूचित जमा समाज सदैव भारतीय जनता पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और खड़ा रहेगा इस मौके पर रूपेश मेहरा ने कहा कि आज हमारी खुशी का कोई ठिकाना नहीं है हमारे समाज के सबसे बड़े नेता डॉक्टर भोला सिंह को इस पद पर मनोनीत जाने पर अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का दिल की गहराई से आभार व्यक्त करते हैं

» भोला सिंह को राष्ट्रीय मंत्री बनाए जाने पर देश भर से शुभकामना देने वालों का दिन भर ताता लग रहा

वाराणसी फर्नीचर एवं फर्निशिंग व्यापार मंडल ने धूमधाम से मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस,अध्यक्ष अजय गुप्ता ने किया ध्वजारोहण

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वाराणसी फर्नीचर एवं फर्निशिंग व्यापार मंडल द्वारा आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ | कार्यक्रम में व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया | वाराणसी के कोने-कोने से सैकड़ों फर्नीचर एवं फर्निशिंग व्यापारियों ने इस आयोजन में भाग लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया | कार्यक्रम का मार्गदर्शन व्यापार मंडल के संरक्षकों राजेश अग्रवाल,नरेंद्र गर्ग तथा डॉ.यादवेंद्र सिंह के नेतृत्व में हुआ | महानगर उद्योग व्यापार समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी नारायण खेमका,अशोक जायसवाल, रजनीश कनौजिया,राजन जायसवाल एवं सोमनाथ विश्वकर्मा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और व्यापारियों का उत्साहवर्धन किया |संगठन के पदाधिकारियों में महामंत्री रमेश यादव,कोषाध्यक्ष दिलीप गुप्ता "गुड्डू", उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार जायसवाल "सनी" तथा प्रभारी प्रकाश सोनेजा,राजकुमार यादव,उपेंद्र कुमार, तनवीर सिद्दीकी,अमीन खान एवं राजकुमार शामिल रहे | इस अवसर पर उपस्थित सम्मानित व्यापारियों में ओमप्रकाश,सुभाष, जयप्रकाश जायसवाल,प्रभात गुप्ता, दीपक जायसवाल,प्रहलाद यादव,सतीश पटेल,रितेश पांडे,हाजी सुग्गन,धनेश विश्वकर्मा,सुनील यादव,आनंद पटेल तथा वाराणसी के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे सैकड़ों सम्मानित व्यापारी बंधु मौजूद रहे | कार्यक्रम का सफल संचालन महामंत्री रमेश यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार जायसवाल "सनी" ने प्रस्तुत किया | अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि सभी के सहयोग और उपस्थिति से यह कार्यक्रम सफल बन सका | समस्त वाराणसी फर्नीचर एवं फर्निशिंग व्यापार मंडल की ओर से सभी को हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ||

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रैली निकाल कर दिया देशभक्ति का संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

लातेहार। 80 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहर के लोटस वैली स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने शहर में देशभक्ति रैली निकाल कर लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावनाओं का संचार किया। विद्यालय के करीब 40 बच्चों ने इस रैली में भाग लिया। रैली विद्यालय परिसर से प्रारंभ हो कर कारगिल पार्क तक गयी। इस दौरान में बच्चों ने देशभक्ति के नारे लगा कर राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का लोगों को संदेश दिया। उन्होने बिरसा मुंडा, शहीद भगत सिंह, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, रानी लक्ष्मीबाई और भारता माता समेत देश के अन्य वीर शहीद एवं विभूतियों के चरित्रों का सजीव रूप प्रस्तुत कर उनके त्याग और साहस को नमन किया। बच्चों की इस प्रस्तुति ने लोगों में देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की। रैली में विद्यालय की शिक्षिका साक्षी, सोनी, कल्पना, अनीषा, सफीना, पल्लवी, वर्षा एवं नूपुर के अलावा शिक्षक दीपक व विद्यालय के अन्य सहयोगी शामिल थे।

मॉडल स्कूल उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज में हर्षोल्लास व गरिमा के साथ मना स्वतंत्रता दिवस

नई सोच एक्सप्रेस

मढ़ौरा। मढ़ौरा स्थित मॉडल स्कूल उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज में भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय पर्व को लेकर विद्यालय परिसर में सुबह से ही उत्साह और देशभक्ति का माहौल रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाध्यापक सतीश कुमार राय द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। इसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाकर राष्ट्र के प्रति सम्मान एवं श्रद्धा व्यक्त की। समारोह में अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस अधिकारी मढ़ौरा की विशेष उपस्थिति रही। साथ ही भूमि सुधार उप समाहर्ता, मढ़ौरा, प्रखंड विकास पदाधिकारी, मढ़ौरा, नगर पंचायत मढ़ौरा की मुख्य पार्षद (चेयरपर्सन) एवं जिला परिषद सदस्या विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। क्षेत्र के अभिभावकों, पत्रकारों, शिक्षाविदों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा बढ़ाई। अतिथियों ने विद्यालय प्रशासन को भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। समारोह में विद्यालय के हजारों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक एवं अनुशासनबद्ध तरीके से भाग लिया। वहीं विद्यालय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रधानाध्यापक सतीश कुमार राय द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक अरविंद कुमार उपाध्याय, अनिल कुमार सिंह, अनिल कुमार, नौशाद आलम, गजेंद्र शर्मा, मिथिलेश कुमार राय, गौरव सिन्हा, मोहम्मद शमीम, डॉ. पंकज कुमार भारती, रविकांत कुमार, अमर कुमार, ब्रह्मानंद तिवारी, राहुल कुमार सिंह एवं प्रदीप कुमार सहित विद्यालय की शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी ने कार्यक्रम की तैयारी से लेकर उसके सफल संचालन तक अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, पत्रकारों, शिक्षाविदों एवं गणमान्य नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। तत्पश्चात उपस्थित सभी लोगों के बीच मिष्ठान वितरित कर समारोह का समापन किया गया। समारोह ने विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत किया।

सीए वैभव महरोत्रा के नेतृत्व में आईसीएआई वाराणसी शाखा में धूमधाम से मना 80वां स्वतंत्रता दिवस,शहीदों को नमन कर राष्ट्रहित में कर्तव्य पालन का लिया संकल्प

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी। दी इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया की वाराणसी शाखा में 15 अगस्त 2026 शनिवार को 80वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया जिसमे शाखा के वर्तमान पदाधिकारीयों तथा सीए सदस्यों द्वारा ध्वजारोहण किया गया और आजादी के शहीदों को याद कर उन्हें नमन किया गया | कार्यक्रम का शुभारम्भ शाखा अध्यक्ष सीए वैभव महरोत्रा ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन शाखा सचिव सीए रंजीत कुमार पांडेय ने किया | इस अवसर पर सदस्यों ने देश की आज़ादी को अछुण्ण रखने के लिए अपने अधिकारों से अवगत होने के साथ ही अपने कर्तव्यों का जागरूकता से अनुपालन करने का संकल्प लिया और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का तन मन धन से पालन करने के उद्धरणों को बताते हुए आगे भी देश के विकास में सदैव सहयोग करने का संकल्प लिया जिससे सही मायनो में एक विकसित राष्ट्र बन सके | इस अवसर पर शाखा सदस्यों द्वारा महिला सुरक्षा के प्रति समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता लाने के लिए जरूरी प्रयास किए जाने पर चर्चा की गयी | इसके उपरांत बाबा कशी विश्वनाथ की अनुकम्पा से शाखा परिसर में रुद्रा अभिषेक का भी कार्यक्रम किया गया | कार्यक्रम में शाखा के वरिष्ठ सीए श्री नायरायण खेमका एवं शाखा उपाध्याय सीए विकास द्विवेदी एवं सिकासा एवं कोषाअध्यक्ष सीए नमन कपूर, कार्यकारणी सदस्य सीए श्रीप्रकाश पांडेय, सीए नीरज कुमार सिंह एवं पूर्व अध्यक्ष सीए विजय प्रकाश,सीए शिशिर उपाध्याय एवं सीए अलोक शिवाजी सीए सुकान्त रॉय,सीए जमुना शुक्ला,सीए राजीव कुमार सिंह,सीए मोहित यादव,सीए प्रेम प्रकाश सिंह,सीए स्वास्तिक गुप्ता,सीए मयूख दवे,सीए गुरप्रीत सिंह,सीए धन्यजय ओझा,सीए नितिन अग्रवाल,सीए गौरव श्रीवास्त्व,सीए अमित कुमार विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित रहे ||

सावन में जरूर चखें इन शहरों के मशहूर घेवर का स्वाद

मलाई से लेकर रबड़ी तक सब है खास

सावन में घेवर की डिमांड सबसे ज्यादा बढ़ जाती है। अगर आप मीठा खाने की शौकीन हैं, तो कुछ शहरों के घेवर आपको जरूर ट्राई करने चाहिए।

सावन आते ही चारों तरफ हरियाली छा जाती है। त्योहारों की रौनक बढ़ जाती है। इस मौसम में सबसे ज्यादा चर्चा झूले, तीज, रक्षाबंधन और भगवान शिव की पूजा की तो होती ही है, साथ ही एक मिठाई भी सबसे ज्यादा चर्चा में रहती है और उसका नाम घेवर है। गोल डिजाइन, जालीदार बनावट और ऊपर से रबड़ी, मावा या मलाई की लेयर वाला घेवर देखते ही मुंह में पानी आ जाता है। वैसे तो घेवर को राजस्थान की पहचान माना जाता है, लेकिन अब देश के कई शहरों में अलग-अलग अंदाज में स्वादिष्ट घेवर मिलता है। सावन और तीज के मौके पर इसकी ज्यादा डिमांड रहती है। ऐसे में अगर आप भी स्वादिष्ट घेवर खाना चाहती हैं, तो इन शहरों का मशहूर घेवर जरूर चखें। हर शहर के घेवर का स्वाद और बनाने का तरीका थोड़ा अलग होता है।

जयपुर (राजस्थान) – घेवर का नाम आते ही सबसे पहले जयपुर की याद आ जाती है। माना जाता है कि घेवर की शुरुआत राजस्थान के शाही रसोईघरों से हुई थी। आज भी जयपुर का घेवर पूरे देश में सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। यहां आपको सादा घेवर, मावा घेवर, केसर घेवर और रबड़ी घेवर जैसी कई वैरायटी मिल जाएंगी। सावन और तीज के समय यहां की मिठाई की दुकानों पर लंबी लाइनें लगी रहती हैं।

दिल्ली – दिल्ली में भी सावन के दौरान घेवर की बिक्री खूब होती है। खासकर पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक, बंगाली मार्केट और गुरुद्वारा बंगला साहिब मार्ग के आसपास कई पुरानी मिठाई की दुकानें खूब स्वादिष्ट घेवर बनाती हैं। यहां रबड़ी और मलाई से सजा हुआ घेवर लोगों को सबसे ज्यादा पसंद आता है।

समालखा, पानीपत (हरियाणा) – हरियाणा के पानीपत जिले का समालखा भी अपने घेवर के लिए काफी मशहूर है। सावन और रक्षाबंधन के समय यहां दूर-दूर से लोग घेवर खरीदने के लिए आते हैं। यहां पारंपरिक तरीके से बने घेवर के साथ मावा और रबड़ी वाले घेवर भी खूब पसंद किए जाते हैं।

अहमदाबाद (गुजरात) – गुजरात में भी पिछले कुछ सालों में घेवर काफी पॉपुलर हुआ है। खासकर अहमदाबाद में तीज और रक्षाबंधन के समय मिठाई की दुकानों पर कई तरह के घेवर मिलते हैं। यहां पारंपरिक घेवर के साथ चॉकलेट और ड्राई फ्रूट वाले घेवर भी पसंद किए जाते हैं। यहां के घेवर काफी बड़े होते हैं और यह जंबो मलाई और पारंपरिक राजस्थानी स्वाद के लिए जाने जाते हैं।

इंदौर (मध्य प्रदेश) – ये तो आप सभी जानती हैं कि इंदौर अपने खानपान के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां सावन में कई वैरायटी में घेवर बनाई जाती हैं। रबड़ी, मावा और केसर घेवर तो लोगों को खूब पसंद आते हैं।

सावन में घेवर का इतना महत्व क्यों है

राजस्थान, हरियाणा और उत्तर भारत के कई हिस्सों में तीज और रक्षाबंधन जैसे त्योहारों पर घेवर खाने और उपहार में देने की परंपरा काफी पुरानी है। खासकर तीज पर मायके से बेटियों और बहनों के लिए जो सिंजारा भेजा जाता है, उसमें घेवर भी शामिल किया जाता है। यही वजह है कि सावन शुरू होते ही बाजारों में इसकी मांग तेजी से बढ़ जाती है।

घेवर खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

घेवर खाने में बहुत ही स्वादिष्ट लगता है, लेकिन जब आप इसे खरीदें तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। जैसे-

- हमेशा ताजा बना हुआ घेवर ही खरीदें।
- अगर रबड़ी या मलाई वाला घेवर ले रही हैं, तो उसे फ्रिज में रखें।
- ज्यादा समय तक बाहर रखने से इसकी क्वालिटी खराब हो सकती है।
- हमेशा भरोसेमंद दुकानों से ही घेवर खरीदें क्योंकि इस दौरान मिलावट भी बढ़ जाती है।

घर में लगाएं ये पौधे नहीं होंगे मच्छर

अक्सर घर को डेकोर करने के लिए कई तरह के पौधे लगाएं जाते हैं लेकिन कई बार इसलिए भी नहीं लगाते हैं क्योंकि मच्छर होने लगते हैं। हालांकि घर में पौधे लगाने से ताजगी बनी रहती है। फ्रेश ऑक्सीजन का प्रभाव घर में होता है। घर में भी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। लेकिन सिर्फ मच्छर की वजह से घर में पौधे नहीं लगाना उचित नहीं है। तो आइए जानते हैं कि आप घर में किस तरह के पौधे लगा सकते हैं जिससे मच्छर नहीं होंगे-

- **नीम**- इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों से विभिन्न प्रकार के कीड़ें भाग जाते हैं। इसलिए आप इसे लगा सकते हैं। घर पर इसे लगाते हैं तो कई सारे फायदे भी आपको मिलते रहेंगे।
- **मिंट**- मिंट की खूशबू ही बहुत अच्छी होती है। इसमें मौजूद गुण मच्छरों और मक्खियों को दूर भगाते हैं। इस पौधे को आप घर में कहीं भी लगा सकते हैं। इसकी खूशबू से ताजगी बनी रहती है।
- **यूक्लेप्टस**- इसमें मौजूद तत्व कई मच्छर, मक्खी और कीड़ों के दुश्मन है। इसलिए आप यह पेड़ आसानी से लगा सकती है।
- **लेमन ग्रास**- इस पौधे में मौजूद गुण सिस्ट्रोनेला ग्रास की नस्ल की तरह है। इससे यह पौधा मच्छर भगाने में मदद करता है। साथ ही इसका उपयोग खाने में और चाय बनाने में भी किया जाता है। जी हां, इसकी चाय पीना काफी पसंद करते हैं।
- **तुलसी**- तुलसी का पौधा आंगन में लगाया जाता है। यह घर की समृद्धि में अहम है तो मनुष्य के स्वास्थ्य में लाभदायक। इसमें मौजूद प्राकृतिक गुण मच्छरों को दूर भगाता है। इतना ही नहीं इसकी खूशबू से चींटिया और छोटे-मोटे कीड़ें भी आसपास नहीं आते हैं।

नए रिश्ते की शुरूआत में गलतफहमियों से बचें

जब एक जोड़ा शादी के बंधन में बंधता है तो उसके मन में एक अजीब सा उत्साह होता है। अपने नए रिश्ते और जीवन में आए बदलाव को लेकर बहुत सी खुशियां व सपने उसकी आंखों में होते हैं। इतना ही नहीं, अपने पार्टनर को लेकर एक छवि पहले से ही उनके मन में होती है। लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि इसी अति उत्साह के चलते वह कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे उनके रिश्ते पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

कभी-कभी तो यही गलतियां उनके रिश्ते की शुरूआत में ही उनके बीच समस्या पैदा कर देती हैं। जिसकी भरपाई बाद में भी कर पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। अगर नए रिश्ते की शुरूआत में ही गलतफहमियां या खटास आ जाए तो ऐसे में ताउम्र उनके बीच खींच-तान बनी रहती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें किसी भी कपल को शादी के बाद शुरूआती दिनों में करने से बचना चाहिए-

परफेक्शन की चाहत रखना

हो सकता है कि आपको हर काम सलीके से करने की आदत हो या फिर आप एक आर्गेनाइज्ड जीवन जीना पसंद करते हों। लेकिन आपके पार्टनर का भी स्वभाव ऐसा ही हो, यह जरूरी नहीं है। आपको यह समझना होगा कि आपके और आपके पार्टनर दोनों अलग माहौल में पले-बढ़े हैं और दोनों का स्वभाव अलग है। इसलिए, शादी के तुरंत बाद ही अपने पार्टनर से परफेक्शन की चाहत रखना या फिर उसे अपने ही सांचे में ढालने का प्रयास करना आपके बीच तनाव पैदा कर सकता है। बेहतर होगा कि आप दोनों ही पहले एक-दूसरे के स्वभाव, आदतों व रहन-सहन को समझें और फिर उसके बाद तालमेल बिठाने का प्रयास करें।

जरूरत से ज्यादा उम्मीदें करना

यह भी एक ऐसी मिसटेक है, जो शादी के बाद कपल्स में देखी जाती है। दरअसल, कपल्स की शादी के बाद अपने पार्टनर से उम्मीदें काफी हद तक बढ़ जाती हैं। वह सोचते हैं कि पार्टनर हर दिन उन्हें बाहर लेकर जाएगा या फिर वह ढेर सारा वक्त साथ बिताएंगे या फिर उनका पार्टनर उन्हें तरह-तरह के तोहफे देगा। हालांकि, किसी भी व्यक्ति के लिए हर दिन ऐसा करना संभव नहीं होता है, जिससे समस्या होती है। वहीं, अगर कोई व्यक्ति अपने पार्टनर के लिए ऐसा करता भी है, तो भी बाद में उनके रिश्ते में खटास आ जाती है। दरअसल, एक समय के बाद व्यक्ति अपने रोजमर्रा की लाइफ जीने लगता है और फिर पार्टनर को उतना पैम्पर नहीं कर पाता है, जिससे उनके बीच झगड़े बढ़ते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि शादी के शुरूआती दिनों में ही आप अपनी फाइनेंशियल कंडीशन से लेकर काम की व्यस्तताओं और स्वभाव के बारे में अपने पार्टनर से चर्चा करें।

परिवार के बीच बैलेंस ना कर पाना

अक्सर यह देखने में आता है कि व्यक्ति शादी के बाद भी पहले की तरह ही अपना जीवन बिताने की कोशिश करता है, जिससे उसके पार्टनर को उपेक्षित महसूस होता है और संबंधों में खटास महसूस होती है। यहां आपको यह समझना चाहिए कि एक सिंगल व्यक्ति के रूप में और कपल के रूप में आपकी प्राथमिकताएं अलग होती है। आपको शादी के बाद अपने परिवार व पार्टनर के बीच बैलेंस करना बेहद आवश्यक है। इस समय आपकी पहली प्राथमिकता आपका जीवनसाथी और नया जीवन है जिसे आपको अभी संवारना है। हालांकि, यहां इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आप अपने परिवार को बिल्कुल अनेदखा कर दें। बस आपको अपने पार्टनर को कुछ वक्त अलग से देने की आवश्यकता होगी, जो सिर्फ आप दोनों के लिए ही हो।

पुरानी मैगजीन की मदद से किचन की सजावट के लिए बनाएं ये चीजें

आजकल लोग अपने घर में ओपन किचन थीम रखना पसंद करते है। इससे आपके हॉल में बैठा गेस्ट आपके किचन को देख सकता है। अगर आप भी अपने किचन की सजावट करना चाहती हैं तो आपको हम बताएंगे कि आप कैसे पुरानी मैगजीन की सहायता से अपने किचन की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

वॉल डेकोर

कीचन की सजावट करने के लिए आपको सबसे पहले किचन के वॉल को सजाना होगा। अगर आपका वॉल डेकोर नहीं होगा तो यह आपके घर के लुक को फीका कर सकता है। ऐसे में आपको पुराने कार्ड बोर्ड की जरूरत होगी और ग्लू की भी। आपको मैगजीन से तीन स्क्वायर शेप का पेपर कट करना होगा। इसे पुराने कार्ड बोर्ड पर चिपका देना है। अब आप इसे अपने कीचन के वॉलपेपर हैंग कर सकते हैं। इससे आपके कीचन का वॉल खराब भी नहीं होगा और यह देखने में खूबसूरत भी लगेगा।

वॉल पर करें पेंटिंग

अगर आपको पेंटिंग करने का शोक है तो आपको अपने घर के वॉल पर पेंटिंग करना चाहिए। जी हां, आप वाटर कलर की मदद से अपने कीचन के दीवार पर कुछ खास पीने का चित्र तैयार कर सकती हैं। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है। वाटर कलर की मदद से आपको कुछ फल या सब्जी का फोटो बना दे। इसके बाद आपको मिरर फ्रेम तैयार करना चाहिए। इसके लिए आपको पुराना फ्रेम लेना है और उसमें मैगजीन को काटकर फोटो की तरह लगा देना है। साइज का ध्यान जरूर रखें। इसके बाद आपका वॉल बनकर तैयार हो गया है।

वॉल डेकोर के लिए फूल बनाएं

अगर आपको एक्स्ट्रा एक्टिविटी करना है तो आपको अपने वॉल डेकोर के लिए दीवार पर फूल बनाना होगा। यह देखने में खूबसूरत लगता है और इसे आप चाहे तो पुरानी मैगजीन की मदद से बना सकती है। इसे बनाना काफी आसान है। इसके लिए आपको कुछ मैगजीन के पन्ने को काटना होगा। फिर इसकी मदद से आपको फूल बनाना होगा। इसे अलग- अलग जगह आप ग्लू की मदद से चिपका सकती हैं। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है।

दूसरों से बात करने में होती है हिचकिचाहट तो अपनाएं ये टिप्स

आज के दौर में बहुत ज्यादा हिचकिचाहट निजी लाइफ और करियर के लिए गंभीर समस्या है, जब हम किसी से भी बातचीत करते हैं और बोलते समय हिचकिचाते हैं, तो हमारी इमेज खराब होने का डर रहता है और हम अपना आत्मविश्वास खो देते हैं। साथ ही, सबसे पहले हमें समझना होगा कि हिचकिचाहट क्या होती है? जब हम किसी से बात करते हैं और उनके सवालों का जवाब जानते हुए भी जवाब नहीं दे पाते हैं या गलत जवाब के डर से चुपचाप रहते हैं तो उसे हिचकिचाहट कहते हैं। ये समस्या कई लोगों में होती है, जिसका नतीजा होता है कि हमारे हक की चीजें किसी दूसरे को मिल जाती हैं और हम सोच-सोचकर परेशान होते रहते हैं कि क्या करना चाहिए। अगर आपको भी दूसरों से बोलने में हिचकिचाहट होती है तो घबराएं नहीं, हम आपके के लिए इस आर्टिकल कुछ ऐसे टिप्स लाएं है, जिसको फॉलो कर आप अपनी समस्या को दूर कर पाएंगे।

खुद पर करें विश्वास

हिचकिचाहट को दूर करने के लिए सबसे जरूरी है कि खुद पर विश्वास करना। अगर आपको किसी से बात करने की जरूरत है तो आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि आप कैसे बात करेंगा? जवाब में क्या आएगा और वो आपके बारे में क्या सोचेंगे? आपको अपने आप पर विश्वास रखना चाहिए और डर पर काबू पाकर खुद को भरोसा दिलाएं कि आप अपनी बात दूसरों के सामने अच्छी तरीके से रख पाएंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास बना रहेगा।

जानकारी प्राप्त करें

जब हम किसी से बात करते हैं तो हिचकिचाहट सबसे ज्यादा उस समय पैदा होती है, जब बातचीत के दौरान हमारे पास उस विषय के बारे में जानकारी की कमी होती है। इसलिए अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए ज्यादा से ज्यादा किताबें पढ़नी चाहिए। याद रखें कि जिस भी विषय पर आप बात करने वाले हैं, उस पर ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटा लें, जिससे आपको अपनी बात रखने में हिचकिचाहट नहीं होगी।

हमेशा प्रैक्टिस करें

हर काम को सही तरीके करने के लिए प्रैक्टिस बहुत जरूरी होती है, जिससे आपका हुनर निखरता है। इसी तरह हिचकिचाहट को दूर करने के लिए बोलने की प्रैक्टिस करना बहुत जरूरी है, लेकिन सवाल उठता है कि इस भागदौड़ वाली जिंदगी में किस के साथ बातचीत करें? तो आप शीशे के सामने खड़े होकर सोचें की शीशे के सामने कोई खड़ा है और ज्यादा से ज्यादा रोज बोलने की प्रैक्टिस कर सकते हैं। जिससे आपको कुछ दिनों में महसूस होगा कि आप अपनी बात दूसरे के सामने आसानी से रख पा रहे हैं।

चेहरे पर मुस्कान रखें

चेहरे पर मुस्कान रखना जीवन शैली में जरूरी है, क्योंकि इसका असर हमारी बातचीत पर पड़ता है। अगर आप किसी से बातचीत कर रहे हैं तो चेहरे पर मुस्कान रखें। जिससे आप बिना हिचकिचाहट के आसानी से बात कंप्लीट कर लेंगे। चेहरे पर मुस्कान से मानसिक तनाव कम होने के साथ-साथ आपके अंदर बोलने का आत्मविश्वास बढ़ता है।

पॉजिटिव सोच

पॉजिटिव सोचना जीवन में बहुत जरूरी होता है, क्योंकि पॉजिटिव सोचने से आत्मविश्वास बढ़ता है, यही कारण है कि आप धीरे-धीरे खुद बात करने में माहिर होने लगते हैं। अगर आप पॉजिटिव सोच रखते है तो आपको नर्वस फील नहीं होगा और बिना हिचकिचाहट के दूसरे के आसानी के बात रख सकते हैं। और आप खुद में बदलाव देखेंगे कि किसी सोशल मौके पर आपको घबराहट नहीं हो रही है। अगर आपको बोलते समय हिचकिचाहट होती है तो ये टिप्स को फॉलो करने की कोशिश करें और अगर फिर भी समस्या होती है तो किसी एक्सपर्ट से बात जरूर करें।

एक्टिंग के बाद अब सिंगिंग में जलवा बिखेरेंगी शाजान पद्मसी, 'रातां कालियां' से कर रही हैं डेब्यू

एक्टर के तौर पर लोगों का दिल जीतने के बाद, शाजान पद्मसी अब अपने पहले सिंगल के साथ एक नई म्यूजिक़ल जर्नी की शुरुआत कर रही हैं। शाजान पद्मसी अब अपनी आर्टिस्ट्री का एक बिल्कुल नया पहलू एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हैं। अपने पहले सिंगल रातां कालियां के साथ वह बतौर सिंगर डेब्यू कर रही हैं। स्क्रीन पर अपनी पहचान बनाने के बाद, शज़ान अब माइक्रोफोन के पीछे अपनी आवाज़ का जादू बिखेरने जा रही हैं और यह उनकी क्रिएटिव जर्नी का एक नया चैप्टर है। म्यूजिक़ हमेशा से ही शाजान की जिंदगी का अहम हिस्सा रहा है।

बहुत कम उम्र में बोर्डिंग स्कूल जाने के कारण उन्होंने परिवार से जुड़े रहने के लिए लेटर्स लिखना शुरू किया। इसी दौरान उन्होंने कम उम्र में ही अपने इमोशन्स को एक्सप्रेस करना सीखा। इकलौती संतान होने की वजह से म्यूजिक़ भी उनके लिए एक तरह की थेरेपी बन गया। दो मशहूर हस्तियों की बेटी होने के कारण शाजान का बचपन बेहद क्रिएटिव माहौल में बीता। उनकी मां भारत की पहली पॉप स्टार्स में से एक रही हैं। घर में अक्सर प्लेज़ और म्यूजिक़ल्स की रिहर्सल्स होती रहती थीं और एक्टर्स व सिंगर्स का आना-जाना लगा रहता था। टीनएज में शाजान की दिलचस्पी हाउस म्यूजिक़ में बढ़ी। उन्होंने डाफ्ट पंक, मोड्जो और बॉब सिंक्लर जैसे आर्टिस्ट्स से इंस्पिरेशन ली। साथ ही रेडियोहेड, द कार्डिगन्स और नताली इम्ब्रूलिया जैसे आर्टिस्ट्स के जरिए अल्टरनेटिव पॉप को भी एक्सप्लोर किया। उन्होंने हॉबी के तौर पर म्यूजिक़ प्रोडक्शन सीखा और खुद से पियानो बजाना भी सीखा। हालांकि, बड़ी होने के साथ उन्होंने मॉडलिंग और एक्टिंग पर फोकस करने के लिए अपने म्यूजिक़ पैशन को कुछ समय के लिए रोक दिया और कई पॉपुलर बॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा बनीं। म्यूजिक़ में वापसी को लेकर शाजान पद्मसी ने कहा, मैंने एक्टिंग को नहीं चुना, बल्कि एक्टिंग ने मुझे चुना। 22 साल की उम्र में किसी के लिए भी यह एक सपने के सच होने जैसा था, लेकिन मेरे अंदर कहीं गहराई में म्यूजिक़ की तरफ एक स्ट्रॉन्ग कॉलिंग थी। अंदर से एक आवाज़ कह रही थी कि क्रिएटिव तौर पर मुझे अभी बहुत कुछ एक्सप्लोर करना है। तभी मैंने अपना गियर बदला और म्यूजिक़ को लेकर पूरी तरह जुनूनी होकर उसे फॉलो करना शुरू किया। इसके बाद शज़ान ने म्यूजिक़ को सीरियसली लेने का फैसला किया और अपनी मां के साथ घंटों रियाज़ करने लगीं। उनकी मां ही उनकी इन-हाउस गुरु बन गईं। शाजान ने बेसिक्स से दोबारा शुरुआत की और खुद को एक स्ट्रॉन्ग वोकलिस्ट बनाने के लिए पूरी तरह समर्पित कर दिया। उनकी म्यूजिक़ल जर्नी उन्हें यूरोप तक भी ले गई, जहां उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक़ सीन के इंटरनेशनल आर्टिस्ट्स के साथ वक्त बिताया। वहां उन्होंने वोकल्स, सॉन्गराइटिंग और पियानो सीखा और धीरे-धीरे अपनी खुद की यूनिक साउंड तैयार की। भारत लौटने के बाद उन्होंने देश के बढ़ते इंडी म्यूजिक़ सीन को करीब से देखा, जिसमें ग्लोबल इन्फ्लुएंसेज़ और इंटरनेशनल एलिमेंट्स का खूबसूरत ब्लेंड देखने को मिल रहा था। यही देखकर उन्हें लगा कि अब अपनी म्यूजिक़ल जर्नी शुरू करने का सही वक्त आ गया है। शाजान के लिए रातां कालियां सिर्फ एक नया सिंगल नहीं, बल्कि उनकी क्रिएटिव जर्नी की एक नई शुरुआत है। यह गाना प्यार के सफर को दिखाता है, जहां इंसान इमोशनल डिपेंडेंस से निकलकर प्यार की एक सिक्योर और बेहतर समझ तक पहुंचता है। यह एहसास कि सच्चा प्यार किसी खालीपन को भरने के बारे में नहीं, बल्कि ऐसे प्यार को पाने के बारे में है जिसमें आप खुद होकर भी सेफ महसूस करें।

मलयालम फिल्मों के सितारे निन पाउली के साथ नजर आएगी रुक्मिणी

जल्द ही अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत मलयालम फिल्मों के सितारे निन पाउली के साथ परदे पर नजर आएगी। अभिनेत्री ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिससे उनकी बढ़ती हुई फिल्मोग्राफी में एक और रोमांचक परियोजना जुड़ गई है। हाल ही में रुक्मिणी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक झलक साझा करते हुए आधिकारिक तौर पर शूटिंग शुरू होने की घोषणा की। यह फिल्म फिलहाल एनपी51 के नाम से जानी जा रही है। सेट से एक झलक साझा करते हुए, रुक्मिणी ने अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, और बस, यह सफर शुरू हो गया एनपी51। किसी ऐसी जगह का हिस्सा बनना, जिसे आपने इतने लंबे समय तक दूर से निहारा और सराहा हो, अपने आप में बेहद खास एहसास है। और अब उसी जगह का एक छोटा सा हिस्सा बन पाना मेरे लिए वाकई बहुत स्पेशल फर्स्ट है। इस प्रोजेक्ट के लिए दिल से शुक्रगुज़ार हूँ। इस परियोजना से जुड़ी टीम भी इसकी एक्साइटमेंट को और बढ़ा रही है। इस फिल्म को चार्ली और नयट्टू जैसी शानदार फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले फिल्ममेकर-प्रोड्यूसर मार्टिन प्रक्कट का समर्थन मिला है। वहीं, जय जय जय जय जय हे के लेखकों में शामिल रहे नाशिद इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। रुक्मिणी वसंत और निन पाउली के साथ इन प्रतिष्ठित नामों का जुड़ना एनपी51 को मलयालम सिनेमा की सबसे दिलचस्प आगामी फिल्मों में से एक बना रहा है। सप्त सागरदाचे एलो और कांतारा जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से रुक्मिणी ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। कभी सिर्फ एक होनहार कन्नड़ प्रतिभा के तौर पर देखी जाने वाली रुक्मिणी अब धीरे-धीरे पूरे साउथ इंडियन सिनेमा में सबसे ज्यादा डिमांड वाली युवा अभिनेत्रियों में अपनी जगह बना चुकी हैं।

ब्लैक कट-आउट ड्रेस में अवनीत कौर का बोल्ड अवतार, ग्लैमरस तस्वीरों से बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

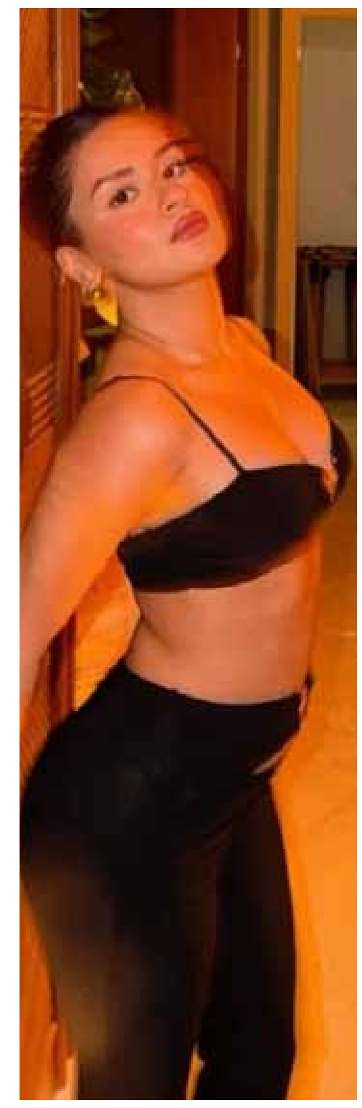

डिजिटल वर्ल्ड और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपने फैशन सेंस से तहलका मचाने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर जब भी कोई नया लुक शेयर करती हैं, तो वह इंटरनेट पर वायरल हो जाता है। अवनीत ने एक बार फिर अपनी तस्वीरों से तहलका मचा दिया है। अवनीत कौर ने ऑल-ब्लैक टू-पीस कट-आउट ड्रेस में अपनी कुछ बेहद बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की है। तस्वीरों के सामने आते ही कमेंट सेक्शन में फैंस ने रेड हार्ट और फायर इमोजी की बौछार कर दी है। हर कोई उनके इस एटीट्यूड और टोन्ड फिगर की तारीफ कर रहा है। अवनीत कौर का यह लेटेस्ट आउटफिट किसी भी नाइट-आउट या क्लब पार्टी के लिए एकदम परफेक्ट इंस्पिरेशन है। अवनीत ने प्लंजिंग नेकलाइन वाला ब्लैक स्ट्रैपी क्रॉप टॉप पहना हुआ है। इस टॉप के सेंटर में दिया गया सन-शेप या स्टार-शेप का गोल्डन मैटेलिक ब्रोच इस सिंपल ब्लैक टॉप को बेहद रॉयल और अट्रैक्टिव लुक दे रहा है। टॉप के साथ ट्यूनिंग करते हुए उन्होंने मैचिंग ब्लैक लो-वेस्ट ट्राउजर पेयर किया है। ट्राउजर के फ्रंट वेस्टबैंड पर बने कट-आउट पर भी वही गोल्डन मैटेलिक डिटेलिंग है, जो उनके एब्स और कर्वी फिगर को हाईलाइट कर रही है। अवनीत ने अपने लुक को क्लासी बनाए रखने के लिए मिनिमल लेकिन इम्पैक्टफुल स्टाइलिंग चुनी है। एक्ट्रेस ने बेस को नेचुरल और ड्यूई रखा है। हाइलाइटेड चीकबोन्स, सॉफ्ट आईशैडो और न्यूड-पिंक लिपस्टिक उनके फेशियल फीचर्स को उभार रही है। अवनीत तस्वीरों में एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। फैंस को एक्ट्रेस का यह बोल्ड अंदाज काफी पसंद आ रहा है।

अभिनेत्री मीनाक्षी ने पोस्ट किया गाना बहुत जताते हो, चाह हमसे, यादें हुईं ताजा

सोशल मीडिया के माध्यम से अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि ने अपनी फिल्म आदमी खिलौना है के दिनों को याद किया। इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए अभिनेत्री ने इस फिल्म में फिल्माए गए गाने बहुत जताते हो, चाह हमसे के पीछे की कहानी भी बताई। वीडियो में वे इस गाने पर बेहद शानदार एक्सप्रेशंस और डांस मूव्स के साथ प्रस्तुति दे रही हैं। उनके इस वीडियो ने फैंस को पुराने दिनों का एहसास करवा दिया और उन्हें अतीत की सुनहरी यादों में खो जाने का मौका दिया। अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, यह बहुत ही खूबसूरत रोमांटिक गाना है। यह गाना मेरी फिल्म आदमी खिलौना है से लिया गया है। महाबलेश्वर की हसीन वादियों में इस गाने को फिल्माया गया था। नदीम श्रवण का ये गीत बेहद पसंद किया गया। इसे दोबारा फिल्माने में बहुत मजा आया। मीनाक्षी के इस प्रयास ने उनके प्रशंसकों को भावुक कर दिया और उन्हें 90 के दशक के लोकप्रिय संगीत और सिनेमा की यादें ताजा करने का अवसर मिला। गाना बहुत जताते हो, चाह हमसे साल 1993 की बॉलीवुड फिल्म आदमी खिलौना है का एक बेहद प्रसिद्ध रोमांटिक गाना है। इस गाने को मशहूर गायक मोहम्मद अजीज और अलका याग्निक ने अपनी सुरीली आवाज़ दी थी, और इसके बोल समीर ने लिखे थे। इसका संगीत उस दौर की प्रसिद्ध जोड़ी नदीम-श्रवण ने तैयार किया था, जिन्होंने कई यादगार धुनें दीं। यह गाना प्यार, अपनेपन और दिल की गहराइयों में छिपे जज्बातों को बयां करता है। इसके बोल प्रेमी-प्रेमिका के बीच के मीठे अहसासों, शिकायत और एक-दूसरे के साथ जीने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। 90 के दशक का यह मेलोडी सॉन्ग आज भी अपने कर्णप्रिय संगीत और भावनाओं से भरे बोलों के लिए पसंद किया जाता है। 1993 में रिलीज हुई पारिवारिक और भावनात्मक हिंदी ड्रामा फिल्म आदमी खिलौना है का निर्देशन जे. ओम प्रकाश ने किया था। इस फिल्म में जितेंद्र, गोविंदा, रीना रॉय और मीनाक्षी शेषाद्रि ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म की कहानी पारिवारिक त्याग और रिश्तों के ताने-बाने पर आधारित है। विजय (जितेंद्र) और गंगा (रीना रॉय) एक खुशहाल जोड़ा है, जो विजय के छोटे भाई शरद (गोविंदा) के साथ रहता है। जब यह पता चलता है कि शरद की पत्नी पूनम (मीनाक्षी शेषाद्रि) बच्चे को जन्म नहीं दे सकती, तब गंगा एक बड़ा त्याग करती है और अपना बच्चा पूनम को सौंप देती है।

जना नायकन की कमाई को भी लगा झटका, धमाल 4 अब भी सिनेमाघरों में कायम

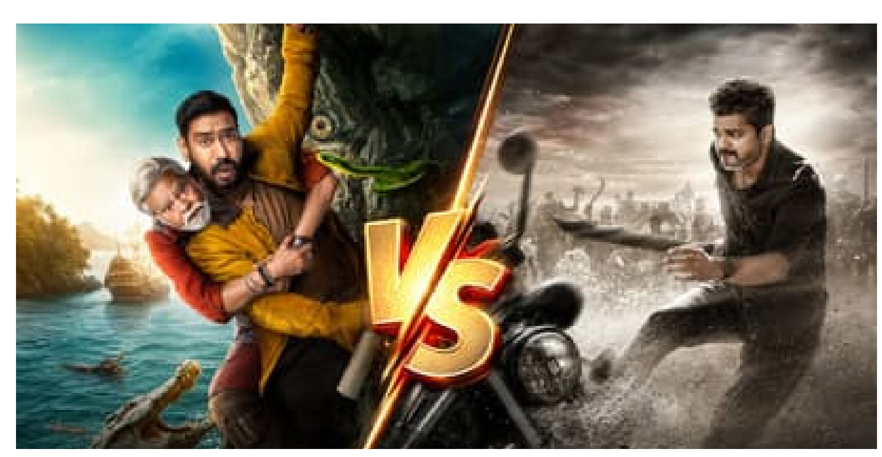

टॉम हॉलैंड की फिल्म **'स्पाइडर-मैनः** ब्रांड न्यू डे भारतीय बॉक्स ऑफिस पर लगातार मजबूत पकड़ बनाए हुए है। फिल्म के सामने 'ओह माय डॉग और 'आर्यभट्ट का जीरो समेत कई हिंदी फिल्में रिलीज हुईं, लेकिन कमाई के मामले में वे ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सकीं। हालांकि, तीसरे सप्ताह में प्रवेश करने के बाद 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे की कमाई की रफ्तार भी धीमी पडने लगी है। रोजाना के कारोबार में गिरावट दर्ज की जा रही है। सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे सप्ताह के पहले दिन भारत में 5.40 करोड़ रुपये की कमाई की। इससे एक दिन पहले 14वें दिन फिल्म ने 6.45 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं 13वें दिन इसका कारोबार 8.50 करोड़ रुपये और 12वें दिन 7.60 करोड़ रुपये रहा था। 15वें दिन की कमाई के साथ फिल्म का भारत में कुल शुद्ध कारोबार 443.40 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए कमाई में कुछ गिरावट जरूर आई है, लेकिन सप्ताहांत में कारोबार बढने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि फिल्म जल्द ही 500 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो सकती है। थलपति विजय की फिल्म 'जना नायकन ने सिनेमाघरों में तीन सप्ताह पूरे कर लिए हैं और अब यह चौथे सप्ताह में पहुंच गई है।

चौथे सप्ताह की शुरुआत के साथ फिल्म के कारोबार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। सैकनिल्क की शुरुआती रुझान रिपोर्ट के अनुसार, रिलीज के 22वें दिन यानी चौथे गुरुवार को 'जना नायकन ने भारत में करीब 67 लाख रुपये का शुद्ध कारोबार किया। इसके साथ ही 22 दिनों में फिल्म की कुल शुद्ध कमाई 195.02 करोड़ रुपये हो गई है। अजय देवगन की फिल्म 'धमाल 4 को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक महीने से अधिक समय हो चुका है, लेकिन फिल्म अब भी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब है। हालांकि, अब इसकी दैनिक कमाई लाखों रुपये तक सिमट गई है। सैकनिल्क की शुरुआती रुझान रिपोर्ट के मुताबिक, रिलीज के 35वें दिन 'धमाल 4 ने 1,670 प्रदर्शनों से करीब 30 लाख रुपये का शुद्ध कारोबार किया। इसके साथ भारत में फिल्म की कुल शुद्ध कमाई 167.35 करोड़ रुपये और कुल सकल कमाई 198.72 करोड़ रुपये हो गई है। विदेशी बाजार में 'धमाल 4 ने अब तक 30.85 करोड़ रुपये का सकल कारोबार किया है। इस तरह फिल्म की दुनियाभर में कुल सकल कमाई 229.57 करोड़ रुपये पहुंच गई है। 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे ने रिलीज के बाद से भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन अब फिल्म के सामने असली चुनौती शुरू होने वाली है। सनी देओल की 'बटवारा 1947 और इमरान हाशमी की 'आवारापन 2 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी हैं। दोनों फिल्मों के बीच जहां आपसी मुकाबला देखने को मिलेगा, वहीं इनकी रिलीज का असर 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे के कारोबार पर भी पड़ सकता है। नई फिल्मों के सिनेमाघरों में उतरने से दर्शकों के पास मनोरंजन के विकल्प बढ़ गए हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि तीसरे सप्ताह में धीमी पड़ती 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे की रफ्तार सप्ताहांत में फिर तेज होती है या नई फिल्मों की चुनौती के कारण इसकी कमाई पर और असर पड़ता है। फिल्म की नजर फिलहाल 500 करोड़ रुपये के आंकड़े पर टिकी हुई है।

कपड़ों को जल्दी खराब होने से बचाने के लिए अपनाएं ये 5 आसान आदतें

कपड़े हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा होते हैं। चाहे वह ऑफिस के लिए हों, पार्टी के लिए या रोजमर्रा के उपयोग के लिए। हम सभी चाहते हैं कि हमारे कपड़े लंबे समय तक नए जैसे दिखें। इसके लिए हमें कुछ आसान और असरदार आदतें अपनानी चाहिए। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी आदतें बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने कपड़ों की उम्र बढ़ा सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक नए जैसा बनाए रख सकते हैं। कपड़े धोने का सही तरीका अपनाना बहुत जरूरी है। गर्म पानी में कपड़े धोने से कपड़े फट सकते हैं या सिकुड़ सकते हैं, इसलिए हमेशा ठंडे पानी का उपयोग करें। साबुन का सही मात्रा में उपयोग करें और कपड़ों को उल्टा करके धोएं, ताकि उनके रंग और डिजाइन सुरक्षित रहें। इसके अलावा नाजुक कपड़ों को हाथ से धोना बेहतर होता है। इससे कपड़ों की गुणवत्ता बनी रहती है और वे लंबे समय तक नए जैसे दिखते हैं।

कपड़ों को सुखाने का तरीका भी अहम होता है। धूप में सीधे कपड़े सुखाने से उनके रंग फीके पड़ सकते हैं, इसलिए उन्हें छांव में सुखाना बेहतर है। इसके अलावा कपड़ों को टांगने से पहले हल्का-सा खींच लें, ताकि उनकी आकृति बनी रहे। नाजुक कपड़ों को हवा में सुखाना बेहतर होता है। इससे वे जल्दी सूखते हैं और उनकी गुणवत्ता भी बनी रहती है। इन तरीकों से आप अपने कपड़ों को लंबे समय तक नए जैसा बना सकते हैं। इस्त्री करते समय तापमान का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। अधिक गर्मी से कपड़े सिकुड़ सकते हैं या जल सकते हैं, इसलिए अलग-अलग कपड़ों के लिए अलग-अलग तापमान सेट करें। सूती के लिए अधिक तापमान और लिनन या रेशम के लिए मध्यम तापमान सेट करें। इस्त्री करने से पहले कपड़ों को हल्का-सा गीला कर लें, ताकि इस्त्री आसानी से हो सके और कपड़े अच्छे से सेट हो जाएं। इससे आपके कपड़े लंबे समय तक नए जैसे दिखेंगे। कपड़ों को सही तरीके से स्टोर करना भी अहम होता है। अगर आप अपने कपड़ों को सही तरीके से स्टोर नहीं करेंगे तो वे धूल-मिट्टी या कीड़े-मकोड़ों से खराब हो सकते हैं। इसके लिए कपड़ों को साफ-सुथरा करके अलमारी में रखें और बीच-बीच में उन्हें हफ्ते में एक बार निकालकर हवा लगाएं। नाजुक कपड़ों को कपड़े धोने वाले बैग में स्टोर करें, ताकि वे सुरक्षित रहें। इसके अलावा समय-समय पर अलमारी को साफ करना न भूलें। अगर आप अपने कपड़ों के साथ एक्सेसरीज पहनते हैं, जैसे बेल्ट और घड़ी आदि तो उनका ध्यान रखना भी जरूरी होता है। इन एक्सेसरीज में मौजूद धातु या अन्य सामग्री आपके कपड़ों पर असर डाल सकती हैं, इसलिए इन्हें अलग-अलग रखें। इन आसान आदतों को अपनाकर आप न केवल अपने कपड़ों की देखभाल कर सकते हैं, बल्कि उन्हें लंबे समय तक नए जैसा बना सकते हैं। इन तरीकों से आपके कपड़े न केवल सुंदर दिखेंगे, बल्कि आरामदायक भी रहेंगे।

बहुओं से अच्छा व्यवहार करना कोई महानता नहीं : अर्चना पूरन सिंह

बॉलीवुड अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह ने कहना है कि वह अपनी बहुओं योगिता बिहानी और समीक्षा शेट्टी को बहू नहीं, बल्कि अपनी बेटियों की तरह मानती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि परिवार में नए सदस्य को अपनाना कोई असाधारण काम नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और अच्छा इंसान होने की स्वाभाविक पहचान है। अर्चना ने कहा कि जब कोई माता-पिता अपने बच्चों से प्रेम करते हैं और उनके जीवनसाथी के चुनाव का सम्मान करते हैं, तो स्वाभाविक रूप से वह व्यक्ति भी परिवार का हिस्सा बन जाता है। उनका मानना है कि रिश्तों को सम्मान और अपनापन देकर ही मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब वह स्वयं बहू बनी थीं, तब उन्हें कुछ ऐसे अनुभवों से गुजरना पड़ा जिन्हें वह कभी दोहराना नहीं चाहेंगी। अर्चना ने कहा कि अक्सर यह माना जाता है कि जिसके साथ जैसा व्यवहार होता है, वह आगे वैसा ही करता है, लेकिन उनका मानना है कि इसका उल्टा भी संभव है। यदि किसी ने कठिन अनुभव झेले हैं तो वह यह भी तय कर सकता है कि दूसरों के साथ वैसा व्यवहार कभी नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने भी यही रास्ता चुना है। अर्चना के मुताबिक, उनके बेटों के जीवन में उनकी पार्टनर आने के बाद परिवार का दायरा और बड़ा हो गया है।

महिला हॉकी विश्व कप: दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगा भारत

एजेंसी, एम्स्टेलवीन

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज करने के इरादे से मंगलवार को पूल डी के मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। मुकाबला एम्स्टेलवीन के वेगेनर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत ने टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को कड़ी चुनौती देते हुए 2-2 से ड्रॉ खेला था। भारत की ओर से नवनीत कौर और दीपिका ने गोल किए। चीन ने दो बार वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर खत्म किया। चीन के खिलाफ प्रदर्शन से भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है, लेकिन अब टीम की नजर तीन अंक हासिल करने पर होगी। वहीं, दक्षिण अफ्रीका को अपने पहले मुकाबले में इंग्लैंड के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा था

और वह भारत के खिलाफ वापसी करना चाहेगा। पूल डी में फिलहाल इंग्लैंड शीर्ष पर है, जबकि भारत और चीन एक-एक अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चारों पूल की शीर्ष दो टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी और सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रहेंगी। ऐसे में भारत के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत बेहद महत्वपूर्ण होगी। हालांकि मुख्य कोच सजॉर्ड मारिजन का कहना है कि टीम का ध्यान अंक तालिका के समीकरणों पर नहीं, बल्कि अपने प्रदर्शन पर है। उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, "हम गणना या इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि कौन किसके खिलाफ जीत रहा है। हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि हम खुद पर और अपनी ताकत पर ध्यान दें। चीन के खिलाफ हमने मौके बनाए, जो सकारात्मक बात थी। रक्षात्मक रूप से भी हम काफी मजबूत रहे। हमें डबल टर्नओवर पर काम करने की जरूरत है, यानी गेंद जीतने के बाद उसे अपने कब्जे में बनाए रखना। इसमें हम बेहतर कर सकते हैं।" मारिजन ने दक्षिण अफ्रीका को लेकर खिलाड़ियों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा, "अब हमारा सामना दक्षिण अफ्रीका से है और मैंने लड़कियों से कहा है कि वे इसे हल्के में न लें। दक्षिण अफ्रीका भी एक अच्छी टीम है, इसलिए हमें इस मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार रहना होगा।" भारत को चीन के खिलाफ मिले मौकों को गोल में बदलने की क्षमता में सुधार करना होगा। नवनीत और दीपिका की अच्छी शुरुआत टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। वहीं, भारतीय रक्षापंक्ति को चीन के खिलाफ दिखाए गए संयम और मजबूती को बरकरार रखना होगा। दक्षिण अफ्रीका अपने शुरुआती मुकाबले की हार के बाद मजबूत वापसी के लिए मैदान पर उतरेगा।

दो अक्टूबर से शुरु हो सकता है 2027 एकदिवसीय विश्वकप : रिपोर्ट

एजेंसी, जोहांसबर्ग

2027 एकदिवसीय विश्वकप टूर्नामेंट 2 अक्टूबर से शुरु होने की संभावना है। इस टूर्नामेंट का आयोजन दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रुप से कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार विश्वकप 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर शुरु हो सकता है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने हालांकि अभी तक इस बार में कोई बयान नहीं दिया है पर माना जा रहा है कि महात्मा गांधी का दक्षिण अफ्रीका से गहरा नाता रहा है, उन्होंने अपने जीवन के 21 साल यहां बिताए थे। ऐसे में इस खास तारीख से टूर्नामेंट को शुरु कर आईसीसी उनके शांति

और अहिंसा के वैश्विक संदेश को सम्मान दे सकता है। इस बड़े क्रिकेट टूर्नामेंट को गांधी जयंती से जोड़ना एक प्रतीकात्मक कदम माना जा रहा है। वहीं पहले विश्वकप का उद्घाटन 8 अक्टूबर को प्रस्तावित था और अभ्यास मैच अक्टूबर के पहले सप्ताह में होने थे पर अब नई योजना के तहत, अभ्यास मुकाबलों को सितंबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जा सकता है, जिससे मुख्य टूर्नामेंट 2 अक्टूबर से शुरू हो सके और इस महत्वपूर्ण तारीख को समायोजित किया जा सके। तकरीबन 50 दिनों तक चलने वाले इस लंबे टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, इसका फाइनल 21 नवंबर 2027 को खेले जाने की संभावना है। इस टूर्नामेंट में दुनिया भर की शीर्ष क्रिकेट टीमों को खिताब के लिए मुकाबला करते देखा जा सकता है। टूर्नामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के कुल 12 शहरों को मेजबानी के लिए चुना गया है। दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग का वांडरर्स, सेंचुरियन, केपटाउन का न्यूलैंड्स, डरबन का किंग्समीड, गक्बेरहा का सेंट जॉर्ज पार्क, ब्लोमफोंटेन का मंगाउंग ओवल, पार्ल का बोलैंड पार्क और बफेलो पार्क जैसे प्रमुख स्टेडियम मुकाबले आयोजित करेंगे। जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो का क्वींस स्पोर्ट्स क्लब और विक्टोरिया फॉल्स का मोसी-ओआ-तुन्या स्टेडियम मैचों की मेजबानी करेगा।

यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप: एमी हंट ने जीते चार स्वर्ण, डुप्लांटिस लगातार चौथी बार बने चैंपियन

एजेंसी, बर्मिंघम

ब्रिटेन की एमी हंट ने रविवार को यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में एक संस्करण में चार स्वर्ण पदक जीतकर नया रिकॉर्ड बनाया। वहीं, स्वीडन के स्टार पोल वॉल्टर आर्मंड 'मोंडो' डुप्लांटिस ने लगातार चौथी बार यूरोपीय चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। हंट ने मिश्रित 4x100 मीटर रिले में ब्रिटेन को स्वर्ण दिलाया। जेरेमिया अजू, दीना एशर-स्मिथ, झार्नेल ह्यूज और हंट की टीम ने 39.97 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। जर्मनी 40.11 सेकंड के साथ दूसरे और स्पेन 40.42 सेकंड

के साथ तीसरे स्थान पर रहा। हंट इससे पहले 100 और 200 मीटर के व्यक्तिगत खिताब के अलावा शनिवार को महिला 4x100 मीटर रिले का स्वर्ण भी जीत चुकी थीं। एंकर लेग में उन्होंने जर्मनी की जीना लुकेंकेम्पर को पीछे छोड़ते हुए ब्रिटेन को जीत दिलाई। हंट ने कहा, "मैं बेहद खुश हूं। खेल में अपने कुछ सबसे अच्छे दोस्तों के साथ इसे खत्म करना अविश्वसनीय है। हमने यह सब मिलकर किया और यह शानदार एहसास है।" वहीं, दीना एशर-स्मिथ ने अपने करियर का आठवां यूरोपीय चैंपियनशिप स्वर्ण जीता। वह प्रतियोगिता की सबसे ज्यादा पदक जीतने वाली एथलीट बन गईं। उनके नाम अब कुल 11 पदक हैं, जो दिवंगत पोलिश धाविका इरेना शेविंस्का से एक अधिक हैं। मिश्रित 4x100 मीटर रिले को पहली बार यूरोपीय चैंपियनशिप में शामिल किया गया था।

एफआईएच विश्व कप में पुरुष-महिला टीमों की भागीदारी पर आईओए ने जताया गर्व

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बेल्जियम और नीदरलैंड्स में 15 से 30 अगस्त तक हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप-2026 में भारतीय पुरुष और महिला टीमों की भागीदारी का स्वागत किया है। आईओए ने दोनों टीमों को विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी। आईओए ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारत की मौजूदगी भारतीय हॉकी की मजबूती और लगातार हो रही प्रगति को दर्शाती है। भारत इस वर्ष एफआईएच हॉकी विश्व कप में पुरुष और महिला दोनों टीमों के साथ भाग लेने वाला एकमात्र दक्षिण एशियाई देश है। विश्व कप दोनों टीमों को दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने और अपने उच्च प्रदर्शन वाले खेल कार्यक्रम को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है। इसके बाद भारतीय टीमों का लक्ष्य आइची-नागोया 2026 एशियाई खेलों और फिर लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों की तैयारियों पर रहेगा। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा, "मैं एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली हमारी पुरुष और महिला दोनों टीमों को हार्दिक बधाई देती हूं।

यूपी टी20 : मैच जिताऊ पारी के बाद बोले स्वास्तिक चिकारा- विराट से सीखा 100% देना

एजेंसी, लखनऊ

यूपी टी20 लीग में रविवार रात मेरठ मावेरिक्स को गौर गोरखपुर लायंस के खिलाफ जीत दिलाने वाली अर्धशतकीय पारी के बाद, ओपनर स्वास्तिक चिकारा ने बताया कि दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करने से खेल के प्रति उनका नज़रिया पूरी तरह बदल गया है। चिकारा ने यूपी टी20 के पहले संस्करण में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद अपना पहला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया था। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा थे जिसने 2025 में आईपीएल का टाइटल जीता था। यह युवा

बल्लेबाज मेरठ मावेरिक्स के दबदबे का आधार रहा है, जिसने पिछले तीनों एडिशन में फ्रेंचाइजी को फाइनल तक पहुंचाने और 2024 में टाइटल जीतने में अहम भूमिका निभाई। उस टाइटल जीतने वाले 2024 सीज़न के दौरान, चिकारा अपने आप में एक अलग ही जोन में थे, टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर 49.90 के एवरेज और 185.50 के स्ट्राइक रेट से 499 रन बनाए, जिसमें तीन फिफ्टी और एक सेंचुरी शामिल थी। उन्होंने अपनी मौजूदा सोच और शानदार तैयारी का क्रेडिट आरसीबी सेटअप में अपने समय और खासकर कोहली को करीब से देखने को दिया। भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को अपने मैच जिताने वाले परफॉर्मेंस के बाद चिकारा ने कहा, "मैंने विराट कोहली से सीखा है कि अपनी प्रैक्टिस पर फोकस करो और अपना 100 परसेंट दो।

बिजनेस

एफडीए की कार्रवाई स्वागत योग्य, कानून से ऊपर कोई नहीं : खंडेलवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन एवं टाइगर श्रॉफ को विमल इलायची के प्रचार-प्रसार से जुड़े मामले में नोटिस जारी किया जाना बहुत ही कानून सम्मत एवं एक स्वागतयोग्य कदम है। सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही है। सांसद एवं कैट महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने सोमवार को कहा कि यह संदेश स्पष्ट रूप से जाना चाहिए कि देश में कानून, नियम और उपभोक्ता हित सर्वोपरि हैं तथा किसी भी व्यक्ति की लोकप्रियता या सेलिब्रिटी हैसियत उसे कानूनों के पालन से छूट नहीं दे सकती। खंडेलवाल ने कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक है कि कुछ प्रसिद्ध बॉलीवुड हस्तियां केवल व्यावसायिक लाभ के लिए ऐसे उत्पादों के प्रचार से जुड़ जाती हैं, जिनके विज्ञापन और ब्रांडिंग को लेकर गंभीर कानूनी एवं नैतिक प्रश्न उठते रहे हैं। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोग इन सेलिब्रिटीज़ को अपना आदर्श मानते हैं। ऐसे में उनकी सामाजिक जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। यदि वे स्वयं नियमों की

अनदेखी करते दिखाई दें, तो समाज में गलत संदेश जाता है और कानून के प्रति सम्मान कमज़ोर पड़ता है। उन्होंने कहा की दुर्भाग्य से आजकल कानूनों और नियमों की अवहेलना करना एक प्रकार का फैशन बनता जा रहा है। चाहे कुछ चर्चित सेलिब्रिटी हों या फिर देश में निवेश करने वाली कुछ विदेशी निवेश (एफडीआई) आधारित कंपनियां, अनेक मामलों में ये देखा गया है कि नियमों की सीमाओं को जानबूझकर लांघने या उनका मनमाना अर्थ निकालने का प्रयास किया जाता है। यह प्रवृत्ति अत्यंत गंभीर है और इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। खंडेलवाल ने जोर देकर कहा की व्यापार, उद्योग, मनोरंजन जगत अथवा किसी अन्य क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों के लिए एक समान नियम होने चाहिए। यदि आम नागरिक और छोटे व्यापारी कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य हैं, तो बड़े ब्रांड, बड़ी कंपनियां और बड़े चेहरे भी उसी कसौटी पर परखे जाने चाहिएं। कानून का सम्मान ही स्वस्थ व्यापारिक व्यवस्था और उत्तरदायी समाज की नींव है। उन्होंने उम्मीद जताई है की महाराष्ट्र एफडीए इस मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करेगा, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति या संस्था अपनी लोकप्रियता, प्रभाव अथवा आर्थिक शक्ति के बल पर नियमों को दरकिनार करने का साहस न कर सके। देश में कानून का राज स्थापित रहना चाहिए और यह सिद्धांत व्यवहार में भी दिखाई देना चाहिए कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने एक दिन पहले अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ तीनों अभिनेताओं को विमल इलायची के विज्ञापन को लेकर महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) कारण बताओ नोटिस जारी किया है। महाराष्ट्र में पान मसाला पर फिलहाल प्रतिबंध है, जिसके चलते राज्य एफडीए ने इस विज्ञापन को गंभीरता से लिया है।

डीआरआई ने सुपारी के आयात में 2,500 करोड़ की सीमा शुल्क धोखाधड़ी का किया भंडाफोड़, 09 गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली । राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने सुपारी आयात में 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की सीमा शुल्क चोरी का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वित्त मंत्रालय ने रविवार को जारी एक एक बयान में कहा कि डीआरआई की जांच में अब तक अवैध रूप से सुपारी आयात किए जाने से सरकारी राजस्व को 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के संभावित नुकसान का पता चला है। उसने कहा कि इस मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से सुपारी आयात करके उसे गलत तरीके से बांग्लादेश मूल का बताने और दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (एसएएफटीए) के तहत रियायती सीमा शुल्क का धोखाधड़ी से लाभ लेने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक डीआरआई ने सुपारी आयात में साफ्टा समझौते के बड़े पैमाने पर अवैध उपयोग का खुलासा किया है। निदेशालय ने महीनों तक चली जांच में सरकारी खजाने से लगभग 2,500 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा किया, जिसमें करीब 75 लाख रुपये नकद और 160 मीट्रिक टन सुपारी जब्त की गई है।

शेयर बाजार में गिरावट का रूख, सेंसेक्स 432 अंक टूटा

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान पर खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 432 अंक और निफ्टी में 106.40 अंकों की गिरावट दर्ज की गई।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 432.47 अंक यानी 0.55 फीसदी की गिरावट के साथ 77,576.78 पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 106.70 अंक यानी 0.44 फीसदी टूटकर 24,259.30 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर में सबसे अधिक गिरावट रही। हालांकि, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और टाइटन के शेयर में बढ़त दर्ज की

गई। इसके अलावा एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त में कारोबार कर रहे हैं। वहीं, रुपया शुरुआती कारोबार में 10 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.52 पर कारोबार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि सेंसेक्स पिछले हफ्ते अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को 70.71 अंक और निफ्टी 29.85 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ था।

सरकार जल्द ही 'बैंकिंग फॉर विकसित भारत' पर उच्चस्तरीय समिति गठित करेगी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार जल्द ही 'बैंकिंग फॉर विकसित भारत' पर एक उच्चस्तरीय समिति का गठन करेगी। इस समिति का उद्देश्य साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के अनुरूप बैंकिंग क्षेत्र की व्यापक समीक्षा करना है। केंद्रीय वित्त मंत्री राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में दो दिवसीय 'पीएसबी कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए यह बात कही।

सीतारमण ने कहा कि हमें उम्मीद है कि बैंकिंग क्षेत्र की समीक्षा के लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति के गठन की घोषणा जल्द होगी और समिति की घोषणा जल्द की जाएगी।उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य बहुत दूर नहीं है। 'विकसित भारत' के लिए बैंकिंग व्यवस्था पर चर्चा करने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता, खासकर तब जब सभी सरकारी बैंकों (पीएसबी) और वित्तीय संस्थानों ने चुनौतियों का सामना करते हुए सुधारों की राह अपनाई है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय बैंकिंग के इतिहास में फंसा हुआ कर्ज (एनपीए) का स्तर अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। इसलिए बैंकिंग सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए इससे बेहतर और मजबूत स्थिति नहीं हो सकती।

भारतीय व्यापार महोत्सव ने रचा इतिहास, 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक के व्यापारिक अवसर सृजित

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में 12 से 15 अगस्त तक आयोजित चार दिवसीय भारतीय व्यापार महोत्सव (बीवीएम) 2026 का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन में 1.8 लाख से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया और 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक के व्यापारिक अवसर सृजित हुए है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि महोत्सव में व्यापारियों, निर्माताओं, निर्यातकों, स्टार्टअप्स, निवेशकों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, उपभोक्ताओं तथा विदेशी खरीदारों सहित 1.8 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि इस व्यापार महोत्सव के दौरान आयोजित खरीदार-विक्रेता बैठकों, व्यापारिक संवादों, सोर्सिंग चर्चाओं और साझेदारी वार्ताओं के परिणामस्वरूप पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक के व्यापारिक अवसर सृजित हुए हैं, जिनके आने वाले महीनों में वास्तविक व्यापारिक सौदों में परिवर्तित होने की संभावना है। खंडेलवाल ने बताया कि बीवीएम 2026 की एक प्रमुख विशेषता इसकी मजबूत अंतरराष्ट्रीय भागीदारी रही।

टेम्पसेंस इंस्ट्रुमेंट्स का आईपीओ 20 अगस्त को खुलेगा, मूल्य दायरा 285-300 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली

टेम्पसेंस इंस्ट्रुमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 20 अगस्त को खुलेगा। इसमें निवेश करने के लिए निवेशक 24 अगस्त तक बोली लगा सकते हैं। एंकर निवेशक 19 अगस्त को बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 285-300 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। टेम्पसेंस इंस्ट्रुमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड के 650 करोड़ रुपये के इस आईपीओ में करीब 95 करोड़ रुपये के नए शेयर तथा 1.85 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश

(ओएफएस) शामिल है। निवेशक इसमें कम से कम 50 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 50 के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं।कंपनी की योजना इस इश्यू से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल पूंजीगत व्यय को वित्तपोषित करने, कर्ज चुकाने और कंपनी के सामान्य कामकाज के लिए किया जाएगा। कंपनी का शेयर 28 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। वर्ष 1990 में स्थापित टेम्पसेंस इंस्ट्रुमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड एक प्रमुख थर्मल इंजीनियरिंग और विशेष केबल समाधान प्रदाता कंपनी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।